10 हार्दि पांड्या....

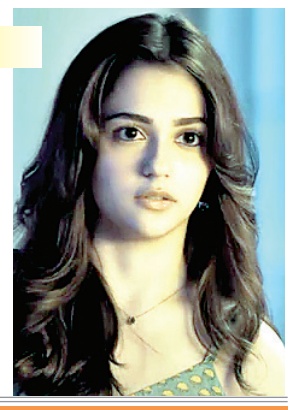


झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 अनित पड्डा...



रांची, गुरुवार, 12 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -139 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



नंद कुमार राम
अंचल अधिकारी लातेहार

संघर्ष ही जीवन का असली सार है, क्योंकि जितना कठिन संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी। अपने सपनों को सच करने के लिए अवसरों की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने कर्म और मेहनत से उन्हें बनाएं। अपनी ऊर्जा और योजनाओं को गुप्त रखें, और परिणामों के माध्यम से अपनी सफलता का शोर मचाएं।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**

चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **81,879.40**

निफ्टी :- **25,255.05**

मौसम

अधिकतम तापमान : **25**

न्यूनतम तापमान : **16**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **06:01**

संध्या :- **17:05**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1781 को अंग्रेजों ने दक्षिण भारत के तटीय शहर नागापट्टनम पर कब्जा किया।

संक्षिप्त समाचार

महंगाई का झटका: मदर डेयरी ने 4 रुपये तक बढ़ाए दूध के दाम

नई दिल्ली। मदर डेयरी ने इनपुट कॉस्ट बढ़ने का हवाला देते हुए दिल्ली-एनसीआर में लिक्विड दूध के दाम 2 से 4 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ा दिए हैं, जो 12 नवंबर से लागू होंगे। छह महीने में दूसरी बार हुई इस बढ़ोतरी का सीधा असर आम लोगों के घरेलू बजट और खाद्य महंगाई पर पड़ने की आशंका है। मदर डेयरी ने अपने खुले और पैकेट वाले लिक्विड दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। नई दरें 12 नवंबर से लागू हो जाएंगी। इसके तहत अब मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध रु76 प्रति लीटर और टोंड दूध रु62 प्रति लीटर में मिलेगा। इसी तरह डबल टोंड मिल्क की कीमत रु54 से बढ़कर रु56 प्रति लीटर हो गई है। गाय के दूध के दाम भी रु62 से बढ़ाकर रु65 प्रति लीटर कर दिए गए हैं, जबकि एनसीआर में बल्क वेंडेड यानी खुले टोंड मिल्क की कीमत रु58 से बढ़ाकर रु60 प्रति लीटर कर दी गई है। इससे पहले कंपनी ने 14 मई 2026 को और उससे पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में बदलाव किया था।

मुंबई जा रही एअर इंडिया फ्लाइट में हाईजैक की धमकी से हड़कंप: टॉयलेट के शीशे पर मिला मैसेज

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट के शौचालय के शीशे पर हाईजैक की धमकी लिखा संदेश मिलने से हड़कंप मच गया। पायलट की सूचना पर विमान को तुरंत आइसोलेशन बे में ले जाया गया, जहां सीआईएसएफ और पुलिस की टीमें सघन तलाशी अभियान चलाने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं। जानकारी के अनुसार, एअर इंडिया का यह विमान कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान भरने की तैयारी में था। इसी दौरान विमान के शौचालय के शीशे पर हाईजैक से संबंधित एक धमकी भरा संदेश लिखा हुआ दिखाई दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिना कोई देरी किए विमान के पायलट ने तुरंत एअर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी सूचना दी।

जमशेदपुर बना झारखंड का सबसे स्वच्छ शहर, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

जमशेदपुर। देशभर में हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में झारखंड के जमशेदपुर को स्वच्छता में एक बार फिर पहचान मिली है. विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में जमशेदपुर को सम्मानित किया गया है. झारखंड में स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली, निरंतर प्रयासों और नागरिक सहभागिता के दम पर जमशेदपुर ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान कायम रखी है. स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में जमशेदपुर ने स्वच्छता के अपने शानदार सफर को जारी रखते हुए झारखंड का मान बढ़ाया है. दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में 4,752 नगरीय निकायों की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए झारखंड के जमशेदपुर को सम्मान मिला है. आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जमशेदपुर को सम्मानित किया है. सम्मान प्राप्त करने के लिए आयोजित समारोह में जमशेदपुर का प्रतिनिधित्व



सुनील कुमार, प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, सूरज कुमार, निदेशक, रवऊअ, योगेंद्र प्रसाद, नगर आयुक्त, जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति तथा टाटा स्टील यूआईएसएल के जनरल मैनेजर रविंद्र कुमार सिंह ने किया.

शहर में डोर टू डोर कचरा संग्रहण

ग्रीन सिटी क्लीन सीटी स्टील सीटी के नाम के पहचान बनाने वाला जमशेदपुर ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी निरंतर उपलब्धियों और प्रभावी नगर प्रबंधन व्यवस्था के माध्यम से झारखंड का मान बढ़ाया है. यह उपलब्धि जमशेदपुर की स्वच्छता संस्कृति, संस्थागत प्रतिबद्धता, आधुनिक तकनीक, मजबूत निगरानी व्यवस्था और शहरवासियों की सक्रिय सहभागिता का परिणाम है. शहर में डोर टू डोर कचरा संग्रहण, स्रोत पर कचरे का पृथक्करण, आधुनिक अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी, जैविक कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण, केंद्रों और जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से स्वच्छता व्यवस्था को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है.

जागरूक नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान

जमशेदपुर की यह उपलब्धि केवल एक सर्वेक्षण की सफलता नहीं, बल्कि स्वच्छ, सुंदर और सतत शहर के निर्माण की दिशा में किए जा रहे सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है. इस उपलब्धि में सफाई कर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न संस्थानों और शहर के जागरूक नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. जमशेदपुर ने एक बार फिर साबित किया है कि निरंतर प्रयास, बेहतर प्रबंधन और जनभागीदारी से स्वच्छता के क्षेत्र में नए राष्ट्रीय मानक स्थापित किए जा सकते हैं. सर्वेक्षण 2025-26 में झारखंड ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. नई दिल्ली विज्ञान भवन में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 पुरस्कार समारोह में झारखंड के जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति को State First Swachh City अवार्ड से सम्मानित किया गया है. भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया. इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, राज्य मंत्री तोखन साहू, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव सत्येन्द्र सिंह तथा मंत्रालय के पूंजी विकास विभाग की सचिव सुश्री डी. थारा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे.

स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए प्रमुख प्रयास

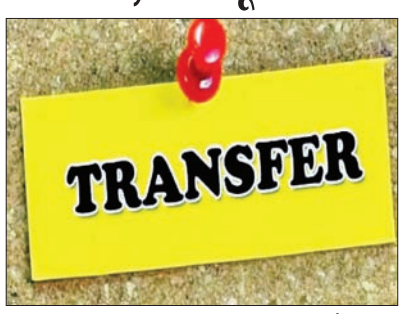
- नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण नगर निकायों के स्वच्छता संबंधी कार्यों की नियमित समीक्षा एवं निगरानी की गई तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए.
- डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण घरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से नियमित कचरा संग्रहण एवं परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया.
- स्रोत पर कचरा पृथक्करण: गीले, सूखे एवं अन्य श्रेणियों के कचरे के पृथक्करण हेतु नागरिकों को जागरूक किया गया.
- अपशिष्ट प्रसंस्करण Material Recovery Facility (MRF), कम्पोस्टिंग यूनिट एवं अन्य ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं के विकास एवं संचालन को बढ़ावा दिया गया.
- लीगेसी वेस्ट प्रबंधन:पुराने कचरा डंपसाइटों के वैज्ञानिक निस्तारण एवं भूमि पुनरुद्धार के लिए विशेष प्रयास किए गए.
- शौचालयों की स्वच्छता सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई एवं नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया गया.
- जनभागीदारी एवं इएक स्वच्छता रैलियों, जन-जागरूकता अभियानों एवं सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता बढ़ाई गई.
- विशेष स्वच्छता अभियान बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं चिन्हित ब्लैक स्पॉट की नियमित सफाई एवं सुधार हेतु विशेष अभियान चलाए गए.
- डिजिटल निगरानी टकर अपडेट, जियो-टैगिंग एवं डिजिटल रिपोर्टिंग के माध्यम से स्वच्छता गतिविधियों की निगरानी सुनिश्चित की गई.
- बल्क वेस्ट जनरेटर प्रबंधन बड़े संस्थानों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कचरे के पृथक्करण एवं वैज्ञानिक प्रबंधन को प्रोत्साहित किया गया.
- इन समन्वित प्रयासों के माध्यम से राज्य में शहरी स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया गया.

झारखंड वन विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 39 अधिकारियों का तबादला-पदस्थापन, अधिसूचना जारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है. सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के तहत भारतीय वन सेवा के 39 अधिकारियों का तबादला पदस्थापन हुआ है. साथ ही कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी दिए गए हैं. 1994 बैच के राजकुमार वाजपेयी को अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है. इसके अलावा उन्हें पलामू, हजारीबाग, रांची और दुमका के निदेशक, प्रसार वानिकी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. वहीं 1995 बैच के जब्बर सिंह को स्थानांतरित करते हुए अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कैंपा, रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है. इसके पहले जब्बर सिंह बिरसा जैविक उद्यान, रांची के निदेशक थे. वहीं कर्मा जिंपा भुटिया को अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मानव संसाधन विकास, रांची की जिम्मेदारी दी गई है.

वहीं 1999 बैच के सिद्धार्थ त्रिपाठी को झारखंड राज्य वन विकास निगम लिमिटेड का प्रबंध निदेशक बनाया गया है. उनको अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, एफडीए रांची का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. वहीं एसआर नटेश को मुख्य वन संरक्षक, सतर्कता, रांची का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वर्तमान में उनके पास मुख्य वन



संरक्षक, वन प्राणी, रांची की जिम्मेदारी है. साथ ही एसआर नटेश पीटीआर के भी निदेश हैं. इसके अलावा आर थंगा पांडेयन को महाप्रबंधक लघु वन विकास निगम, हजारीबाग का अतिरिक्त प्रभार मिला है. वहीं पीआर नायडु को प्रोन्नति देते हुए क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, रांची की जिम्मेदारी दी गई है. साथ ही डॉ. वी बासकरन, ममता प्रियदर्शी, सबा आलम अंसारी, अभिषेक कुमार, प्रवेश अग्रवाल, कुमार आशीष, विजय शंकर दुबे, सौरभ चंद्रा, विनय कांत मिश्रा, विकास कुमार उज्जवल, सत्यम कुमार, अविरुप सिन्हा, आदित्य नारायण, मुकेश कुमार, नीतीश कुमार, सौमित्र शुक्ला, विकास पालीवाल, राहुल कुमार, बनकर अजिंक्य देवीदास, सात्विक, अहमद बेलाल अनवर, राहुल मीणा, अशुंमान, एबिन बेनी अब्राहम, शिंदे संदीप कारभारी, पुष्कर काले, आदर्श शरण, अनुराधा मिश्रा, मोहित कुमार बंसल, नवनीत बीआर और श्वेताब सुमन के नाम शामिल हैं.

राज्य प्रशासनिक सेवा के 207 अफसरों को वेतन देने के प्रस्ताव पर सीएम की मंजूरी

कार्मिक विभाग की चूक से राज्य प्रशासनिक सेवा के बेसिक ग्रेड के अधिकारियों का वेतन बंद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा के 207 अधिकारियों को वेतन दिए जाने के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंजूरी दे दी है. अगले कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव को लाये जाने की उम्मीद है. जिसके बाद अफसरों का वेतन भुगतान हो पायेगा. बेसिक ग्रेड के अफसरों के पद को फ्लोटिंग पद बनाने पर भी विचार किया जा रहा है. इसके तहत अधिकारी की पदस्थापना राज्य के जिस जिले में होगी, उसी जिले से उनके वेतन का भुगतान किया जा सकेगा. कैबिनेट से पहले वेतन भुगतान की फाइल पर पदवर्ग समिति व वित्त विभाग के पास भी भेजा जायेगा. उल्लेखनीय है कि राज्य प्रशासनिक सेवा के 207 अधिकारियों को पिछले आठ महीने से बिना वेतन नहीं मिल रहा है. वह बिना वेतन



के ही आठ महीने से काम कर रहे हैं. वेतन नहीं मिलने की वजग यह है कि कार्मिक विभाग ने उनकी पोस्टिंग ऐसे पद पर की, जहां पद थे ही नहीं. इससे पहले विभाग की तरफ ऑफ द रिकॉर्ड बताया गया था कि कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर फैसला ले लिया जायेगा. जिसके बाद यह उम्मीद जगी थी कि 27 अक्टूबर को होने वाली कैबिनेट की बैठक के बाद अफसरों को वेतन मिलने का रास्ता खुल जायेगा. लेकिन ऐसा नहीं हो सका.

आदेश में गलती से शुरू हुई दिक्कत

13वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से राज्य प्रशासनिक सेवा के 207 अधिकारियों की नियुक्ति हुई थी. नियुक्ति के बाद उन्हें राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (स्कीपा) में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था. प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को नियमित वेतन मिलता रहा. प्रशिक्षण पूरा होने के बाद कार्मिक विभाग ने 20 मार्च 2026 को आदेश जारी कर उन्हें विभिन्न जिलों में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए भेजा. इसी आदेश में हुई तकनीकी और प्रशासनिक गलती के कारण जिलों में पदस्थापित अधिकारियों का वेतन भुगतान अटक गया. प्रशिक्षु अधिकारियों के वेतन भुगतान के लिए संबंधित जिलों से बिल तैयार कर कोषागार भेजे गये. लेकिन कोषागार ने भुगतान करने से इनकार कर दिया. सबसे पहले दुमका में वेतन भुगतान रोका गया. इसके बाद लोहरदगा, देवघर, साहिबगंज और जामताड़ा सहित अन्य जिलों में भी यही स्थिति बन गयी. धीरे-धीरे सभी जिलों में इन अधिकारियों का वेतन बंद हो गया. कोषागार की ओर से वेतन भुगतान रोकने के पीछे तर्क दिया गया कि संबंधित जिलों में कार्यपालक दंडाधिकारी के स्वीकृत पदों की संख्या से अधिक अधिकारियों के वेतन का बिल भेजा गया है.

मोदी कैबिनेट के 5 बड़े फैसले : 77,101 करोड़ से नोएडा मेट्रो, खाद सब्सिडी, मुद्रा व स्टैंड-अप इंडिया और म्यूजियम को मिली मंजूरी

एजेंसी।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कुल 77,101 करोड़ रुपये के पांच बड़े फैसलों को मंजूरी दी है। इसमें दिल्ली में दुनिया के सबसे बड़े 'युगे युगीन भारत म्यूजियम' के निर्माण और नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो के विस्तार से लेकर किसानों की खाद सब्सिडी, छोटे कारोबारियों की मुद्रा योजना और महिला व एससी-एसटी उद्यमियों के लिए स्टैंड-अप इंडिया फंड को आगे बढ़ाना शामिल है। कैबिनेट बैठक में पहला बड़ा फैसला भारत की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने के लिए लिया गया। इसके तहत दिल्ली के नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की इमारतों का अनुकूल उपयोग करते हुए 'युगे युगीन भारत संग्रहालय' के विकास के लिए 3,230 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।



सरकार का इरादा इसे दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम बनाने का है, जहां देश के हजारों साल पुराने इतिहास, कला और सभ्यता को आधुनिक तकनीक से प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी पहली गैलरी साल 2027 में आम लोगों के लिए खुलेगी और इसमें हर साल 1 करोड़ पर्यटकों के आने की क्षमता होगी।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो विस्तार: 2,390 करोड़ की लागत से बनेगा 8.5 किमी लंबा कॉरिडोर

दूसरे बड़े फैसले में मंत्रिमंडल ने नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-4 तक नई मेट्रो रेल परियोजना के विस्तार को मंजूरी दी है। करीब 8.5 किलोमीटर लंबे इस मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण पर 2,390 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस नई मेट्रो लाइन के बनने से रोजाना सफर करने वाले लाखों दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों और छात्रों को जाम से बड़ी राहत मिलेगी और दोनों शहरों के बीच आवागमन पहले से कहीं अधिक सुगम हो जाएगा।

किसानों को रबी सीजन की सौगात: उर्वरक सब्सिडी के लिए 62,370 करोड़ रुपये मंजूर

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि तीसरा फैसला किसानों के कल्याण को लेकर लिया गया है। इसके तहत अक्टूबर से मार्च तक चलने वाले रबी सीजन में उर्वरक सब्सिडी के लिए 62,370 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। यह मंजूरी सरकार की पोषक तत्व आधारित सब्सिडी व्यवस्था के तहत दी गई है, जिससे किसानों को फॉस्फेटिक और पोटाशिक उर्वरक सब्सिडी वाली किफायती कीमतों पर उपलब्ध कराए जा सकें। चौथे फैसले में केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत माइक्रो यूनिट्स के लिए क्रेडिट गारंटी फंड को अगले पांच साल तक जारी रखने की मंजूरी दी है।

THE RANCHI RIFLE CLUB (RRC)
(Registered under -Society Registration Act: 21,1860. Government of Jharkhand)
JOIN US TO BECOME A NATIONAL or INTERNATIONAL SHOOTER
Your ambition is our mission...



Our facilities:-
- 10m/ 25m Fully Air Conditioned Hitech indoor shooting range.
- All Types of Air/ Fire weapons are available for practice.
- All types of shooting equipments & accessories for sale available here.
- We teach the civilians how to handle weapons/ safety rules and way of firing.
- Special For School Girls & Boys.
- Above 8 years Girls & Boys May Join us.
- National Level Shooting Coach Facility Available Here.

Justdial
Contact: +91 8002397001, 7050607001
House No. 01, Shanti Nagar, Hatia, Near Hatia Tonko Bridge, P.O- Hatia, P.S.- Jagannathpur, Ranchi - 834003 (Jharkhand)
E-mail: theranchirifleclub@gmail.com | Website: http://www.theranchirifleclub.org



प्रोफेशनल्स कांग्रेस के थिंक 29 कार्यक्रम में चेंबर अध्यक्ष ने की खासमहल भूमि को फ्रीहोल्ड करने की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड प्रोफेशनल्स कांग्रेस की ओर से बुधवार को रांची के होटल बीएनआर में आयोजित थिंक 29 कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तुलसी पटेल ने शामिल होकर झारखंड के आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर उपस्थित ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मधु गौड यास्कीष और कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू को उन्होंने मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा। मौके पर चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि नीतिगत और प्रशासनिक बाधाओं के कारण राज्य अपनी क्षमता के अनुरूप विकास नहीं कर पा रहा है। उन्होंने खासमहल भूमि को फ्रीहोल्ड करने की नीति बनाने, औद्योगिक क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट करने, सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी बनाने और ट्रांसपोर्ट नगर का जल्दी संचालन शुरू करने की आवश्यकता बताई। चेंबर अध्यक्ष ने राज्य से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और लॉजिस्टिक हब की स्थापना, मालवाहक परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में फास्ट मेमू ट्रेनों के परिचालन, ट्रेड लाइसेंस व्यवस्था के सरलीकरण, होल्डिंग टैक्स की समीक्षा और कृषि बाजार समितियों में किराया वृद्धि पर पुनर्विचार की आवश्यकता बताई। उन्होंतने राज्य में निवेश अनुकूल वातावरण के लिए कानून-व्यवस्था में सुधार, औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा बल का गठन करने और मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्रत्येक तीन माह में राज्यस्तरीय औद्योगिक समीक्षा बैठक आयोजित करने का सुझाव भी दिया। चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2029 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी राजनीतिक दलों को झारखंड के व्यापार, उद्योग, निवेश और रोजगार सृजन के लिए स्पष्ट और क्रियान्वयन योग्य विकास रोडमैप तैयार करना चाहिए। व्यापारी और उद्यमी उसी व्यवस्था से संतुष्ट होते हैं, जहां उनकी समस्याओं का समाधान हो और सरकार की नीतियों का सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई दे। मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के अलावा कई उपस्थित गणमान्य से भी चेंबर अध्यक्ष की वार्ता हुई।

डोरंडा काली पूजा पंडाल पहुंचे उपायुक्त, मां से मांगा आशीर्वाद



रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री बुधवार को डोरंडा स्थित मां काली पूजा समिति के पूजा पंडाल पहुंचे। उन्होंने मां काली के दर्शन कर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति और उन्नति की कामना की। इस दौरान उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को काली पूजा की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि त्योहार हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे आयोजनों में शांति, सद्भाव और आपसी सहयोग बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जिलेवासियों से पर्व के दौरान सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। मौके पर पूजा पंडाल में समिति के सदस्यों ने उपायुक्त का स्वागत किया।इसके साथ ही काली पूजा के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से मिले सहयोग और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए आभार जताया गया।समिति के सदस्यों ने कहा कि प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय के कारण पूजा का आयोजन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो रहा है।उल्लेखनीय है कि काली पूजा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से विधि-व्यवस्था और शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समन्वय किया जा रहा है। प्रशासन ने सभी पूजा समितियों और श्रद्धालुओं से सहयोग की अपेक्षा की है।

भगवान चित्रगुप्त की प्रथम दिन की पूजा हवन के साथ संपन्न



श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद और खिचड़ी भोग का वितरण किया गया

रामगढ़ : शहर के बिजोलिया तालाब रोड स्थित भगवान चित्रगुप्त के मंदिर में बुधवार को मंत्र उच्चारण के साथ भगवान चित्रगुप्त की प्रथम पूजा रोहित सनोज कुमार पांडे और यजमान के रूप में रोहित कुमार सिंह एवं अभिषेक कुमार सिन्हा ने मंत्र उच्चारण के साथ पूजा पाठ संपन्न किया। पूजा के बाद हवन हुई उसके बाद भगवान चित्रगुप्त विष्णु भगवान एवं दुर्गा माता का आरती किया गया। आरती के बाद मूल प्रसाद अदरक और गुड़ से बना हुआ वितरण किया गया और उसके बाद खिचड़ी भोग का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया गया। प्रसाद एवं खिचड़ी भोग का वितरण हजारों श्रद्धालुओं के बीच किया गया। विभिन्न समुदाय के लोग भी कलम दवात के सम्राट एवं कर्मों के हिसाब किताब रखने वाले भगवान चित्रगुप्त के मंदिर में चित्रगुप्त भगवान का दर्शन करने आए। पूजा के अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ समाज के रामगढ़ जिला के अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा, पूजा समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार सिन्हा, पूर्व पूजा समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार सिन्हा, सचिव रोहित कुमार सिन्हा ,कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार सिन्हा, मीडिया प्रभारी उमेश सिन्हा धनंजय कुमार,अनुज कुमार सिन्हा, अमित सिन्हा, सुदेश सिन्हा, असीम सिन्हा, विजय कुमार सिन्हा, राजेश कुमार सिन्हा, अजीत कुमार सिन्हा, विकेश सिन्हा सहित सैकड़ो स्त्री एवं पुरुष, बच्चों ने पूजा में भाग लिया।

गुरुवार को प्रतियोगिता एवं तृतीय भोज के साथ संपन्न होगी पूजा

चित्रगुप्त भगवान की पूजा के दूसरे दिन समाज के बच्चों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा और प्रीतिभोज 2:00 बजे दिन से प्रारंभ हो जाएगा और उसके बाद प्रतियोगिता के पुरस्कार का वितरण अतिथियों के द्वारा किया जाएगा।

अवैध शराब के विरुद्ध उत्पाद विभाग की कार्रवाई, चार स्थानों पर की गई छापेमारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

करीब 30 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद



रामगढ़। रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर सहायक आयुक्त उत्पाद, रामगढ़ के मार्गदर्शन में उत्पाद बल द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार को अवैध शराब के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत कोठार चौक के पास, कैथा, गोबरदाहा एवं कोठार जेल रोड में कुल चार स्थानों पर छापेमारी की गई। छापेमारी के क्रम में करीब 30 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद किया गया। अवैध शराब की बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान करते हुए उनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में अवर निरीक्षक उत्पाद श्री अमित किशोर प्रसाद तथा गृह रक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे। जिला प्रशासन द्वारा अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

चित्रगुप्त मंदिर गोला में चित्रांश महापरिवार ने की भगवान चित्रगुप्त महाराज की पूजा-अर्चना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

क्षेत्र की हरियाली–खुशहाली व सुख–समृद्धि की हुई कामना, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

प्रीति भोज में शामिल हुए सभी चित्रांशगण



रामगढ़/गोला। बक्शी टोला स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर में बुधवार को चित्रांश महापरिवार के लोगों ने चित्रगुप्तजी महाराज की विधिवत पूजा अर्चना की। पुरोहित गुरु बाबा द्वारा पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विशेष पूजा अर्चना सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। पूजा में बतौर यजमान अभिषेक कुमार सिन्हा शामिल हुए। पूजन के बाद हवन एवं महाआरती का आयोजन हुआ। जिसमें दर्जनों श्रद्धालु शामिल हुए। पूजन-अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण और संध्या में भव्य प्रीतिभोज का आयोजन हुआ। जिसमें सैंकड़ो श्रद्धालुओं ने सामुहिक रूप भोजन किया। मौके पर चित्रांश परिवार के लोगों ने चित्रगुप्त महाराज के समक्ष मत्था टेक क्षेत्र की हरियाली-खुशहाली की कामना की। साथ ही कहा गया कि ऐसे मौके पर श्रद्धालुओं को भक्ति के सागर में डुबकी लगाने का अवसर मिलता है। चित्रगुप्त पूजा को ले मंदिर प्रांगण को आकर्षक रूप में सजाया गया। यहाँ की विद्युत सज्जा लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। मौके पर चित्रगुप्त महापरिवार अध्यक्ष सनत कुमार सिन्हा, सचिव रविन्द्र कुमार सिन्हा, अभाकाम के जिला उपाध्यक्ष द्वय कुँवर कुमार बक्शी एवं सुजीत सिन्हा, बिपिन बिहारी प्रसाद, प्रदीप चंद्र लाला, अरुण कुमार बक्शी, संजय बक्शी, अनिल कुमार सिन्हा, प्रीतम सिन्हा, अजीत कुमार सिन्हा, दीपक कुमार सिन्हा, रजणीश आनंद, सहदेव प्रसाद बक्शी, सुमन कुमार सिन्हा, अनुप कुमार सिन्हा, मनीन्द्र कुमार सिन्हा, राजु बक्शी, कृष्ण कुमार, संदीप बक्शी, जितेंद्र प्रसाद बक्शी, श्रीकांत गोविंद सहित चित्रांश समाज के अनेकों लोग मौजूद थे।

गोला पुलिस की कार्रवाई की सराहना, रांची से गोवंशीय पशु तस्करी मामले का आरोपी गिरफ्तार



अवैध पटाखों की बिक्री और भंडारण की शिकायतों पर भी ग्रामीणों ने उठाए सवाल, जांच कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग

गोला। गोला थाना पुलिस ने गोवंशीय पशुओं से जुड़े तस्करी एवं क्रूरता के मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद प्राथमिक अभियुक्त कामरान अंसारी, पिता मोबिन अंसारी, निवासी इलाही नगर, दीपा टोली, थाना पुनदाग ओपी, रांची को उसके आवास से गिरफ्तार किया है। गोला थाना कांड संख्या 107/26, दिनांक 4 सितंबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(4), 317(5), 3(5), झारखंड गोवंशीय पशु वध प्रतिषेध अधिनियम, 2005 की धारा 3, 4(क), 5 एवं 12(1), 12(2), 12(3) तथा पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना हो रही है।

पटाखों की बिक्री पर भी जांच की मांग: दूसरी ओर गोला के विभिन्न चौक-चौराहों पर धड़ल्ले से हो रही पटाखों की बिक्री और भंडारण को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि राजरप्पा चौक, डीवीसी चौक सहित अन्य स्थानों पर पटाखों की बिक्री हो रही है। ऐसे में पुलिस प्रशासन से मांग है कि संबंधित दुकानों की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि पटाखों का भंडारण और बिक्री वैध लाइसेंस एवं निर्धारित अनुमति के आधार पर हो रही है या नहीं। जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि कहीं प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना के बाद कार्रवाई का इंतजार तो नहीं कर रहा है? उनका कहना है कि समय रहते जांच और आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

निर्भीक पत्रकारिता की एक बुलंद आवाज हमेशा के लिए खामोश, झूलन अग्रवाल के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़/गोला। जी न्यूज रामगढ़ जिला के पत्रकार झूलन अग्रवाल के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। उनके निधन की खबर से न केवल पत्रकारिता जगत, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में भी गहरा दुख व्याप्त है। उनके अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में अधिकारी, पत्रकार, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। सभी ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

झूलन अग्रवाल का व्यक्तित्व केवल एक पत्रकार तक सीमित नहीं था। वे एक मिलनसार, सरल स्वभाव, हंसमुख और आत्मीय व्यवहार वाले इंसान थे। सामाजिक कार्यों में भी उनकी गहरी रुचि थी। समाज के विभिन्न कार्यक्रमों में वे बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाते थे। सामाजिक जिम्मेदारियों और अपने समाज से जुड़े पदों का भी उन्होंने जीवनभर पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया। यही वजह रही कि उनके निधन पर उमड़ी जनसैलाब जैसी भीड़ उनके प्रति लोगों के प्रेम, सम्मान और विश्वास की गवाही दे रही थी।

निर्भीक पत्रकारिता से बनाई अलग पहचान

पत्रकारिता के क्षेत्र में झूलन अग्रवाल ने अपनी निर्भीक, निष्पक्ष और बेबाक लेखनी के माध्यम से अलग पहचान बनाई थी। क्षेत्र की समस्याओं, आम लोगों की परेशानियों और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना उनकी पत्रकारिता की विशेषता रही। वे उन पत्रकारों में शामिल थे, जो दूसरों की आवाज बनकर उनकी समस्याओं को जिम्मेदार अधिकारियों और प्रशासन तक पहुंचाने का काम करते थे। उनकी खबरों में जनसरोकार और समाज के प्रति जिम्मेदारी साफ झलकती थी। उनकी निर्भीक पत्रकारिता की चर्चा पूरे क्षेत्र में होती थी। आज दूसरों की आवाज बुलंद करने वाला खुद हो गया खामोश यह विडंबना ही है कि जो कल तक अपनी कलम और खबरों के माध्यम से दूसरों की आवाज बुलंद कर रहे थे, आज उनकी अपनी आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई। उनका इस तरह अचानक चले जाना गोला क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। पत्रकारिता जगत ने एक निर्भीक साथी खो दिया है, जिसकी भरपाई कर पाना आसान नहीं होगा।उनके अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़ ही उनके जीवन की सबसे बड़ी कमाई और लोगों के दिलों में उनके लिए मौजूद सम्मान का प्रमाण थी। उन्होंने अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा पत्रकारिता और समाजसेवा को समर्पित किया। उनका जाना केवल एक पत्रकार का बिछड़ना नहीं, बल्कि एक आत्मीय व्यक्तित्व और मजबूत सामाजिक रिश्ते का टूटना है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों और पत्रकार साथियों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। भावभीनी श्रद्धांजलि। झूलन अग्रवाल जी, आपकी निर्भीक पत्रकारिता, सामाजिक योगदान और आत्मीय व्यक्तित्व हमेशा लोगों की स्मृतियों में जीवित रहेंगे।

बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में डीआरआई-2 एमसीसी कार्यालय का उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। दीपावली के शुभ अवसर पर बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) में डीआरआई-2 एमसीसी (टउउ) कार्यालय का उद्घाटन कंपनी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. हरि कृष्ण बुधिया ने किया। इस अवसर पर बीएफसीएल के डायरेक्टर श्री गौरव बुधिया सहित कंपनी के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। लगभग 42 मीटर लंबाई और 13.6 मीटर चौड़ाई में निर्मित इस कार्यालय का उद्घाटन कंपनी के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने तथा उपलब्ध सुविधाओं के बेहतर उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।इस अवसर पर बीएफसीएल के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. हरि कृष्ण बुधिया ने कंपनी के उपलब्ध संसाधनों और आधारभूत संरचनाओं के प्रभावी उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उपलब्ध सुविधाओं का बेहतर उपयोग कार्यप्रणाली को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने में सहायक होता है।वहीं, बीएफसीएल के निदेशक श्री गौरव बुधिया सहित उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस पहल को कंपनी की परिचालन व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। बीएफसीएल प्रबंधन कंपनी के आधारभूत ढांचे के विकास, उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग और कार्यक्षमता में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। डीआरआई-2 एमसीसी कार्यालय का उद्घाटन इसी दिशा में एक सार्थक पहल है।

रामगढ़ जिला के कुज्जू मुरपा में खड़े ट्रक में लगी आग

ट्रक की सभी कागज जल कर राख



रामगढ़। रामगढ़ जिला के कुज्जू ओपी क्षेत्र में बीते रात एक ट्रक में आग लग गई। देखते ही देखते ट्रक पूरी तरह से जल गया। इस संबंध में कुज्जू ओपी में एक आवेदन दी गई है। आवेदन में कहा गया है कि चौधरी जी के होटल के बगल में राहुल पटेल की ट्रक जे एच 02 बीएस 9180 खड़ा थी। इस बात की जानकारी बीते रात 1:00 बजे राहुल पटेल को फोन कर बताई गई कि उनके ट्रक में आग लग गई है। इस बात की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। स्थानीय पुलिस ने फायर ब्रिगेड को इस बात की जानकारी दी। फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचकर गाड़ी को बुझाने का काम किया। आवेदन में कहा गया है कि ट्रक के सभी कागजात ट्रक के भीतर रखे थे। यह सभी कागजात जल गए हैं।

राधा गोविन्द अस्पताल का भव्य उद्घाटन, रामगढ़ में स्वास्थ्य सेवा को मिला नया अध्याय

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राधा गोविन्द अस्पताल क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा: मंत्री योगेन्द्र प्रसाद





रामगढ़। बुधवार को एनएच-33 टायर मोड़, मुर्रम कलां रामगढ़ में राधा गोविन्द शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्थान परिवार द्वारा नवनिर्मित राधा गोविन्द अस्पताल का भव्य उद्घाटन समारोह गणमान्य अतिथियों के गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।आज का दिन राधा गोविन्द संस्थान परिवार के लिए ऐतिहासिक, गौरवपूर्ण एवं अविस्मरणीय उपलब्धि का दिन है।

राधा गोविन्दअस्पताल का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग झारखंड सरकार के

योगेन्द्र प्रसाद , राज्यसभा सांसद प्रो (डॉ) आदित्य साहू, रामगढ़ विधायक ममता देवी, बड़कागांव विधायक रौशनलाल चौधरी, झारखंड सरकार (दर्जा प्राप्त मंत्री) फागू बेसरा, समाजसेवी संजीव बेदिया, जेएलकेएम नेत्री रूपा महतो, राधा गोविन्द संस्थान परिवार के चेयरमैन बी एन साह, सचिव प्रियंका कुमारी एवं गणमान्य अतिथियों के कर-कमलों द्वारा फीता काटकर शुभारंभ हुआ।

समारोह में गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर राधा गोविन्द शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्थान परिवार के चेयरमैन बी. एन. साह, उनकी धर्मपत्नी फूलमती देवी, सचिव प्रियंका कुमारी, डॉ. संजय कुमार,अजय कुमार उपस्थित रहे। साथ ही राधा गोविन्द विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, परीक्षा नियंत्रक प्रो.(डॉ.) अशोक कुमार, समाजसेवी सीपी संतन, मीडिया प्रभारी डॉ संजय कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी, अभिभावकगण एवं सैकड़ों गणमान्य अतिथियों ने समारोह में उपस्थिति रहे।

योगेन्द्र प्रसाद ने की संस्थान की पहल की सराहना

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि योगेन्द्र प्रसाद महतो ने कहा कि राधा गोविन्द अस्पताल का शुभारंभ रामगढ़ जिले के लिए एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल है। स्वास्थ्य सेवा मानव सेवा का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्हें विश्वास है कि यह अस्पताल क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिक्षा के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान का यह कदम समाज के विकास की दिशा में प्रशंसनीय है।

बी. एन. साह ने कहा- माता-पिता के आशीर्वाद से साकार हुआ सपना

संस्थान के चेयरमैन बी. एन. साह ने कहा कि आज का दिन राधा गोविन्द शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्थान परिवार के लिए ऐतिहासिक, गौरवपूर्ण एवं अविस्मरणीय है। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित करने के बाद स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कदम रखना हमारे लिए एक नए संकल्प की शुरूआत है। हमारा उद्देश्य केवल अस्पताल का निर्माण करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाना और मानव सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना है। माता-पिता के आशीर्वाद एवं सभी के सहयोग से यह सपना साकार हुआ है।

प्रियंका कुमारी ने सेवा और समर्पण को बताया संस्थान का संकल

संस्थान की सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि राधा गोविन्द अस्पताल का शुभारंभ हमारे लिए अत्यंत हर्ष एवं गर्व का विषय है। हमारा प्रयास रहेगा कि रामगढ़ एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुलभ, बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों। शिक्षा के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी समाज की सेवा करना संस्थान का संकल्प है।

प्रो(डॉ) आदित्य साहू ने कहा कि स्वस्थ समाज ही समृद्ध समाज की नींव है। राधा गोविन्द हॉस्पिटल का शुभारंभ क्षेत्रवासियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

ममता देवी ने कहा कि राधा गोविन्द हॉस्पिटल का शुभारंभ क्षेत्रवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नई उम्मीद और बेहतर भविष्य की शुरूआत है।रामगढ़ एवं आसपास के क्षेत्रों को मिलेगी नई सुविधा अस्पताल की स्थापना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे रामगढ़ एवं आसपास के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का नया विकल्प मिलेगा।कार्यक्रम कुशल एवं गरिमामय संचालन डॉ संजय प्रसाद सिंह ने किया।शिक्षा के बाद स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नया अध्याय राधा गोविन्द शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्थान परिवार ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने के बाद अब स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। अस्पताल का शुभारंभ संस्थान की दूरदर्शी सोच, सामाजिक जिम्मेदारी एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण क्षण बना उद्घाटन समारोह समारोह में उपस्थित अतिथियों ने संस्थान की इस पहल की सराहना करते हुए अस्पताल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल रहा। सभी ने इसे रामगढ़ के विकास और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।आज पका दिन राधा गोविन्द शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्थान परिवार के लिए केवल एक उद्घाटन समारोह नहीं, बल्कि वर्षों के परिश्रम, संकल्प, विश्वास और समर्पण का परिणाम है। यह संस्थान के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने वाला गौरवपूर्ण अवसर है। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने अस्पताल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा संस्थान की इस पहल की सराहना की।

छठ महापर्व को लेकर झारखंड पुलिस पूरी तरह अलर्ट, सभी जिलों में पूरी की गई फोर्स की मांग, घाटों पर रहेगी विशेष निगरानी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर झारखंड पुलिस ने सुरक्षा की व्यापक तैयारी की है. राज्यभर में छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है. जिलों के पुलिस अधीक्षकों की ओर से सुरक्षा के लिए जितने अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की गई थी, उसे पूरा कर दिया गया है. इसके साथ ही छठ घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर भी तैयारी की गई है. छठ महापर्व के दौरान 13 नवंबर को नहाय-खाय, 14 नवंबर को खरना, 15 नवंबर को संध्याकालीन अर्घ्य और 16 नवंबर को प्रातःकालीन अर्घ्य दिया जाएगा. इन चारों दिनों में पुलिस और प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है. पुलिस मुख्यालय का उद्देश्य है कि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के छठ महापर्व मना सकें. इसके लिए पुलिस बल की तैनाती से लेकर स्थानीय शांति समितियों के सहयोग तक सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं.

आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता नरेंद्र सिंह ने बताया कि छठ पूरे देश में मनाया जाने वाला बहुत ही पवित्र पर्व है. इस पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता है. सभी जिलों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी ली गई है. जहां जितने पुलिस बल की आवश्यकता बताई गई थी, वहां उस मांग को पूरा कर दिया गया है. पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी तरह की गड़बड़ी करने वालों पर नजर रखी जा रही है. नरेंद्र सिंह ने बताया कि छठ पर्व को लेकर विशेष रूप से शांति समितियों का गठन किया गया है. इन समितियों में स्थानीय बुद्धिजीवियों और गणमान्य लोगों को शामिल किया गया है. उनसे पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करने और अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी रखने की अपील की गई है. किसी भी तरह की समस्या या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने को कहा गया है. पुलिस का मानना है कि स्थानीय लोगों के सहयोग से पर्व के दौरान बेहतर व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी.

पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी निर्देश में छठ घाटों की स्थिति का पहले से निरीक्षण करने और वहां साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है. खतरनाक घाटों की पहचान कर वहां बैरिकेडिंग, गोताखोर, नाव और सुरक्षा से जुड़े जरूरी इंतजाम करने का निर्देश दिया गया है. नदी, तालाब और डैम में पानी की अधिक गहराई वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है, ताकि अर्घ्य देने के दौरान किसी तरह की दुर्घटना न हो. घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के साथ जन सूचना प्रणाली भी दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है. छठ घाटों पर बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां पहुंचती हैं. इसे देखते हुए महिला सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है. भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस की गश्ती बढ़ाई जाएगी. छिनतई, चोरी, छेड़खानी और अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी. जरूरत के अनुसार सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी निगरानी करेंगे.

नो क्राइम रिकार्ड, फिर भी पुलिस अलर्ट

आईजी नरेंद्र सिंह ने कहा कि छठ के दौरान सामान्य तौर पर अपराध की घटनाएं कम देखने को मिलती हैं, लेकिन फिर भी पुलिस लगातार सतर्क रहेगी और हर स्थिति पर नजर रखेगी और किसी भी तरह की शरारत या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

यातायात से लेकर अस्पताल तक की तैयारी

छठ के दौरान घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर श्रद्धालुओं और वाहनों की भीड़ बढ़ जाती है. इसे देखते हुए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है. भीड़ वाले इलाकों में भारी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की जाएगी. इसके अलावा आपात स्थिति से निपटने के लिए अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था की समीक्षा करने, अग्निशमन दस्ते को तैयार रखने और सभी जिलों में नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया है. सोशल मीडिया पर भी पुलिस की नजर रहेगी, ताकि किसी तरह की अफवाह या भ्रामक सूचना फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश न हो.

संक्षिप्त खबर

संसद भवन पहुंचीं रांची संत अन्ना कॉलेज की 121 छात्राएं, संसदीय व्यवस्था को समझा



रांची। रांची के संत अन्ना इंटरमीडिएट कॉलेज की 121 छात्राओं और 17 शिक्षकों ने नई दिल्ली में संसद भवन का शैक्षणिक भ्रमण किया. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर छात्राओं को देश के लोकतंत्र के सर्वोच्च सदन संसद भवन को करीब से देखने और संसदीय व्यवस्था को समझने का अवसर मिला. संजय सेठ ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन ने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्राओं की संसद भवन देखने की इच्छा जताते हुए उनसे आग्रह किया था. इसके बाद उन्होंने सभी 121 छात्राओं और 17 शिक्षकों के संसद भ्रमण की व्यवस्था कराई. नई दिल्ली में उनके सहयोगियों ने छात्राओं को संसद भवन का भ्रमण कराया. उन्होंने कहा कि संसद भवन को करीब से देखना और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था व संसदीय कार्यप्रणाली को समझना छात्राओं के लिए यादगार और प्रेरणादायक अनुभव होगा. संजय सेठ ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बेटियां शिक्षा, ज्ञान और आत्मविश्वास के बल पर जीवन में नई ऊंचाइयां हासिल करें. साथ ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं.

दिन में गर्मी, सुबह-शाम ठंड का एहसास, तीन दिन बाद और गिरेगा पारा



रांची। झारखंड में दिन के समय गर्मी और सुबह-शाम ठंड का एहसास हो रहा है. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है. इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है. इससे सुबह और शाम ठंड का असर बढ़ेगा. राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने का अनुमान है. उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी झारखंड में कहीं-कहीं हल्की बारिश या मेघ गर्जन की संभावना जताई गई है. वहीं 12 से 15 नवंबर के दौरान सुबह हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा या धुंध छा सकता है. इसके बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है. पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दारीसाई (घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम) में दर्ज किया गया. वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.9 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रहा. रांची में अधिकतम तापमान 28.5 और न्यूनतम तापमान 15.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में आजसू पार्टी प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला



तमाड़. थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले को लेकर बुधवार को आजसू पार्टी रांची जिला वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया. परिजनों ने घटना के तीन दिन बाद भी मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर चिंता जताई. इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत कर मामले की जानकारी ली. बुंडू एसडीपीओ ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा. साथ ही 60 दिनों के भीतर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करने का आश्वासन दिया. आजसू नेताओं ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी. मौके पर राजकिशोर कुशवाहा, जगदीश गुप्ता, हीरालाल दास, मो. सेराज, आकाश महतो, गुलाम महतो, शुभम कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे.

अमृत हॉस्पिटल पर फर्जी जांच रिपोर्ट के आधार पर इलाज करने का आरोप

रांची। रांची के तिलता स्थित अमृत हॉस्पिटल प्रबंधन पर मरीज के परिजनों ने गलत जांच रिपोर्ट के आधार पर उपचार करने का आरोप लगाया है. मरीज के परिजनों का कहना है कि देवानंद गिरी को हल्की बुखार की शिकायत होने पर 7 नवंबर को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका सीबीसी जांच किया गया था उसमें मरीज को कोई गंभीर समस्या नहीं बताई गई थी. सदर अस्पताल प्रबंधन ने बेहतर इलाज के लिए देवानंद को रिम्स रेफर कर दिया था. इसके बाद परिजनों ने बेहतर चिकित्सा की उम्मीद में मरीज को तिलता स्थित अमृत हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था जहां मरीज का इलाज चल रहा था. मरीज के परिजनों का कहना है कि जब उन्होंने प्रबंधन से जांच रिपोर्ट मांगी तो शुरू में इनकार किया गया था. परिजनों ने पहले ही अपने मोबाइल से जांच रिपोर्ट की फोटो खींच ली थी, जिसमें मरीज की प्लेटलेट की मात्रा 1.47 उवटट बताई गई थी. लेकिन, जब परिजनों ने मूल जांच रिपोर्ट मांगने के लिए विरोध किया, तो अस्पताल प्रबंधन की ओर से दी गई रिपोर्ट में प्लेटलेट की मात्रा 0.95 दर्ज थी. दोनों रिपोर्टों में अंतर देखकर परिजनों को अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर संदेह हुआ और उन्होंने इसका विरोध किया. इसके बाद अस्पताल प्रबंधन से इलाज में खर्च हुए 25,000 वापस करने की बात कही.

सेवानिवृत्त होने वाले पदाधिकारी करेंगे पीडीएस की निगरानी, जेएसएफसी ने रिटायर्ड ऑफिसर से मांगा आवेदन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। कर्मचारियों और अधिकारियों की कमी झेल रहा राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड ने जन वितरण प्रणाली की निगरानी के लिए अपने सेवानिवृत्त अधिकारियों पर भरोसा जताते हुए गुणवत्ता नियंत्रण विशेषज्ञों के तौर पर संविदा पर नियुक्त करने का निर्णय लिया है. झारखंड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड द्वारा जारी विज्ञापन के तहत भारतीय खाद्य निगम के सेवानिवृत्त अधिकारियों में से सभी 24 जिलों में 1 पदों के हिसाब से कुल 24 क्वालिटी कंट्रोल एक्सपर्ट की संविदा पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है. आवेदन की अंतिम तिथि 18 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है. विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न के भंडारण, जांच और मानकों को मजबूत करने में सहायता मिलेगी.

झारखंड के विभिन्न जिलों के लिए चयनित होने वाले इन क्वालिटी कंट्रोल एक्सपर्ट का कार्यकाल अधिकतम तीन साल या 65 वर्ष होगा. हालांकि 2 साल कार्यकाल बढ़ाने का भी इसमें प्रावधान किया गया है, लेकिन अधिकतम उम्र 65 ही होगा चयनित विशेषज्ञों की नियुक्ति और उनके कार्य प्रदर्शन के आधार पर दो वर्ष कार्यकाल विस्तार का निर्णय बाद में लिया जाएगा. विज्ञापन में यह भी कहा गया है कि अभ्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है कि खाद्यान्न की गुणवत्ता जांच, मूल्यांकन भंडारण और संरक्षण के क्षेत्र में कम से कम 15 वर्षों का कार्य अनुभव उन्हें हों और उनकी अधिकतम उम्र 65 वर्ष हो. झारखंड राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड में कर्मचारी से लेकर पदाधिकारियों की भारी कमी है. हालत यह है कि स्वीकृत 618 पदों में अधिकांश खाली हैं. क्षेत्रीय और राज्य स्तर के विभिन्न पद खाली होने की वजह से प्रभारी के भरोसे निगम का कामकाज किसी तरह से चल रहा है. हालत यह है कि जिला प्रबंधक, सहायक जिला प्रबंधक आदि पद रिक्त हैं. इसके लिए जिला स्तर पर आपूर्ति पदाधिकारी को जिला मैनेजर का प्रभार दिया गया है और प्रखंडों में स्थित गोदाम की देखरेख का जिम्मा जिला स्तर से वहां के कर्मचारियों को दिया गया है.

झारखंड दौरे पर राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर, निशा भगत मौत पर जताई चिंता

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। राष्ट्रीय महिला आयोग ने झारखंड में महिला उत्पीड़न की बढ़ रही घटनाओं पर चिंता जताया है. झारखंड दौरे पर पहुंचीं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर ने रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि निशा भगत की मौत बेहद ही दुखद है. उनके परिवार के प्रति मेरी पूरी संवेदना है. जिसे जानने के लिए मैं यहां आई हूं. उन्होंने कहा कि निशा भगत के अलावे झारखंड में कई घटनाएं हो रही हैं, जो बेहद ही चिंताजनक है. इसके बारे में वो गुमला और रांची में बैठक कर जानकारी लेंगी. रांची एयरपोर्ट से राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष गुमला के लिए रवाना हुई, जहां वह निशा भगत के परिवार वालों से मिलेंगी. राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष स्थानीय गुमला जिला प्रशासन के साथ भी बैठक कर निशा भगत मामले में जानकारी हासिल करेंगी. तत्पश्चात रांची के स्टेट गेस्ट हाउस में राज्य के डीजीपी के साथ बैठक कर अब तक की गई कार्रवाई से अवगत होंगी.

राष्ट्रीय महिला आयोग निशा भगत मामले में गंभीर

निशा भगत मौत मामले में झारखंड सरकार ने सीबीआई से जांच कराने की घोषणा की है. वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग भी इस घटना को लेकर गंभीर है. झारखंड दौरे पर आईं आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर का रांची एयरपोर्ट पर जमकर स्वागत किया गया. रांची एयरपोर्ट पर स्वागत करने पहुंचनेवालों में भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष सीमा सिंह, आरती कुजूर समेत भाजपा के कई कार्यकर्ता शामिल थे. गौरतलब है कि सामाजिक कार्यकर्ता निशा भगत ने बीते 06 नवंबर को फेसबुक लाइव आईं और फिर उसके बाद उन्होंने आत्महत्या कर ली. इस दौरान उन्होंने प्रशासन और जमीन दलालों का नाम लेते हुए उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद से सियासत गर्म है और आंदोलन का दौर जारी है. हालांकि, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर इस मामले की सीबीआई जांच की घोषणा बीती रात कर मामले को शांत करने की कोशिश जरूर की है.

झारखंड की कुमारी पलक का फिर भारतीय टीम में चयन, अंडर-19 टीम में मिली जगह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड की युवा महिला क्रिकेटर कुमारी पलक ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है. रांची जिला क्रिकेट संघ की अंडर-19 महिला खिलाड़ी पलक का चयन भारतीय अंडर-19 बी महिला टीम में किया गया है. वह भारत अंडर-19 ए, भारत अंडर-19 बी और नेपाल अंडर-19 टीम के बीच होने वाली आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला में खेलेंगी. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की महिला चयन समिति ने 9 नवंबर 2026 को इस श्रृंखला के लिए दोनों भारतीय टीमों की घोषणा की. इसके बाद झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने भी पलक के चयन पर खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी है. पलक के लिए यह लगातार दूसरी बड़ी उपलब्धि है. इससे पहले श्रीलंका महिला टीम के भारत दौरे के लिए घोषित भारतीय अंडर-19 टीम में भी उनका चयन हुआ था. उस दौरे के लिए उन्हें टी-20 और एकदिवसीय, दोनों प्रारूपों की टीम में जगह मिली थी. लगातार दो बार भारतीय अंडर-19 टीम में चयन से पलक ने झारखंड की महिला क्रिकेट में अपनी मजबूत पहचान बनाई है. रांची जिला क्रिकेट संघ की खिलाड़ी पलक का भारतीय टीम तक पहुंचना राज्य के क्रिकेट जगत के लिए खास उपलब्धि है.

राजधानी रांची में साइबर ठगी के चार मामले, अपराधियों ने खातों से उड़ाए 14.87 लाख रुपये

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। राजधानी रांची में साइबर अपराधियों ने अलग-अलग तरीकों से चार लोगों को निशाना बनाया है. मोबाइल हैकिंग और संदिग्ध लिंक के जरिए अपराधियों ने चार बैंक खातों से कुल 14 लाख 87 हजार 266 रुपये की अवैध निकासी कर ली. ठगी के शिकार लोगों में एक बुजुर्ग, एक युवती और दो अन्य व्यक्ति शामिल हैं. सभी मामलों में पीड़ितों ने साइबर अपराध से संबंधित शिकायत दर्ज कराई है. अरगोड़ा थाना क्षेत्र के पंचम नगर निवासी सुबोध कुमार के बैंक खाते से साइबर अपराधियों ने चार बार में 99 हजार रुपये निकाल लिए. उनका बैंक खाता बैंक ऑफ इंडिया की हरमू शाखा में है. बताया जाता है कि सुबोध का मोबाइल करीब दो घंटे तक बंद रहा. मोबाइल दोबारा चालू होने के बाद उन्हें खाते से रकम निकाले जाने की जानकारी मिली. अपराधियों ने 50 हजार, 30 हजार, 15 हजार और चार हजार रुपये के चार ट्रांजेक्शन किए. पीड़ित के मुताबिक, इस दौरान उनके पास ठगी करने वालों का कोई फोन भी नहीं आया. उन्होंने सभी ट्रांजेक्शन के संदर्भ नंबर पुलिस को सौंपे हैं.

बुजुर्ग के खाते से 7.45 लाख रुपये की निकासी

नामकुम थाना क्षेत्र के अमेठिया नगर निवासी 68 वर्षीय जय किशोर शर्मा भी साइबर अपराधियों के निशाने पर आ गए. उनके उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक खाते से छह नवंबर की रात दो बार में कुल 7 लाख 45 हजार रुपये निकाल लिए गए. पहली बार 2.50 लाख और दूसरी बार 4.95 लाख रुपये की निकासी हुई. दोनों ट्रांजेक्शन का मैसेज रात 10:16 और 10:18 बजे उनके मोबाइल पर आया. जानकारी मिलते ही उन्होंने बैंक से संपर्क कर खाता फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू की. इसके बाद साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई.

अनजान लिंक पर क्लिक करना युवती को पड़ा महंगा

सिकिदिरी थाना क्षेत्र के जयडीहा कुसुमटोली निवासी 21 वर्षीय निरासो कुमारी के दो बैंक खातों से 2 लाख 48 हजार 500 रुपये की निकासी कर ली गई. छह अक्टूबर को उनके मोबाइल पर एक लिंक आया था. उस पर क्लिक करने के अगले दिन उनका मोबाइल बंद हो गया. बाद में 28 अक्टूबर को बैंक खाते की जांच कराने पर ठगी का पता चला. उनके एक खाते से 77 हजार रुपये और दूसरे खाते से 1 लाख 71 हजार 500 रुपये निकाल लिए गए. पीड़िता ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है. कोकर के डेला टोली जेवियर नगर निवासी विजय तिर्की के केनरा बैंक खाते को भी साइबर अपराधियों ने निशाना बनाया. नौ नवंबर को उनके खाते से दो बार में 4 लाख 14 हजार 766 रुपये की निकासी हुई.

डॉक्टर की गवाही के बगैर पत्नी की मानसिक बीमारी नहीं हो सकती तलाक का आधार, हाईकोर्ट ने कोडरमा फैमिली कोर्ट का आदेश किया रद्द

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। जीवनसाथी को मानसिक बीमारी से पीड़ित बताकर और दवाइयां नहीं लेने के आधार पर उसे मानसिक क्रूरता का दोषी ठहराकर तलाक नहीं दिया जा सकता. इसके लिए ठोस और विश्वसनीय चिकित्सकीय साक्ष्य जरूरी हैं. झारखंड हाईकोर्ट ने एक वैवाहिक विवाद में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए यह टिप्पणी की है. अदालत ने पत्नी की कथित मानसिक बीमारी और दवा नहीं लेने को मानसिक क्रूरता मानकर कोडरमा फैमिली कोर्ट द्वारा दिए गए तलाक के आदेश को निरस्त कर दिया है.

मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अखिल कुमार की खंडपीठ में हुई. अदालत ने रिकॉर्ड का परीक्षण करने के बाद पाया कि पति ने फैमिली कोर्ट में अपने पक्ष में तीन गवाह पेश किए थे, लेकिन पत्नी का इलाज करने वाले डॉक्टर को गवाही के लिए नहीं बुलाया गया था. न ही किसी मेडिकल ऑफिसर या विशेषज्ञ ने पत्नी की कथित बीमारी की पुष्टि की. हाईकोर्ट ने कहा कि जब किसी वैवाहिक विवाद में मानसिक बीमारी को आधार बनाकर राहत मांगी जाती है, तो अदालत का दायित्व है कि वह ऐसे आरोपों की सावधानीपूर्वक जांच करे. बीमारी की प्रकृति, उसकी गंभीरता और वैवाहिक संबंधों पर उसके प्रभाव को विश्वसनीय साक्ष्यों के आधार पर स्थापित करना जरूरी है. खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि केवल किसी व्यक्ति को स्किजोफ्रेनिया से पीड़ित बता देना तलाक का आधार नहीं हो सकता.

यह मामला कोडरमा जिला से जुड़ा है. शादी वर्ष 2019 में हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी. पति का आरोप था कि शादी के करीब एक महीने बाद ही पत्नी का व्यवहार बदल गया. वह परिवार के सदस्यों से झगड़ा और गाली-गलौज करने लगी. पति के मुताबिक, पत्नी को रांची के कांके में चिकित्सकीय जांच के लिए ले जाया गया था, जहां उन्हें स्किजोफ्रेनिया, बाइपोलर डिसऑर्डर और दौरे की समस्या बताई गई थी. पति का दावा था कि चिकित्सकीय सलाह के बावजूद पत्नी दवाइयां नहीं लेती थी. इस वजह से दोनों परिवारों के बीच कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन विवाद का समाधान नहीं निकल सका. इसके बाद पति ने कोडरमा फैमिली कोर्ट में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(i) के तहत मानसिक क्रूरता के आधार पर तलाक की याचिका दाखिल की. पत्नी के अदालत में उपस्थित नहीं होने के कारण नवंबर 2025 में मुकदमे की सुनवाई एकतरफा कर दी गई. फैमिली कोर्ट ने 5 जनवरी 2026 को पति के पक्ष में तलाक की डिक्री पारित कर दी. हालांकि, पत्नी ने इस फैसले को झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी. पत्नी की ओर से दलील दी गई कि फैमिली कोर्ट में उन्हें विधि सम्मत तरीके से समन नहीं भेजा गया और न ही वैकल्पिक माध्यम से नोटिस प्राप्त कराया गया. उन्होंने पति पर अतिरिक्त दहेज की मांग, मारपीट और प्रताड़ना का आरोप भी लगाया.

छठ महापर्व के अवसर पर बिहार-झारखंड बंधु एसोसिएशन, लॉस एंजिल्स की विशेष अपील

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



लॉस एंजिल्स। आगामी छठ महापर्व के पावन अवसर पर बिहार-झारखंड बंधु एसोसिएशन (Bihar Jharkhand Bandhu Association), लॉस एंजिल्स की ओर से सभी श्रद्धालुओं एवं प्रवासी भारतीयों को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई हैं। इस अवसर पर एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा छठी मईया सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें। एसोसिएशन ने सभी बिहार एवं झारखंड के लोगों से अपील की है कि वे छठ पूजा के आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपना सहयोग प्रदान करें। BJ Bandhu के साथ मिलकर इस महापर्व को श्रद्धा, उत्साह और आपसी एकता के साथ मनाएं। एसोसिएशन ने कहा कि विदेशों में रहते हुए भी अपनी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाया जा सकता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ा जा सकता है। अंत में सभी श्रद्धालुओं से आयोजन को सफल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की ।

रक्तदान को संगठित स्वरूप देने की पहल, बरहरवा में मानव ब्लड फाउंडेशन का गठन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



बरहरवा/साहिबगंज। रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से बरहरवा प्रखंड में सामाजिक कार्यकताओं ने एक नई पहल की है। बुधवार को दरियापुर पंचायत में आयोजित बैठक के दौरान मानवता ब्लड फाउंडेशन नामक सामाजिक संगठन का गठन किया गया। संगठन के संचालन के लिए सर्वसम्मति से 12 सदस्यीय कमेटी भी बनाई गई। बैठक में उपस्थित सामाजिक कार्यकताओं ने क्षेत्र में रक्तदान की जरूरत, रक्तदाताओं की उपलब्धता और आपातकालीन स्थिति में मरीजों तक समय पर रक्त पहुंचाने की चुनौतियों पर चर्चा की। इसके बाद रक्तदान अभियान को संगठित एवं प्रभावी बनाने के लिए फाउंडेशन के गठन पर सहमति बनी। गठित कमेटी में नईम अख्तर को अध्यक्ष, नवाब शेख को सचिव तथा कमल अंसारी को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं मकसूद खान, महफूज आलम, मो. इन्कलाब, उसमान गनी, आफताब आलम, सोयेब अख्तर, नजले आलम, मो. सफीरूद्दीन एवं मो. इश्तियाक को सदस्य बनाया गया। बैठक में बताया गया कि अब तक कई सामाजिक कार्यकर्ता सोशल मीडिया और व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था करने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। लेकिन इस कार्य के लिए कोई व्यवस्थित मंच नहीं होने के कारण कई बार रक्तदाता और मरीज के परिजनों के बीच समन्वय स्थापित करने में कठिनाई होती थी। इसी कमी को दूर करने के लिए फाउंडेशन की स्थापना की गई है। नवगठित संगठन की ओर से जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए रक्तदाताओं का नेटवर्क तैयार करने, युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहयोग उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। कमेटी के सदस्यों ने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी प्रकार का व्यक्तिगत लाभ नहीं, बल्कि मानवता की सेवा और जरूरतमंदों की सहायता करना है। इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई मानवीय योगदान नहीं हो सकता। समय पर मिला एक यूनिट रक्त किसी मरीज की जिंदगी बचाने के साथ पूरे परिवार को नई उम्मीद दे सकता है। H.B. Foundation क्षेत्र में रक्तदान की संस्कृति विकसित करने और जरूरतमंदों के लिए एक भरोसेमंद सहयोग मंच बनाने की दिशा में काम करेगा। बैठक में सलामत खान, फायेज शेख, मिसबाउल आलम, फहीम शेख, महफूज आलम, मकसूद खान, आसिफ खान, सोहेल खान, फरीद शेख, अहमद रसीद, अहकामुल हक, एजाज अहमद सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

तीनपहाड़ में शराब की बोतल के रैपर और स्वाद को लेकर हंगामा, मिलावट की आशंका पर हुई जांच



तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बभनगामा मोड़ स्थित शराब दुकान में शराब की बोतल के रैपर और स्वाद को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मंगलवार देर शाम शराब खरीदने पहुंचे कुछ ग्राहकों ने बोतल के रैपर में बदलाव और स्वाद अलग होने का आरोप लगाते हुए शराब में मिलावट की आशंका जताई।इसकी शिकायत के बाद बुधवार दोपहर उत्पाद अधीक्षक आशुतोष कुमार और डिपो इंचार्ज अभय सिंह दुकान पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इस दौरान आरोप लगाने वाले युवकों को भी बुलाया गया। विभागीय अधिकारियों ने शराब की जांच के बाद उसे सही बताया। अधिकारियों का कहना था कि शराब की बोतलों के रैपर विभागीय जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही बाजार में भेजे जाते हैं।वहीं, दुकान के मैनेजर राधेश्याम ने कहा कि कंपनी के अपडेट के कारण बोतल का रैपर बदला गया है। शराब की गुणवत्ता में कोई समस्या नहीं है और उत्पाद पूरी तरह सही है हालांकि, विभागीय अधिकारियों की सफाई के बावजूद ग्राहकों के सवाल खत्म नहीं हुए। उनका कहना था कि जब शराब की गुणवत्ता की जांच की गई, तो किसी मशीन या तकनीकी उपकरण का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया? बिना मशीन से जांच किए शराब को सही कैसे घोषित कर दिया गया?ग्राहकों ने जांच की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल अधिकारियों के आश्वासन से मिलावट की आशंका पूरी तरह दूर नहीं होती। अब सवाल यह है कि शराब की गुणवत्ता को लेकर उठे संदेह का तकनीकी जांच के जरिए समाधान होगा या नहीं।

साहिबगंज की बम काली की 16 फीट ऊंची प्रतिमा बनी आस्था का केंद्र, विसर्जन जुलूस में उमड़ते हैं लाखों श्रद्धालु

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज। संथाल परगना में ऊंचाई व भव्यता से लोगों को सम्मोहित करनेवाली साहिबगंज जिला मुख्यालय के गुल्लीभट्ठा बम काली मंदिर में प्रतिवर्ष स्थापित होनेवाली 16 फीट की मां बम काली की प्रतिमा लोगों की आस्था का केंद्र है। विसर्जन जुलूस में लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं। बम काली की भव्यता को देखने, आशीर्वाद लेने व पूजा-अर्चना व विसर्जन यात्रा में शामिल होने के लिए झारखंड, बिहार व पश्चिम बंगाल के अलावा साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, भागलपुर समेत अन्य जगहों से भक्त साहिबगंज पहुंचते हैं। इस वर्ष भी पूजा कमेटी के द्वारा बम काली की भव्य प्रतिमा व पंडाल का निर्माण कराया गया, जो आकर्षण का केंद्र था। बम काली पूजा की तैयारी एक माह पूर्व से ही प्रारंभ हो जाती है। प्रतिमा के बनावट से लेकर विसर्जन जुलूस की तैयारी समिति के सदस्य एक माह पूर्व से ही शुरू करते हैं। प्रतिमा विसर्जन जुलूस में महानगरों से अलग-अलग कार्यक्रम करने के लिए कलाकारों को बुलाया गया, जो विसर्जन जुलूस के दौरान शहरवासियों के लिए आकर्षक का केंद्र था। समिति के लोगों ने बताया कि बम काली मंदिर में 1930 से पूजा अर्चना हो रही है। मंदिर में प्रत्येक पूर्णिमा व अमावस्या को विशेष पूजा होती है। बम काली मंदिर को शक्ति काली के नाम से भी जाना जाता है। पूरी की तर्ज पर निकलता है रथ, खींचने की लगी रहती है होड़ मां बम काली की प्रतिमा की विसर्जन यात्रा एक दिन बाद दोपहर एक बजे मंदिर परिसर से गाजे-बाजे व पारंपरिक हथियार के साथ निकलती है। 16 फीट की भव्य बम काली की प्रतिमा का अपना वाहन है। खास बात यह है कि मां बम काली के रथ को रस्सी से खींचने के लिए साहिबगंज शहर सहित आस-पास के जिले के महिला, पुरुषों के अलावे बच्चे साहिबगंज पहुंच जाते हैं। रथ को खींचकर परिवार की सुख-शांति की कामना करते हैं। प्रतिमा विर्सजन यात्रा दोपहर एक बजे मंदिर परिसर से निकलती है, जो देर रात नगर भ्रमण कर स्थानीय गंगा तट पर पहुंचती है। जुलूस देखने के लिए जिले व आस-पास के क्षेत्र से लाखों भक्तों की भारी भीड़ जुटती है। प्रतिमा विसर्जन को लेकर भारी संख्या में जगह-जगह पर पुलिस बल की तैनाती रहती है।

मसकलैया फोरलेन पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, दो युवक घायल; एक की हालत गंभीर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



साहिबगंज।तालझारी थाना क्षेत्र के मसकलैया फोरलेन पर बुधवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गयी। हादसे में दोनों बाइक सवार युवक घायल हो गये। घायलों में कोठीबगीचा निवासी दीपक यादव (24), पिता रामचंद्र यादव शामिल हैं। वहीं, दूसरे घायल युवक को इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल ले जाया गया।मिली जानकारी के अनुसार, दीपक यादव किसी काम से बाइक से साहिबगंज जा रहे थे। इसी दौरान मसकलैया फोरलेन पर विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गयी। टक्कर के बाद दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गये। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गयी। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।दीपक यादव को इलाज के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सक डॉ सादिक अंसारी ने उनका प्राथमिक उपचार किया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। वहीं, दूसरे घायल युवक को साहिबगंज सदर अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गयी है।

प्रोफेशनल्स कांग्रेस के थिंक 29 कार्यक्रम में चेंबर अध्यक्ष ने की खासमहल भूमि को फ्रीहोल्ड करने की मांग



रांची। झारखंड प्रोफेशनल्स कांग्रेस की ओर से बुधवार को रांची के होटल बीएनआर में आयोजित थिंक 29 कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तुलसी पटेल ने शामिल होकर झारखंड के आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर उपस्थित ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मधु गौड यास्कीष और कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू को उन्होंने मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा। मौके पर चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि नीतिगत और प्रशासनिक बाधाओं के कारण राज्य अपनी क्षमता के अनुरूप विकास नहीं कर पा रहा है। उन्होंने खासमहल भूमि को फ्रीहोल्ड करने की नीति बनाने, औद्योगिक क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट करने, सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी बनाने और ट्रांसपोर्ट नगर का जल्दी संचालन शुरू करने की आवश्यकता बताई।चेंबर अध्यक्ष ने राज्य से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और लॉजिस्टिक हब की स्थापना, मालवाहक परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में फास्ट मेमू ट्रेनों के परिचालन, ट्रेड लाइसेंस व्यवस्था के सरलीकरण, होल्डिंग टैक्स की समीक्षा और कृषि बाजार समितियों में किराया वृद्धि पर पुनर्विचार की आवश्यकता बताई।उन्होंतने राज्य में निवेश अनुकूल वातावरण के लिए कानून-व्यवस्था में सुधार, औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा बल का गठन करने और मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्रत्येक तीन माह में राज्यस्तरीय औद्योगिक समीक्षा बैठक आयोजित करने का सुझाव भी दिया।चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2029 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी राजनीतिक दलों को झारखंड के व्यापार, उद्योग, निवेश और रोजगार सृजन के लिए स्पष्ट और क्रियान्वयन योग्य विकास रोडमैप तैयार करना चाहिए। व्यापारी और उद्यमी उसी व्यवस्था से संतुष्ट होते हैं, जहां उनकी समस्याओं का समाधान हो और सरकार की नीतियों का सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई दे। मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के अलावा कई उपस्थित गणमान्य से भी चेंबर अध्यक्ष की वार्ता हुई।

साहिबगंज: घर के बाहर खेल रहे ढाई साल के मासूम को तेज रफ्तार बाइक ने कुचला, मौके पर मौत

झारखंड उजाला संवाददाता

उधवा/साहिबगंज।साहिबगंज जिले के राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत अकुनबन्ना गांव में बुधवार को सड़क हादसे ने परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। घर के बाहर खेल रहे महज ढाई साल के मासूम बच्चे को तेज रफ्तार बाइक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मसूद शेख के पुत्र अनवर हुसैन (ढाई वर्ष) के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, पश्चिम प्राणपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने घर के बाहर खेल रहे अनवर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मासूम सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि बच्चे ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि उनका पोता घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रहे बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां-बाप सहित परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर है। उधर घटना की जानकारी मिलने पर राधानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल भेज दिया गया। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

कल्याणचक झंडी मेला देखकर लौटी बेटी के सामने घर में मां का शव पड़ा मिला, बेटा हिरासत में

झारखंड उजाला संवाददाता



तीनपहाड़/साहिबगंज।कल्याणचकझंडी मेला देखकर लौटी बेटी के सामने घर में मां का शव पड़ा मिला। बुधवार को वृंदावन पंचायत के कड़माटोला गांव में 47 वर्षीय रणधीनी सोरेन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया। घर में खटिया पर शव मिलने की खबर फैलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई।सूचना पर पहुंची तीनपहाड़ थाना पुलिस ने जांच शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मृतका के बेटे को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

मेला देखकर लौटी थी बेटी, घर में मिला शव

जानकारी के अनुसार, रणधीनी सोरेन की बेटी चुड़की बेसरा अपने पति के साथ कल्याणचक में आयोजित झंडी मेला देखने गई थी। वहां से लौटने के बाद जब वह मां से मिलने घर पहुंची तो उन्हें खटिया पर मृत पाया। इसके बाद उसने ग्रामीणों को जानकारी दी। गांव के प्रधान के माध्यम से पुलिस को सूचना दी गई।

बेटे के साथ विवाद की भी चर्चा

बेटे के साथ विवाद की भी चर्चा होने की बात सामने आ रही है, मगर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, रणधीनी सोरेन का अपने बेटे बिष्णु बेसरा उर्फ हेपा बेसरा के साथ अक्सर विवाद होता था। इस मामले को लेकर पिछले महीने गांव में प्रधान और ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचायती भी हुई थी। अब महिला की संदिग्ध मौत के बाद पुलिस पारिवारिक विवाद समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

घटना की सूचना पर राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, थाना प्रभारी गौरव भगत और एएसआई प्रदीप यादव मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर आवश्यक जानकारी जुटाई। थाना प्रभारी ने बताया कि फिलहाल मामले में कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है।

डोरंडा काली पूजा पंडाल पहुंचे उपायुक्त, मां से मांगा आशीर्वाद

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री बुधवार को डोरंडा स्थित मां काली पूजा समिति के पूजा पंडाल पहुंचे। उन्होंने मां काली के दर्शन कर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति और उन्नति की कामना की। इस दौरान उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को काली पूजा की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि त्योहार हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे आयोजनों में शांति, सद्भाव और आपसी सहयोग बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जिलेवासियों से पर्व के दौरान सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। मौके पर पूजा पंडाल में समिति के सदस्यों ने उपायुक्त का स्वागत किया।इसके साथ ही काली पूजा के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित आयोजन में जिला प्रशासन की ओर से मिले सहयोग और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए आभार जताया गया।समिति के सदस्यों ने कहा कि प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय के कारण पूजा का आयोजन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो रहा है।उल्लेखनीय है कि काली पूजा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से विधि-व्यवस्था और शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समन्वय किया जा रहा है। प्रशासन ने सभी पूजा समितियों और श्रद्धालुओं से सहयोग की अपेक्षा की है।

ठहराव मिलने से हजारों रेल यात्रियों को मिलेगी राहत

कोटालपोखर रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग, बाबूलाल मरांडी को मंडल अध्यक्ष ने सौंपा आवेदन

झारखंड उजाला संवाददाता



बरहरवा/साहिबगंज। कोटालपोखर रेलवे स्टेशन पर साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 13427 अप एवं 13428 डाउन) के स्थायी ठहराव की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में भाजपा कोटालपोखर मंडल अध्यक्ष विकास भगत ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी को आवेदन सौंपकर आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया है। 11 नवंबर को दिए गए आवेदन में विकास भगत ने कहा है कि कोटालपोखर एवं आसपास के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री कोलकाता (हावड़ा) सहित अन्य प्रमुख शहरों की यात्रा करते हैं। इनमें व्यापारी, विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, मरीज और आम नागरिक शामिल हैं। साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस इस क्षेत्र के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण ट्रेन है, लेकिन कोटालपोखर स्टेशन पर इसका ठहराव नहीं होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि ट्रेन पकड़ने के लिए यात्रियों को पाकुड़ या बरहरवा रेलवे स्टेशन जाना पड़ता है। इससे यात्रियों का अतिरिक्त समय और पैसा खर्च होता है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं, विद्यार्थियों और इलाज के लिए यात्रा करने वाले मरीजों को होती है। आवेदन के माध्यम से विकास भगत ने कहा कि यदि इंटरसिटी एक्सप्रेस का कोटालपोखर स्टेशन पर स्थायी ठहराव सुनिश्चित होता है तो क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान होगी तथा क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से आग्रह किया है कि जनहित से जुड़ी इस मांग को रेल मंत्री, भारत सरकार एवं पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के समक्ष प्रमुखता से उठाएं, ताकि कोटालपोखर रेलवे स्टेशन पर साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस का स्थायी ठहराव सुनिश्चित कराने की दिशा में आवश्यक पहल हो सके।

सोसो में धूमधाम से मना पड़हा सोहराई जतरा महोत्सव

रांची। सोसो गांव में 22 पड़हा सोहराई जतरा महोत्सव बुधवार को पारंपरिक रीति-रिवाज और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। महोत्सव का आयोजन अध्यक्ष दिलीप उरांव की अगुवाई में किया गया।जतरा का शुभारंभ गांव के पहान शानि पहान ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर किया। इसमें आसपास के विभिन्न गांवों से खोड़हा मंडलियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने सभी खोड़हा मंडलियों का स्वागत किया। उन्होंने पारंपरिक आदिवासी प्रतीक सरना झंडा देकर मंडलियों को सम्मानित किया।मौके पर बबलू मुंडा ने कहा कि जतरा और सेंदरा आदिवासी समाज को पूर्वजों से मिली विरासत और व्यवस्था है। समाज को अपनी पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर बचाने के लिए गंभीरता से प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आदिवासी धर्म, संस्कृति, रीति-रिवाज और रूढ़ी-प्रथा पर चौतरफा चुनौतियां हैं।

छठ घाटों की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

रांची। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम ने घाटों पर तैयारियों को लेकर बुधवार को निगम के अधिकारियों और कर्मियों के साथ एदलहातू, बड़गाईं और पीएचईडी तालाब का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समितियों से भी तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।एदलहातू तालाब में जल की सफाई के लिए फिटकरी डालने, संपर्क मार्गों की विशेष सफाई, दो हाईमास्ट लाइट लगाने और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।बड़गाईं तालाब में अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था, पेड़ों की डालियों की छंटाई, जल में फिटकरी डालने और संपर्क मार्गों की सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं, पीएचईडी तालाब में पेंटिंग कार्य पूरा करने, घास की कटाई और पहुंच पथों की सफाई का निर्देश दिया गया।इस अवसर पर नगर आयुक्त ने कहा कि छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। घाटों और संपर्क मार्गों से कंकड़-पत्थर, कचरा और अन्य अवरोध हटाए जाएं, ताकि व्रतियों को नंगे पैर आने-जाने में परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, नगर प्रबंधक, निगमकर्मी और छठ पूजा समितियों के सदस्य मौजूद थे।

विधायक ने कहा शिक्षा के बिना किसी भी समाज और राष्ट्र की तरक्की संभव नही है

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

आधुनिक भारत के शिक्षा व्यवस्था के शिल्पकार थे मौलाना अबुल कलाम आजादः नगर अध्यक्ष

हुसैनाबाद पलामूः युनाइटेड मिल्ली फोरम, सद्भावना चौकड़ी एवं आइडियल टीचर्स एसोसिएशन, हुसैनाबाद के संयुक्त तत्वावधान में महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद्, भारत रत्न, देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की 137वीं जयंती के मौके पर होटल रुद्रा परिसर, हुसैनाबाद में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व नगर उपाध्यक्ष गयासुद्दीन सिद्दीकी एवं संचालन मो. जुबैर अंसारी ने किया। मुख्य अतिथि विधायक संजय कुमार सिंह यादव एवं विशिष्ट अतिथि



नगर अध्यक्ष अजय कुमार भारती, पूर्व नगर अध्यक्ष शशि कुमार, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खां, हसनैन जैदी, अब्बास अंसारी, डॉ. एजाज आलम थे। कार्यक्रम में चिल्ड्रेन इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन के सौजन्य से साइंस ओलंपियाड में भाग लेने वाले बच्चों एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त शिक्षक रामेश्वर मेहता एवं अब्दुल कुद्दूस अंसारी को सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वालों में कक्षा छह में प्रथम तहरीम फातमा, द्वितीय आसिफ रजा एवं तृतीय सिदरा परवीन, कक्षा सात में प्रथम कहकशां, द्वितीय मो. जामिन एवं तृतीय तरन्नुम, कक्षा आठ में प्रथम आयुष कुमार, द्वितीय ऋषि कुमार एवं तृतीय अस्फिया साजिद को मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। मौके पर पूर्व नगर अध्यक्ष शशि कुमार, जाकिर अली बसपा युवा नेता अली हसन ने मौलाना अबुल कलाम आजाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि मौलाना आजाद ने आजादी की लड़ाई में गांधी जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उन्हें प्रथम शिक्षा मंत्री बनाया गया। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा को निःशुल्क बनाया। IIT, UGC, ललित कला एवं नाट्य कला अकादमी की स्थापना की। वे हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक और देश के बंटवारे के घोर विरोधी थे। कई बार जेल गए। मरणोपरांत इन्हें 1992 में भारत रत्न से नवाजा गया। मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक ने कहा कि शिक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण है। शिक्षा के बिना किसी समाज और राष्ट्र के तरक्की संभव नहीं है। आधी रोटी खाइए, मगर बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया कराइए। उन्होंने घोषणा की कि प्रखंड परिसर में नवनिर्मित पुस्तकालय का नाम मौलाना अबुल कलाम आजाद पुस्तकालय रखा जाएगा। युनाइटेड मिल्ली फोरम की तरफ से मौलाना अबुल कलाम आजाद मेमोरियल हॉल बनाने का ज्ञापन सौंपे जाने पर विधायक ने घोषणा की कि जमीन उपलब्ध होने पर विधायक कोटा से हॉल बनाया जाएगा। वही विशिष्ट अतिथि नगर अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने कहा की मौलाना अबुल कलाम आजाद ने स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखने के लिए देश में आधुनिक शिक्षा प्रणाली और उच्च शिक्षण संस्थानो की स्थापना में अहम भूमिका निभाई थी आज की युवा पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। मौलाना अबुल कलाम आजाद आधुनिक भारत की शिक्षा व्यवस्था के शिल्पकार थे। अध्यक्षीय संबोधन में गयासुद्दीन सिद्दीकी ने शिक्षा के क्षेत्र में मौलाना आजाद के कार्यों को याद किया एवं उसे आगे बढ़ाने पर जोर दिया। धन्यवाद ज्ञापन के बाद सभा समाप्ति की घोषणा की गई। मौके पर जाफर खां, पंचम खां, वार्ड पार्षद अनवर आलम, आनंद कुमार, पूर्व वार्ड पार्षद नजीर अहमद, परवेज आलम, सद्दाम हुसैन, इम्तियाज आलम, सिब्तैन मिर्जा, अलीमुद्दीन, इस्तहफाम, सद्दाम कादरी, इमामुद्दीन अंसारी, इमामुद्दीन खां उपस्थित थे।

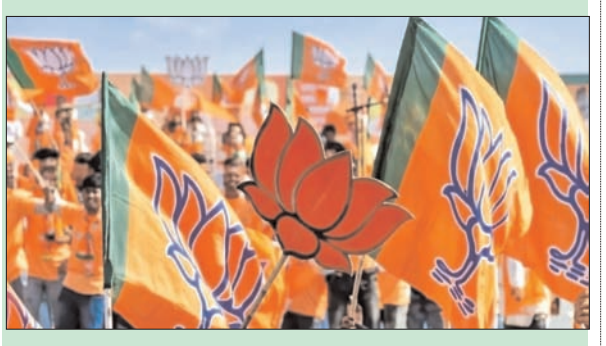
›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

छठ महापर्व पर धनबाद में बदलेगी ट्रैफिक व्यवस्था, प्रमुख मार्गों पर रहेगी नो-एंट्री; ड्रोन से होगी घाटों की निगरानी

149 स्थानों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, संवेदनशील घाटों पर तैनात रहेंगे गोताखोर

धनबाद। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर धनबाद जिला पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। 15 और 16 नवंबर को छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। प्रमुख मार्गों पर वाहनों के परिचालन पर प्रतिबंध यानी नो-एंट्री लागू रहेगी, ताकि छठ घाटों तक पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।इस संबंध में मंगलवार को समाहरणालय स्थित पुलिस सभागार में वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ, पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं ओपी प्रभारी शामिल हुए। बैठक में अपराध नियंत्रण के साथ आगामी छठ महापर्व की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की गई।एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि छठ के दौरान जिले के प्रमुख और भीड़भाड़ वाले घाटों पर ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। वहीं, संवेदनशील और खतरनाक घाटों पर गोताखोरों की तैनाती की जाएगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल बचाव कार्य शुरू किया जा सके। घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों पर पर्याप्त रोशनी, सुरक्षा और पुलिस बल की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है।149 स्थानों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा, 22 नेताओं को मिली जिम्मेदारी



रांची। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा की है। प्रदेश भाजपा की ओर से जारी सूची में 22 नेताओं को अलग-अलग पदों और जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।घोषित सूची के अनुसार अजय मुंडा, राजेश कुशवाहा, इंद्रजीत कुमार (लालू), सुबोध राय, प्रभात रंजन, विष्णु मंडल, सज्जन पंकज और मनोज तिवारी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, विक्रांत उपाध्याय और डॉ. विनोद ठाकुर को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी मिली है।उषा देवी, राणा ऋषिकेश सिंह, सुरेश महतो, शुभम सिंह, निशांत कुमार, कुसुमाकर तिवारी, सन्नी कुशवाहा और तूफान महथा को प्रदेश मंत्री बनाया गया है। वृंद कुमार राम को प्रदेश कार्यालय मंत्री और नीरज कुमार को प्रदेश सह कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया है। जितेंद्र जैन को प्रदेश कोषाध्यक्ष तथा मूलचंद साव को प्रदेश सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

सोसो में धूमधाम से मना पड़हा सोहराई जतरा महोत्सव



रांची। सोसो गांव में 22 पड़हा सोहराई जतरा महोत्सव बुधवार को पारंपरिक रीति-रिवाज और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। महोत्सव का आयोजन अध्यक्ष दिलीप उरांव की अगुवाई में किया गया।जतरा का शुभारंभ गांव के पहान शानि पहान ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर किया। इसमें आसपास के विभिन्न गांवों से खोड़हा मंडलियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने सभी खोड़हा मंडलियों का स्वागत किया। उन्होंने पारंपरिक आदिवासी प्रतीक सरना झंडा देकर मंडलियों को सम्मानित किया।मौके पर बबलू मुंडा ने कहा कि जतरा और सेंदरा आदिवासी समाज को पूर्वजों से मिली विरासत और व्यवस्था है। समाज को अपनी पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर बचाने के लिए गंभीरता से प्रयास करना होगा।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आदिवासी धर्म, संस्कृति, रीति-रिवाज और रूढ़ी-प्रथा पर चौतरफा चुनौतियां हैं। ऐसे में अपनी परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज को एकजुट होना जरूरी है। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने वाली गतिविधियों के प्रति सजग रहने और अपनी पहचान की रक्षा करने का आह्वान किया।महोत्सव में जनजाति सुरक्षा मंच के मुख्य संयोजक संदीप उरांव, करमचंद उरांव, रितेश उरांव, राजू उरांव, विशाल उरांव, उत्तम उरांव, किशुन उरांव, अभिषेक उरांव, शांति उरांव, सुभाष बेक सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

छठ घाटों की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण



रांची। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम ने घाटों पर तैयारियों को लेकर बुधवार को निगम के अधिकारियों और कर्मियों के साथ एदलहातू, बड़गाईं और पीएचईडी तालाब का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समितियों से भी तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। एदलहातू तालाब में जल की सफाई के लिए फिटकरी डालने, संपर्क मार्गों की विशेष सफाई, दो हाईमास्ट लाइट लगाने और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। बड़गाईं तालाब में अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था, पेड़ों की डालियों की छंटाई, जल में फिटकरी डालने और संपर्क मार्गों की सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं, पीएचईडी तालाब में पेंटिंग कार्य पूरा करने, घास की कटाई और पहुंच पथों की सफाई का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त ने कहा कि छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। घाटों और संपर्क मार्गों से कंकड़-पत्थर, कचरा और अन्य अवरोध हटाए जाएं, ताकि व्रतियों को नंगे पैर आने-जाने में परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, नगर प्रबंधक, निगमकर्मी और छठ पूजा समितियों के सदस्य मौजूद थे।

सिंदरी में श्रद्धा और उल्लास के साथ हुई भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

शहरपुरा चित्रगुप्त मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ पूजन, शाम को संगीत कार्यक्रम और प्रीतिभोज का हुआ आयोजन

सिंदरी/धनबाद। लेखनी के आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा बुधवार को सिंदरी के शहरपुरा स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर चित्रांश समाज के लोगों ने विधि-विधान से भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।पूजा के दौरान परंपरा के अनुसार कलम, पेंसिल, कागज, बही-खाते और



पुस्तकों को भगवान श्री चित्रगुप्त के चरणों में रखकर विशेष रूप से पूजन किया गया। मान्यता के अनुसार इस दिन कलम का प्रयोग नहीं किया जाता है। पूजा के मुख्य यजमान वरिष्ठ चित्रांश एवं चिटाही निवासी रंजीत श्रीवास्तव रहे। मंदिर के स्थायी पुजारी जय नारायण पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शास्त्रसम्मत विधि से पूजन संपन्न कराया।पूजनोत्सव में श्री चित्रगुप्त महापरिवार समिति, सिंदरी के अध्यक्ष डॉ. सरोज कुमार सिन्हा, बिनोद कुमार सिन्हा, कुंदन वर्मा, अजीत कुमार, संजीव श्रीवास्तव, मुनमुन श्रीवास्तव, अंजनी श्रीवास्तव सहित चित्रांश समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष डॉ. सरोज कुमार सिन्हा ने बताया कि पूजा के अवसर पर बुधवार शाम छह बजे से संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद शाम 7:30 बजे से प्रीतिभोज का आयोजन हुआ, जिसमें समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भाई दूज और भाई फोटा पर बहनों ने भाइयों के माथे पर लगाया तिलक, सुख-समृद्धि की कामना



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी/धनबाद। बुधवार को सिंदरी में भाई दूज एवं भाई फोटा का पर्व श्रद्धा, प्रेम और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा और सम्मान का संकल्प लिया। पर्व को लेकर घरों में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने पूजा की थाली सजाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और भाइयों को मिठाई खिलाई। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक यह त्योहार पारिवारिक रिश्तों को और मजबूत करने का संदेश देता है।
सिंदरी के विभिन्न मोहल्लों में लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ त्योहार मनाया। पूरे क्षेत्र में पर्व को लेकर खुशी और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

रामगढ़ की अंडर 14 बालिका वॉलीबॉल स्टेट चैंपियन टीम को विधायक ममता देवी ने किया सम्मानित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। रामगढ़ जिले का नाम रोशन करने वाली अंडर 14 बालिका वॉलीबॉल स्टेट चैंपियन टीम ने आज रामगढ़ की लोकप्रिय विधायक श्रीमती ममता देवी से उनके कार्यालय/आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधायक ने विजेता खिलाड़ियों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया और राज्य स्तर पर चैंपियन बनने पर उन्हें ढेरों बधाइयाँ व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

खिलाड़ियों की मेहनत और कोच के मार्गदर्शन को सराहा

कार्यक्रम के दौरान विधायक ममता देवी ने इस शानदार सफलता के पीछे ग्रामीण विकास केंद्र के सचिव कुंदन गोप, कोच बसंत नायक और मनिंद्र करमाली के अहम योगदान की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास केंद्र द्वारा स्थानीय प्रतिभाशाली



बच्चों को निःशुल्क वॉलीबॉल प्रशिक्षण देकर उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर देना एक अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय पहल है। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विधायक ने विश्वास जताया कि ये बेटियाँ अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने कहा कि इन बालिकाओं की यह उपलब्धि रामगढ़ जिला, झारखंड राज्य और पूरे देश के लिए गौरव का विषय है।इस सम्मान समारोह से खिलाड़ियों में भारी उत्साह देखा गया और उन्होंने आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने का संकल्प लिया।

चिकित्सक के अभाव में चल रहा सिंदरी का शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,205 बेड वाला अस्पताल बंद होने से लोगों को परेशानी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी /धनबाद। वर्ष 2002 में एफसीआईएल खाद कारखाना बंद होने के साथ ही यहां संचालित 205 बेड का अस्पताल भी बंद हो गया। इसको लेकर सांसद ढुल्लू महतो और विधायक चंद्रदेव महतो द्वारा समय-समय पर केंद्र सरकार को ज्ञापन दिया गया है।इसके बाद से सिंदरी शहर और आसपास के दर्जनों गांव की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित है। वर्तमान में क्षेत्र की बड़ी आबादी गुरुद्वारा समीप स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिंदरी (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) पर निर्भर है। लेकिन यहां चिकित्सक की नियमित उपलब्धता नहीं होने से मरीजों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा मिलने में परेशानी हो रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फिलहाल फार्मासिस्ट कुसुम कुमारी,एन एम- गीता ,छवि एवं



श्रेया तथा सहयोगी कर्मचारी मंजू टोपनो के भरोसे संचालित हो रहा है। केंद्र में प्रसव की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे आसपास के शायरी-ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को लाभ मिलता है, हालांकि चिकित्सक की अनुपस्थिति में मरीजों को चिकित्सीय परामर्श के लिए परेशान होना पड़ता है।जानकारी के अनुसार, पिछले दो महीने से चिकित्सक रूपक बनर्जी स्वास्थ्य केंद्र नहीं आ रहे हैं। ऐसे में केंद्र में आने वाले मरीजों को नियमित चिकित्सकीय परामर्श नहीं मिल पा रहा है। गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अन्य अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। वहीं, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की सीएसआर योजना के तहत स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की जांच के लिए मशीन लगाई गई है। लेकिन टेक्नीशियन के अभाव में यह मशीन उपयोग में नहीं आ पा रही है। जांच की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद मरीज इसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं और मशीन स्वास्थ्य केंद्र की शोभा बढ़ाने तक सीमित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक समय सिंदरी में 205 बेड का अस्पताल क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था का प्रमुख केंद्र था। लेकिन उसके बंद होने के बाद आज तक उस स्तर की स्वास्थ्य सुविधा विकसित नहीं हो सकी है। वर्तमान में एकमात्र शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भी चिकित्सक और तकनीकी कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित चिकित्सक की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, जांच मशीन के संचालन के लिए टेक्नीशियन उपलब्ध कराया जाए तथा प्रसव सहित अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को व्यवस्थित किया जाए। ताकि सिंदरी और आसपास के शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके और छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी दूर-दराज के अस्पतालों का चक्कर नहीं लगाना पड़े।

हजारीबाग प्रेस क्लब में पत्रकारों के साथ नगर आयुक्त के अभद्र व्यवहार पर सांसद मनीष जायसवाल ने जताई कड़ी नाराजगी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

प्रेस क्लब राज्य सरकार की संपत्ति, नगर निगम के स्वामित्व का दावा समझ से परे : मनीष जायसवाल

हजारीबाग। पुराने समाहरणालय परिसर स्थित हजारीबाग प्रेस क्लब में बीते मंगलवार को नगर आयुक्त द्वारा पत्रकारों के साथ कथित अभद्र व्यवहार किए जाने की घटना को लेकर अब राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आने लगी है। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने इस पूरे प्रकरण की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रहार करार दिया है।
सांसद मनीष जायसवाल ने कहा



कि पत्रकारों के साथ इस प्रकार का व्यवहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। पत्रकार लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और जनता की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का काम करते हैं। ऐसे में उनके साथ अभद्रता करना बेहद निंदनीय है। सांसद ने प्रेस क्लब के स्वामित्व और अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुराने समाहरणालय स्थित हजारीबाग प्रेस क्लब राज्य सरकार की संपत्ति है। उपायुक्त इसके केयरटेकर हैं और इसी कार्यालय द्वारा प्रेस क्लब का आवंटन किया गया है। ऐसे में नगर निगम का इस संपत्ति पर स्वामित्व को लेकर सवाल खड़ा करना समझ से परे है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस मामले में नगर निगम की भूमिका और अधिकार को लेकर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए।
मनीष जायसवाल ने कहा कि यदि नगर आयुक्त द्वारा पत्रकारों के ऊपर इस तरह का प्रहार किया गया है, तो यह पूरी तरह गलत है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर इस प्रकार का हमला न केवल निंदनीय है, बल्कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आशंका जताई कि यह पत्रकारों की आवाज दबाने की एक नाकाम कोशिश भी हो सकती है।
सांसद ने नगर आयुक्त द्वारा पत्रकारों पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के लगाए गए आरोपों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त को स्पष्ट करना होगा कि आखिर पत्रकारों ने किस प्रकार उनके सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई। केवल आरोप लगा देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके पीछे का आधार और पूरी परिस्थिति भी सार्वजनिक होनी चाहिए।
उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ इस तरह का व्यवहार हमारे सामाजिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। समाज में पत्रकारों का सम्मान और उनकी स्वतंत्रता सुरक्षित रहनी चाहिए।

पत्रकारों से दुर्व्यवहार पर हजारीबाग में उबाल, सांसद-विधायक समेत जनप्रतिनिधियों ने जताया कड़ा विरोध

झारखंड उजाला संवाददाता

नगर आयुक्त के कथित अभद्र व्यवहार की सभी ने की कड़ी निंदा, झारखंड सरकार से बेलगाम अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

आज पुराने समाहरणालय स्थित धरना स्थल पर होगा एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन

नगर आयुक्त के तत्काल स्थानांतरण की मांग को लेकर डीसी को सौंपा जाएगा ज्ञापन



हजारीबाग। हजारीबाग प्रेस क्लब में नगर निगम के अधिकारियों द्वारा पत्रकारों के साथ कथित तौर पर किए गए अभद्र व्यवहार के प्रयास को लेकर जिले में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, महापौर अरविंद राणा सहित कई जनप्रतिनिधि, राजनीतिक दलों के नेता, समाजसेवी एवं प्रबुद्धजन हजारीबाग प्रेस क्लब पहुंचे और घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पत्रकारों के प्रति अपना समर्थन जताया।इस दौरान सभी राजनीतिक व सामाजिक दल के लोगों ने एक स्वर में कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता के साथ इस तरह का व्यवहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। पत्रकारों की आवाज दबाने और उन्हें डराने का प्रयास लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। जनहित के मुद्दों को उठाना और सरकारी विभागों की कार्यशैली पर सवाल करना पत्रकारों का संवैधानिक एवं सामाजिक दायित्व है। ऐसे में पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना बेहद निंदनीय है।

दरअसल, हजारीबाग नगर निगम की कार्यशैली को लेकर बिते मंगलवार को पत्रकारों द्वारा खबर प्रकाशित की गई थी, जिसमें छठ महापर्व के अवसर पर स्टोन डस्ट गिराने की टेंडर प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए थे। टेंडर प्रक्रिया और निर्धारित समयावधि को लेकर पत्रकारों ने जनहित में कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए थे। आरोप है कि इसी खबर से नाराज होकर नगर आयुक्त हजारीबाग प्रेस क्लब पहुंचे और पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार किया। इस घटना के बाद पत्रकारों के साथ-साथ आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों में भी भारी नाराजगी देखी जा रही है। प्रेस क्लब पहुंचे जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों ने कहा कि पत्रकारों के साथ हुई यह घटना पूरी तरह निंदनीय है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को दबाने की कोशिश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी ने झारखंड सरकार से मांग की कि ऐसे अधिकारियों की कार्यशैली पर अंकुश लगाया जाए और पूरे मामले में उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पत्रकारों के सम्मान और स्वतंत्र पत्रकारिता की रक्षा के लिए वे उनके साथ मजबूती के साथ खड़े हैं।

धरना-प्रदर्शन कर जताया जाएगा विरोध, डीसी को सौंपेंगे ज्ञापन

घटना के विरोध में हजारीबाग प्रेस क्लब के पत्रकारों के समर्थन में एकजुट हुए जनप्रतिनिधियों ने जोरदार आंदोलन का निर्णय लिया। तय किया गया कि आज हजारीबाग पुराने समाहरणालय के सामने स्थित धरना स्थल पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इसमें जिले के पत्रकारों के साथ स्थानीय सांसद, विधायक, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, समाजसेवी एवं आम नागरिक शामिल होकर नगर निगम के अधिकारियों के कथित दुर्व्यवहार के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। धरना-प्रदर्शन के उपरांत हजारीबाग उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से नगर आयुक्त के तत्काल स्थानांतरण की मांग उठाई जाएगी। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह लड़ाई केवल पत्रकारों के सम्मान की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जनहित के सवालों को उठाने के अधिकार की भी है।

इन जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं ने जताया विरोध

इस घटना की कड़ी निंदा करने वालों में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, पूर्व सांसद यदुनाथ पांडे, हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, झारखंड कांग्रेस के प्रदेश संयोजक विनोद कुशवाहा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष टुन्नू गोप, कांग्रेस नेता संजय तिवारी, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शिवलाल महतो एवं बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अनूप भाई सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे। सभी ने पत्रकारों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की।

आमटाल सहित पूरे कोयलांचल में हर्षोल्लास से मना भाई फोटा, बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र की कामना की

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



बलियापुर/धनबाद। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का पर्व भाई फोटा (भैया दूज) बुधवार को आमटाल सहित पूरे कोयलांचल में पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों के माथे पर चंदन और काजल का तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पारंपरिक बंगाली मंत्र 'भाइयेर कपाले दिलाम फोटा, यमेर दुआरे पड़लो कांटा' के साथ भाइयों की आरती उतारी और मिठाइयां खिलाईं। वहीं, भाइयों ने बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा और हर सुख-दुख में साथ निभाने का संकल्प लिया। पर्व को लेकर घरों में उत्सवी माहौल रहा। इस अवसर पर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने कोयलांचल और सिंदरीवासियों को भाई फोटा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व पारिवारिक एकता, आपसी प्रेम, सद्भाव और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

छत्तरपुर में फ्रेंड्स क्लब द्वारा पिछले 14 वर्षों से छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है: अध्यक्ष पप्पू सिंह

झारखंड उजाला संवाददाता



छत्तरपुर: छठ महा पर्व पर फ्रेंड्स क्लब छत्तरपुर के अध्यक्ष शशि रंजन सिंह (पप्पू सिंह) ने बताया कि पिछले 14 वर्षों से फ्रेंड्स क्लब द्वारा मंदेया छठ घाट को साफ-सफाई और लाईट की व्यवस्था किया जाता है। साथ ही आस्था के दीपों से रोशन करते आए हैं, वह किसी संस्था का काम नहीं, बल्कि हम सबका साझा आंगन है। ?छठ केवल सूर्य को जल अर्पित करने का अनुष्ठान नहीं है; यह हमारे भीतर की करुणा, परिवार के त्याग और प्रकृति के आगे निश्छल होकर झुक जाने का महापर्व है। इस महापर्व की सबसे बड़ी सुंदरता यही है कि यहाँ कोई छोटा या बड़ा नहीं होता—राजा हो या रंक, सब एक ही घाट पर, एक ही मिट्टी की वेदी के सामने, दोनों हाथ जोड़कर खड़े होते हैं। ?सच कहें तो, घाट पर हमारे इंतजाम और हजारों दीपों की कतारें तब तक बेजान हैं, जब तक उस भीड़ में आपकी उपस्थिति न हो। आपका घाट पर होना इस आयोजन की आत्मा है। आपके बिना घाट सूना है और हमारी चौदह वर्षों की यह साधना अधूरी।यह चौदह वर्षों का सफर केवल हमारे अकेले चलने से यहाँ तक नहीं पहुँचा है। घाट की पहली कुदाल चलने से लेकर, व्रतियों के लिए दूध, वेदी, रौशनी और सुरक्षा की अंतिम व्यवस्था तक—हर तैयारी में आपके स्नेह और सहयोग का संबल रहा है। ?यह महायज्ञ किसी एक व्यक्ति या समिति के द्वारा संभव नहीं। इसमें अर्पित आपका हर एक अंश, आपका हर आर्थिक सहयोग हमारे लिए केवल धन नहीं, बल्कि छठी मइया के चरणों में समर्पित आपका प्रत्यक्ष आशीर्वाद है। आपके दिए उसी सहयोग से किसी व्रती के पाँव के नीचे बिछी चटाई की व्यवस्था होती है, किसी अंधेरे कोने में दीप जलता है, और घाट पर आने वाले हर श्रद्धालु को घर जैसा अपनत्व महसूस होता है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि इस महापर्व को भव्य, निर्विघ्न और पवित्र बनाए रखने के लिए अपनी बहुमूल्य समय निकाल कर सहयोग इस महायज्ञ में करें। वह हमारे फ्रेंड्स क्लब के पूरे परिवार में इस आयोजन की नींव बनेगा। क्योंकि यह साबित करता है कि यह पूजा हमारी नहीं, आपकी अपनी है।

योग से मनुष्य जीवन की कठिनाइयों पर पा सकता है विजय : पवन



रांची। भाईदूज के अवसर पर हरमू रोड स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान में बुधवार को आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन कुमार ने कहा कि योग और ज्ञान की शक्ति से मनुष्य जीवन की कठिनाइयों पर विजय प्राप्त कर सकता है। योगी आत्माएं सात्विक विचारों और श्रेष्ठ कर्मों के बल पर काल के भय से मुक्त रहती हैं। ज्ञान और योग के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को सफल बना सकता है। मौके पर संस्थान की केंद्र प्रशासिका निर्मला बहन ने कहा कि मनुष्य नश्वर शरीर नहीं, बल्कि अविनाशी आत्मा है। भृकुटि के मध्य आत्मा का निवास माना गया है। आत्मिक स्वरूप की अनुभूति और परमात्मा से जुड़ाव मनुष्य को श्रेष्ठ कर्मों की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संसार परिवर्तनशील है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्मों का फल भोगना पड़ता है। इसलिए जीवन में पवित्रता, मयार्दा और सद्भाव बनाए रखना आवश्यक है।

राजू तिर्की को पुलिस ने उठाया, हथियार और बॉडीगार्ड का कर रही सत्यापन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



पलामू। जिले के पांकी-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर बसौरा इंजीनियरिंग कॉलेज के पास बुधवार को अश्विनी अमृततुल्य चाय दुकान के ग्रैंड ओपनिंग समारोह में उस समय अचानक अफरा-तफरी मच गई, जब कई थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस की कार्रवाई से उद्घाटन समारोह का माहौल अचानक बदल गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राजू तिर्की को पुलिस अपने साथ थाने ले गई। इतना ही नहीं, दोनों अतिथियों के काफिले में शामिल गाड़ियों, हथियारों और हथियारबंद सुरक्षा गार्ड को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। सभी को मेदिनीनगर शहर थाना लाया गया है। पुलिस हथियार लाइसेंस और बॉडीगार्ड का सत्यापन कर रही है।बताया जाता है कि समारोह के दौरान तरहसी थाना प्रभारी राजेश रंजन, लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, पांकी थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार और सदर थाना प्रभारी अफजल अंसारी पुलिस बल के साथ अचानक मौके पर पहुंचे। पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई को देखकर वहां मौजूद लोगों में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। कार्यक्रम में वरुण जायसवाल, मनोज सिंह चेरो, पूणार्डीह पंचायत की मुखिया गुड़ी देवी पप्पू यादव विशाल गिरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि राजू तिर्की को थाना लाया गया है। उसके पास से मिले लाइसेंसी हथियार का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। बॉडीगार्ड की भी जांच की जा रही है। शुरूआती जांच में बॉडीगार्ड उतर प्रदेश के निवासी पाए गए हैं। किनके आदेश पर उन्हें बॉडीगार्ड रखा गया है। उनकी गतिविधि क्या है। चरित्र कैसा है इसका सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजू तिर्की की गतिविधि की भी जांच की जा रही है।

ट्रेलर और बाइक में आमने-सामने टक्कर, बाइक सवार की मौके पर ही मौत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



छतरपुर। छतरपुर थाना अंतर्गत खेंद्रा के पास दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। ट्रेलर और बाइक में आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान हरिहरगंज निवासी संजय साव के पुत्र सूरज साव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुरेश शाह बाइक से जपला की ओर से आ रहे थे, तभी खेंद्रा के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से उनकी बाइक की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।घटना की सूचना मिलते ही छतरपुर प्रशासन मौके पर पहुंच गया और दोनों पीड़ित पक्ष और ग्रामीणों को समझाने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की है।वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रेलर चालक को पकड़कर छतरपुर प्रशासन को सौंप दिया गया है। वहीं कुछ देर तक जाम कर दिया था जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित रहा।हादसे के बाद छतरपुर से जपला की ओर जाने वाली गाड़ियों की लंबी कतार लग गई, वहीं जपला से छतरपुर आने वाली सड़क भी खेंद्रा के पास पूरी तरह से जाम हो गई। मृतक के परिजनों का कहना है कि हमें मुआवजा प्रदान किया जाए, मुआवजा मिलने के बाद ही हम लोग रोड खाली करेंगे।



रामगढ़। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी बुधवार की शाम नई सराय स्थित मदरसा रहमतिया बागे रसूल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे हमेशा झारखंड के विकास को लेकर सक्रिय रहते हैं। नके पिता और पूर्व मंत्री हाजी हुसैन अंसारी ने भी हमेशा राज्य की भलाई और तरक्की के लिए काम किया। उन्हीं के नक्शेकदम पर चलते हुए वह भी समाज और कौम की सेवा के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए कहा कि वह पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहते हैं। इससे पूर्व मदरसा रहमतिया बागे रसूल पहुंचने पर मदरसा कमेटी के सचिव ऐजाज अहमद और अध्यक्ष शेख अरशद ने मंत्री का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।मौके पर इदारा-ए-शरिया के नाजिम-ए-आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, शाहनवाज खान, मदरसा के मोहतमिम मौलाना सज्जाद बरकाती, हाफिज फैजान, कारी इलियास, मौलाना हबीब आलम, फारूक अंसारी, मोहम्मद कमाल, अंजार हुसैन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बीमार पिता से मिलने आ रही दो बेटियां और दामाद सडक दुर्घटना में घायल, सूचना मिलने पर मौत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



पलामू। जिले के सतबरवा प्रखंड के अनुसूचित जाति बहुल ठेमी गांव में बीमार पिता से मिलने आ रही दो बेटियां और दामाद निमार्णाधीन फोरलेन सड़क पर हादसे का शिकार हो गये। बाइक असंतुलित होकर गिरने से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के बाद घायलों के इलाज की समुचित व्यवस्था और सड़क निर्माण में सुरक्षा की कमी का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने बुधवार को ठेमा गांव के समीप पुल के पास करीब तीन घंटे तक सड़क जाम रखा। इसी दौरान बीमार पिता मुन्ना भुइयां की भी मौत हो गयी। इसके बाद परिजन और ग्रामीण शव को जाम स्थल पर ले आये और प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर सतबरवा के अंचल अधिकारी विजय कुमार और एनएचएआई के कई पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। सीओ ने घायलों का निजी अस्पताल में समुचित इलाज कराने का आश्वासन दिया। वहीं, मृतक के अंतिम संस्कार के लिए 10 हजार रुपये की सहायता राशि उपलब्ध करायी गयी। इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम हटा लिया। उल्लेखनीय है कि सोमवार को मुन्ना भुइयां की गंभीर बीमारी की सूचना मिलने पर लातेहार से उनकी दो बेटियां और दामाद एक ही बाइक पर सवार होकर ठेमी गांव आ रहे थे। इसी दौरान ठेमा गांव के समीप निमार्णाधीन फोरलेन पर अवरुद्ध सड़क के पास बाइक असंतुलित होकर गिर गयी। हादसे में बड़ी बेटी सुनैना देवी के सिर में चोट आयी और कंधे की हड्डी टूट गयी। छोटी बेटी रविता कुमारी के हाथ और मुंह में चोट लगी है। वहीं, दामाद जगदीश भुइयां भी सिर में चोट लगने से घायल हो गये। ग्रामीणों के अनुसार, परिवार बेहद गरीब है और मजदूरी कर जीवनयापन करता है। ऐसे में घायलों के इलाज के लिए उनके पास पर्याप्त पैसे नहीं हैं। सांसद प्रतिनिधि धीरज कुमार और अनिल सिंह ने आरोप लगाया कि फोरलेन निर्माण के दौरान सड़क अवरुद्ध करने वाले स्थानों पर सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग होनी चाहिए, लेकिन कई दिनों से सड़क पर गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया था। वहां अंधेरा रहने और निर्माण कार्य की समुचित जानकारी नहीं होने के कारण बाइक सवार हादसे का शिकार हो गये। उन्होंने कहा कि यदि निर्माण एजेंसी की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किये गये होते, तो हादसा टल सकता था। मौके पर मुनेश्वर यादव, विनय सिंह, सुषमा देवी, बसंती देवी, मनीता देवी, मनोज भुइयां और सकलदीप भुइयां सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

हत्याकांड का खुलासा, पत्नी और पुत्र गिरफ्तार



पलामू। जिले की पांकी पुलिस ने दूब गांव निवासी गुनी भुइयां (50) हत्याकांड का उदभेदन कर लिया है। हत्याकांड में शामिल पत्नी मनतोरवा देवी (47) और बड़े बेटे कैलू भुइयां (26) को गिरफ्तार किया है। हत्या में इस्तेमाल टांगी बरामद किया गया है।उल्लेखीय है कि 09 नवंबर की रात गुनी भुइयां की टांगी से वारकर हत्या कर दी गयी थी। उसका शव उसके घर से बरामद किया गया था। घटना के बाद से पत्नी फरार चल रही थी, जबकि बेटे पर संदेह व्यक्त किया गया था। पारिवारिक विवाद में हत्या की चर्चा थी।पुलिस ने घटना की 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपित की पत्नी और बेटे को गिरफ्तार किया। लेस्लीगंज के एसडीपीओ प्रशांत कुमार ने बुधवार को बताया कि गुनी शराब के नशे में अक्सर पत्नी से विवाद करता था। मारपीट करते रहता था। सोमवार की रात उसने शराब के नशे में कमरे में ही लघुशंका कर दी थी। इसे लेकर उसकी पत्नी के साथ विवाद हुआ था। गुनी उसके साथ मारपीट कर रहा था। इसी क्रम में बड़ा बेटा वहां पहुंचा और मां को अलग किया। ऐसे में पिता बड़े बेटे से उलझ गया और भला बुरा कहने लगा। बड़े बेटे कैला ने गुस्से में आकर टांगी से उसपर वार कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। पत्नी और बेटे को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी। दोनों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

धरती के भविष्य की निर्णायक घड़ी



स्मिता सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। कहीं भीषण गर्मी जनजीवन को बेहाल कर रही है, तो कहीं बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगलों की आग प्राकृतिक संतुलन को चुनौती दे रहे हैं। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं। मौसम का बदलता मिजाज अब केवल विज्ञानियों और पर्यावरणविदों की चिंता का विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता, खाद्य सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुका है। ऐसे समय में दुनिया की निगाहें तुर्किये के अंताल्या में हो रहे संयुक्त राष्ट्र के 31वें जलवायु परिवर्तन सम्मेलन यानी कॉप-31 (कांफ्रेंस आफ द पार्टीज) पर टिकी हैं। कॉप संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा कन्वेंशन के सदस्य देशों का वार्षिक सम्मेलन है, जिसकी शुरूआत 1995 में हुई थी। वर्ष 2015 में पेरिस में आयोजित कॉप-21 में ऐतिहासिक पेरिस समझौता हुआ था। इसके तहत देशों ने वैश्विक तापवृद्धि को औद्योगिक काल से पहले के स्तर की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे रखने और इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयास करने का संकल्प लिया था। इसके बाद हुए सम्मेलनों में जलवायु वित्त, कार्बन उत्सर्जन, स्वच्छ ऊर्जा, अनुकूलन और नुकसान एवं क्षति जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। हालांकि घोषणाओं और उनके क्रियान्वयन के बीच अब भी बड़ा अंतर है। कॉप-31 इस अंतर को कम करने का अवसर है।

औद्योगिक क्रांति के बाद बिजली उत्पादन, परिवहन, उद्योग और भवन निर्माण में कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से वायुमंडल में कार्बन डाइआक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ी है। ये गैसें पृथ्वी से निकलने वाली ऊष्मा को वायुमंडल में रोकती हैं, जिससे धरती का औसत तापमान बढ़ता है। इसे ही वैश्विक तापवृद्धि कहते हैं। यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कमी नहीं की गई, तो आने वाले दशकों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और गंभीर होंगे। दुनिया के सामने चुनौती है कि ऊर्जा की बढ़ती मांग पूरी करते हुए कार्बन उत्सर्जन कैसे कम किया जाए। इसके लिए सौर, पवन, जलविद्युत और भू-तापीय ऊर्जा जैसे स्वच्छ



विकल्पों को बढ़ावा देना होगा।

सौर ऊर्जा पार्क, रूफटाप सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा भंडारण तकनीक और हरित हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार बन सकते हैं। हालांकि स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव के लिए केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। इसके लिए निवेश, मजबूत बिजली ग्रिड, बैटरी भंडारण, कुशल मानव संसाधन और सस्ती तकनीक भी जरूरी है। भारत के लिए कॉप-31 का महत्व इसलिए है कि उसे विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना है। एक ओर देश को उद्योग, परिवहन, आवास और ऊर्जा की जरूरतें पूरी करनी हैं, दूसरी ओर कार्बन उत्सर्जन कम करना है। सम्मेलन में भारत के लिए यह अवसर होगा कि वह विकासशील देशों की चिंताओं को मजबूती के साथ सामने रखे और तकनीक हस्तांतरण एवं जलवायु वित्त की उपलब्धता पर वैश्विक सहयोग की मांग करे।

जलवायु परिवर्तन से निपटने में विज्ञान की भूमिका निर्णायक है। मौसम पूर्वानुमान, उपग्रह आधारित निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु माडलिंग और आपदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों से जोखिम कम किए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, अत्यधिक वर्षा या चक्रवात की आशंका का पहले पता चलने पर प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर जान-माल का नुकसान कम हो सकता है। इसी तरह कार्बन कैप्चर, ग्रीन हाइड्रोजन, उन्नत बैटरी और ऊर्जा दक्षता से जुड़ी तकनीकें उत्सर्जन घटाने में मददगार हो सकती हैं।

हालांकि इनका लाभ तभी मिलेगा जब ये सस्ती, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल हों। जलवायु परिवर्तन का असर तेजी से बढ़ते शहरों में भी दिखाई दे रहा है। कंक्रीट के बढ़ते निर्माण, घटते हरित क्षेत्र, वाहनों का धुआं और ऊर्जा की अधिक खपत शहरों का तापमान बढ़ा रहे हैं। इससे निपटने के लिए पौधारोपण, हरित क्षेत्र का विस्तार, तालाबों और जलाशयों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा दक्ष भवनों और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण एयर कंडीशनर की मांग बढ़ रही है, लेकिन पारंपरिक शीतलन उपकरण बिजली की खपत के साथ कुछ मामलों में शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी बढ़ाते हैं। इसलिए प्राकृतिक वेंटिलेशन, छतों पर हरियाली, ऊर्जा दक्ष उपकरणों और पर्यावरण अनुकूल शीतलन तकनीकों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई में जलवायु अनुकूल शहरों और टिकाऊ भवनों के विकास के साथ प्रकृति आधारित समाधानों को भी प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि वायु प्रदूषण का दायरा निरंतर बढ़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी केवल सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की नहीं, आम नागरिकों की भी है। बिजली-पानी की बचत, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, प्लास्टिक का कम इस्तेमाल, कचरे का पृथक्करण और पेड़-पौधों का संरक्षण जैसे कदम बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जरूरत से ज्यादा वस्तुओं का उपयोग, खाद्य पदार्थों की बबार्दी और ऊर्जा की अनावश्यक खपत भी पर्यावरण पर दबाव बढ़ाती है। इसलिए जलवायु अनुकूल जीवनशैली को सामाजिक आंदोलन बनाने की जरूरत है। धरती के पास संसाधन सीमित हैं, लेकिन मानव की आवश्यकताएं और आकांक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं। अब जरूरत इसकी है कि विकास का रास्ता प्रकृति के विनाश से होकर न गुजरे।

कॉप-31 के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि क्या दुनिया जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध अपने संकल्पों को ठोस कार्रवाई में बदल पाएगी? क्या विकसित देश पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी सहायता देंगे? क्या जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने के लिए ठोस कदम उठेंगे? क्या गरीब और संवेदनशील देशों को जलवायु आपदाओं से उबरने में पर्याप्त मदद मिलेगी? इन सवालों के जवाब ही सम्मेलन की सफलता तय करेंगे। यदि अंताल्या से निकलने वाला संदेश संकल्प से आगे बढ़कर कार्रवाई में बदलता है, तभी यह सम्मेलन धरती के भविष्य के लिए सार्थक साबित होगा।



मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन उसके लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। कार्यों में सफलता मिलने से नई ऊर्जा का अनुभव करेंगे। निवेश से बचना होगा। पारिवारिक संबंध मधुर होंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी से विवाद हो सकता है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के योग बनेंगे।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। लंबे समय से अटकी योजना पूरी हो सकती हैं। नौकरी के नए अवसर मिलने की संभावना रहेगी। कार्यभार अधिक होने से शारीरिक और मानसिक रूप से थकान महसूस करेंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में किसी से मनमुटाव हो सकता है। मित्रों की सलाह काम आएगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। यात्रा सुखद रहेगी। धर्म कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार की स्थिति यतावत रहेगी। कठिन परिश्रम से सभी कार्य सफल होंगे और मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा, अनावश्यक खर्च बढने से तनाव में रह सकते हैं। स्वास्थ्य की स्थिति कमजोर रहेगी। दाम्पत्य जीवन अच्छा रहेगा। धर्म-ध्यान में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक आयोजनों में शामिल हो सकते हैं। परिवार में बड़ों का स्नेह व विश्वास प्राप्त होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिल सकता है, लेकिन फैसले सोच-समझकर लेने होंगे। सौदे संभलकर करें, अन्यथा किसी बड़े नुकसान की भी संभावना रहेगी। मित्रों से अच्छे संबंध रहेंगे और परिवार में हर्ष-उल्लास का वातावरण रहेगा। नौकरीपेशा वर्ग में उत्साह बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। यात्रा पर जाने से बचें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना रहेगी। आकस्मिक धनलाभ के योग भी रहेंगे। आमदनी बढ़? से मानसिक सुख की प्राप्ति होगी और परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। घर में मांगलिक कार्य हो सकते हैं। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार लाभदायक रहेगा और नौकरी में तरक्की के साथ स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। लम्बे समय से प्रयासरत कार्यों में सफलता मिलेगी। आमदनी में वृद्धि से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारी पूर्ण नहीं होने से तनाव झेलना पड़ सकता है। खान-पान में सावधानी रखें। मित्रों से कार्यों में मदद मिलेगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

तुला राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आशानुरूप सफलता और फायदा मिलेगा। व्यापार में नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। सामाजिक कार्यों में भाग लेने से समाज में प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। अधिक परिश्रम से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान व अस्वस्थता महसूस करेंगे। छोटी मोटी यात्रा करना पड़ सकता है। परिवार के साथ समय बिताएंगे। दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। मेहनत के बेहतर परिणाम मिलेंगे। कारोबार में लाभकारी सौदे होंगे। व्यापारिक रुकावटें दूर होंगी। नए निवेश के अवसर मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। अनावश्य खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल सुखमय होगा। जीवनसाथी से सामंजस्य बना रहेगा। खान-पान का ध्यान रखें, स्वास्थ्य संबंधी परेशानी आ सकती है।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। संपर्कों के जरिए प्रगति के नए अवसर मिलेंगे, जिससे ऊर्जा व उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे। पैतृक संपत्ति से धनलाभ होने के योग रहेंगे। परिवार में मांगलिक कार्यों की योजना बनेगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। सेहत का ख्याल रखें। यात्रा लाभदायी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन आर्थिक रूप से लाभकारी रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की मिलने के योग रहेंगे। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। व्यक्तिगत स्वार्थ हावी हो सकता है। सेहत संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कारोबार के सिलसिले में यात्रा भी कर सकते हैं। परिवार में किसी से मनमुटाव की संभावना रहेगी।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। बेरोजगारों को रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों को थोड़ी अड़चनें आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में कार्यभार बढ़ेगा और खर्च की अधिकता से आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। सामाजिक कार्यों में मन लगेगा व समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी पूर्ण करेंगे। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन राशि :- आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। सफलता के कई अवसर हाथ आएंगे, लेकिन काम का बोझ बढ़? से कई मौके हाथ से फिसल भी सकते हैं। क्रोध की अधिकता रहेगी, इसलिए वाणी पर संयम रखकर वाद-विवाद से बच सकते हैं। सामाजिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। निवेश सोच समझकर करें।

ऋण के जाल में फंसे देशों से भारत के राज्यों को मिलती है सीख



विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर कई विकासशील एवं अविकसित देशों पर लगातार बढ़ रहे ऋण के दबाव के चलते इन देशों की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। इन देशों द्वारा अपने नागरिकों को लम्बे समय तक मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराना जारी रखा गया है एवं यहां की सरकारों द्वारा अपने आय के साधनों में पर्याप्त वृद्धि नहीं की गई है। नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को ऋण लेकर भी जारी रखना अब इन देशों के लिए आत्मघाती निर्णय साबित होता हुआ दिखाई दे रहा है, और आज यह देश दिवालिया होने के मुहाने पर खड़े हैं तथा इन्हें अपना सामान्य प्रशासन चलाने के लिए खर्च करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक आंकलन के अनुसार, अक्टूबर 2025 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद का 98.9 प्रतिशत सार्वजनिक ऋण बकाया है, जो वर्ष 2030 तक 102.3 प्रतिशत तक बढ़ जाने की सम्भावना है। विभिन्न देशों के सार्वजनिक ऋण, आय से अधिक खर्च करने की प्रवृति, अधिक ब्याज दर, आय में कम वृद्धि होना, आदि कारकों के चलते लगातार बढ़ता जा रहा है। विकासशील एवं अविकसित देश अपनी आय में वृद्धि नहीं कर पाते हैं परंतु, उन्हें अपने नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए खर्च लगातार बढ़ाते रहना होते हैं। इन्हीं कारणों के चलते श्रीलंका, अर्जेंटीना, सूडान, ग्रीस, मालदीव, सेनेगल, आदि देशों में तो आर्थिक आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी थी एवं विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थानों द्वारा इन देशों की मदद के लिए आगे आना पड़ा था, अन्यथा यह देश लगभग दिवालिया घोषित होने की स्थिति में पहुंच गए थे। वर्ष 2025 में विश्व के प्रथम 10 देशों में, जिनका ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत सबसे अधिक है, शामिल हैं- जापान (229.6 प्रतिशत), सूडान (221.5 प्रतिशत), सिंगापुर (175.6 प्रतिशत), ग्रीस (146.7 प्रतिशत), बहरीन (142.5 प्रतिशत), इटली (136.8 प्रतिशत), मालदीव (131.8 प्रतिशत), अमेरिका (125 प्रतिशत), सेनेगल (122.9 प्रतिशत) एवं फ्रान्स (116.5 प्रतिशत)।

ग्रीस, घाना, हैती, मोजांबीक, पाकिस्तान, जाम्बिया, फिलिपींस, श्रीलंका, कीन्या, अर्जेंटीना, आदि देशों द्वारा अधिक मात्रा में लिए गए ऋण के चलते इनकी वित्तीय स्थिति डावांडोल हो चुकी है। इन देशों द्वारा अपने खर्चों को व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया था एवं केवल जनता को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराना लम्बे समय तक जारी रखा गया था तथा साथ में आय बढ़ाने के साधनों पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इससे इन देशों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता रहा तथा मजबूरी में इन्हें अपने साधारण सरकारी कामकाज चलाने के लिए भी ऋण लेते रहना पड़ा है। वर्ष 2001 में युगांडा में वित्तीय संकट खड़ा हो गया था एवं उस समय पर युगांडा अपने सामान्य खर्चों को जारी रखने के स्थिति में भी नहीं था।

भारत में भी कुछ राज्य ह्रफ्रीबीह्व के नाम पर कुछ ऐसी योजनाएं चला रहे हैं जिनके अंतर्गत राज्य की जनता के बिजली एवं पानी के बिल समय समय पर माफ किये जा रहे हैं। किसानों, बुजुर्गों एवं मातृशक्ति के बैंक खातों में सीधे ही कुछ राशि प्रति माह जमा की रही है। जबकि, इन राज्यों की वित्तीय स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि इनके बजट इस अतिरिक्त खर्च को वहन कर सकें। कुछ राज्य तो आज मजबूरी में इन योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए बाजार से ऊंची ब्याज दर पर ऋण भी लेने लगे हैं। जिसका प्रभाव इन राज्यों की वित्तीय स्थिति पर विपरीत रूप से पड़ रहा है। यदि समय पर ये राज्य नहीं चेते एवं इन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं किया तो ये राज्य अपने भारी भरकम ऋणों पर ब्याज अदा करने में चूक करने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। जाहिर तौर पर जब राज्यों की आर्थिक स्थिति की चर्चा होती है तो इसका असर राज्यों के विकास और इन राज्यों में निवास कर रहे नागरिकों के जीवन पर भी पड़ता है। लोकलुभावन राजनीति इन राज्यों की वित्तीय स्थिति को बहुत बुरे तरीके से प्रभावित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन में भी राज्यों की वित्तीय स्थिति को लेकर कई गंभीर पहलु और सवाल खड़े किए गए हैं। विशेष रूप से पंजाब, केरल, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल आदि राज्य बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबे जा रहे हैं और इन राज्यों की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही के समय में पंजाब, केरल, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की वित्तीय सेहत बहुत बिगड़ी है। सभी राज्यों की वित्तीय सेहत का विस्तार से आकलन करने पर ध्यान में आता है कि कई राज्यों द्वारा अनियंत्रित रूप से चलाई जा रही मुफ्त योजनाओं, लोकलुभावन घोषणाओं, अत्यधिक सब्सिडी देने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली से इन राज्यों की वित्तीय सेहत बहुत बुरी तरह से बिगड़ रही है। राज्य, विशेष रूप से सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से, कई लोकलुभावन घोषणाएं करते हैं जैसे कि बिजली एवं पानी मुफ्त में उपलब्ध कराने का वादा, उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान करने का वादा आदि जिसका सीधा असर राज्य की माली हालत पर पड़ता है।

बदलाव का जरिया बन सकेगी रामलीला मैदान की रैली

सत्ता के खिलाफ विपक्षी दल जब भी रामलीला मैदान में रैली करते हैं, उनकी स्मृति में सात फरवरी 1977 की तारीख होती है। आपातकाल के बाद दिल्ली की उतरती ठंड के बीच जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में हुई रैली में ही सत्ता परिवर्तन के बीज पड़े थे। इसे संयोग ही कहेंगे कि करीब आधी सदी बाद इसी रामलीला मैदान में आयोजित रैली के किरदार बदले हुए थे। 1977 में जिस रैली के निशाने पर कांग्रेस थी, करीब पांच दशक बाद की रैली में कांग्रेस बदली हुई भूमिका में रही। इंदिरा के पोते राहुल गांधी की अगुआई में हुई ह्वोट बचाओ, देश बचाओह्व रैली में निशाने पर वह भारतीय जनता पार्टी रही, जो तब जेपी की अगुआई में इंदिरा के खिलाफ खड़ी थी। यह बताने की जरूरत नहीं कि इसके कुछ ही दिनों बाद हुए आम चुनावों में सर्वशक्तिमान मानी जाने वाली इंदिरा गांधी की सत्ता का शिराजा बिखर गया था। ऐसे में सवाल यह उठना लाजमी है कि क्या राहुल की अगुआई वाली रामलीला मैदान की रैली देश की सत्ता को बदलने में कामयाब हो पाएगी? सवाल यह भी है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से हटने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं। हालांकि सरकार को अपने कुछ कदम जरूर पीछे खींचने पड़े। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था, जब 19 अप्रैल 2015 को कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने 'किसान-खेत मजदूर' रैली आयोजित की थी। मोदी सरकार द्वारा लाए गए 'भूमि अधिग्रहण अध्यादेश' के विरोध में आयोजित इस रैली के बाद सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। कांग्रेस की ही अगुआई में विपक्षी दलों ने 14 दिसंबर 2019 को इसी रामलीला मैदान में 'भारत बचाओ' रैली की थी। जिसका मकसद, देश की आर्थिक स्थिति, गिरते जीडीपी, बेरोजगारी और नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरना रहा। इस रैली का असर यह हुआ कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देश के कई हिस्से महीनों तक आंदोलनरत रहे।

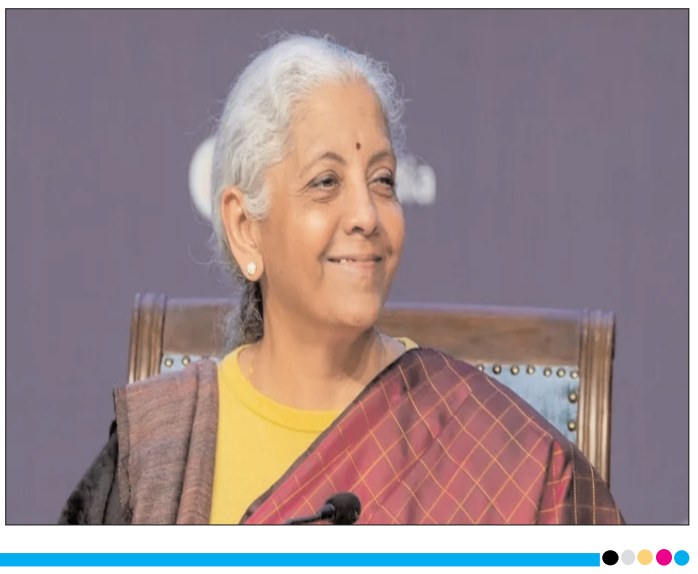
कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने रामलीला मैदान में चार सितंबर 2022 को 'महंगाई पर हल्ला बोल' रैली के जरिए मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। इस रैली में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने का विरोध किया गया। ह्वोट बचाओ, देश बचाओह्व रैली में राहुल गांधी के भाषण की खूब चर्चा है। कुछ इसी तरह इस रैली में भी राहुल गांधी ने जो कहा था, उसे लेकर कई दिनों तक चर्चा और विमर्श जारी रहा। पिछले आम चुनाव के ठीक पहले 31 मार्च 2024 को फिर कांग्रेस ने विपक्षी दलों की 'लोकतंत्र बचाओ' महारैली आयोजित की। इस रैली का मकसद शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भूमि घोटाले में झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का विरोध करना रहा। इस रैली मोदी सरकार के विरोध में गठित विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की ताकत दिखाना भी रहा। मोदी सरकार के गठन के बाद कांग्रेस की अगुआई में आयोजित हुई रामलीला मैदान की रैलियों के परिणामों पर नजर डालें तो देखेंगे कि 2024 की रैली के अलावा किसी दूसरी रैली का मोदी सरकार की सेहत पर खास असर नहीं दिखा।

आवश्यक है आर्थिक कर्तव्य पूरे करना, बजट में गिनाए गए तीन कर्तव्य

कर्तव्य संस्कृत भाषा का शब्द है। केवल ड्यूटी कह देने से इसका अर्थ हल्का पड़ जाता है। इसकी व्युत्पत्ति कृ और तव्य से मिलकर हुई है। कृ धातु का अर्थ है करना, कर्म में उतरना और तव्य अनिवार्यता को दशार्ता है। इस प्रकार कर्तव्य कोई नैतिक भावना या इच्छापूर्ण संकल्प नहीं, बल्कि परिस्थितियों, सीमाओं और अपरिहार्य समझौतों के बीच किया गया एक बौद्धिक दावा है कि क्या किया जाना अनिवार्य है। आदित्य सिन्हा। कर्तव्य संस्कृत भाषा का शब्द है। केवल ड्यूटी कह देने से इसका अर्थ हल्का पड़ जाता है। इसकी व्युत्पत्ति कृ और तव्य से मिलकर हुई है। कृ धातु का अर्थ है करना, कर्म में उतरना और तव्य अनिवार्यता को दशार्ता है। इस प्रकार कर्तव्य कोई नैतिक भावना या इच्छापूर्ण संकल्प नहीं, बल्कि परिस्थितियों, सीमाओं और अपरिहार्य समझौतों के बीच किया गया एक बौद्धिक दावा है कि क्या किया जाना अनिवार्य है। आज जब वैश्विक व्यवस्था अस्थिर है, अमेरिका में ट्रंप-युग की टैरिफ राजनीति व्यापार को हथियार बना रही है और भारत जटिल एवं असहयोगी पड़ोसियों से घिरा है, तब कर्तव्य का यह अर्थ और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

ऐसे भू-राजनीतिक तनावों में नीति की वैधता घोषणाओं से नहीं, बल्कि इस स्पष्टता से आती है कि राज्य किन अनिवार्य कार्यों को चुनता है और उन्हें करने का साहस दिखाता है। इस दृष्टि से केंद्रीय बजट 2026-27 महत्वपूर्ण है। इसमें तीन कर्तव्यों जैसे कि विकास को बनाए रखने, क्षमताओं और आकांक्षाओं का निर्माण करने तथा पहुंच और सहभागिता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह बजट को योजनाओं के संकलन से राज्य की कार्रवाई के सिद्धांत की ओर ले जाने का एक सुनियोजित प्रयास दशार्ता है। एक ऐसा सिद्धांत, जो पूछता है कि यदि 2047 तक विकसित भारत की महत्वाकांक्षा को विश्वसनीय बनाए रखना है, तो सरकार को आज क्या करना चाहिए?

पहला कर्तव्य विकास को तेज करना और उसे बनाए रखना इसी यथार्थवाद को प्रतिबिंबित करता है। यहां विकास को किसी ऐसे वैरिएबल के रूप में नहीं देखा गया है जिसे केवल प्रोत्साहन देकर बढ़ाया जाए, बल्कि उसे प्रतिस्पर्धात्मकता, लचीलापन और घरेलू क्षमताओं के परिणाम के रूप में परिभाषित किया गया है। जैव-फार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स, रेयर अर्थ, रसायन, पूंजीगत वस्तुएं, वस्त्र और खेल उपकरणों तक फैली औद्योगिक रणनीति उस टैरिफ युक्त वैश्विक व्यवस्था के प्रति प्रतिक्रिया का संकेत देती है, जहां उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र का स्वामित्व निर्णायक बन चुका है। इसके लिए पांच वर्षों में बायोफार्मा शक्ति के लिए रु10,000 करोड़ रुपये एवं इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स सहायता का विस्तार करने के लिए रु40,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। चार राज्यों में रेयर अर्थ कारिडोर बनाने और रु10,000 करोड़ रुपये का कंटेनर विनिर्माण कार्यक्रम शुरू करने की बात कही गई है। साझा बुनियादी ढांचे और जोखिम आवंटन पर जोर देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि फर्म-विशिष्ट प्रोत्साहनों पर। यहां कौशल को कल्याणकारी सहायता के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादक क्षमता के रूप में परिभाषित किया गया है।



जमीन विवाद में ताबड़तोड़ फायरिंग, एक ही परिवार के तीन लोगों को लगी गोली; वाराणसी रेफर

एजेंसी

पटना। बिहार के बक्सर जिले के इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बैरी गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान हुई फायरिंग में एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी रेफर किया गया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। बिहार के बक्सर में मंगलवार शाम जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बैरी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। इसी दौरान एक पक्ष की ओर से ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। गोलीबारी में एक ही परिवार के तीन लोगों को गोली



लग गई। किसी के पेट में तो किसी के कमर और पैर में गोली लगी है। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तीनों घायलों को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया। गाय को चारा खिलाने जा रहे युवक पर पहले चलाई गोली जानकारी के अनुसार, बैरी गांव में पाटीदारों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। मंगलवार को इसी रंजिश में दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। बताया जाता है कि राजा तिवारी के पुत्र पवन तिवारी (45) गाय को चारा खिलाने जा रहे थे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के जयप्रकाश तिवारी, मनीष तिवारी, चुन्नू तिवारी, श्रीमन नारायण तिवारी और श्याम नारायण तिवारी समेत करीब 10 लोगों ने कथित तौर पर उन पर फायरिंग कर दी। एक गोली पवन की कमर में लगी। बचाने पहुंचे चचेरे भाई और दूसरे भाई को भी लगी गोली गोली चलने की आवाज सुनकर पवन के चचेरे भाई बृजनंदन तिवारी (30), पिता जगदीश तिवारी, मौके पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने उन पर भी गोली चला दी, जो उनके पैर में लगी। इसी बीच राजा तिवारी के दूसरे पुत्र बुल्लू उर्फ बिल्लू तिवारी (50) भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्हें पेट में गोली लग गई। देखते ही देखते तीनों घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। तीनों को वाराणसी किया गया रेफर परिजन तीनों घायलों को आनन-फानन में बक्सर सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सक डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि तीनों को गोली लगने से चोटें आई थीं। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस की छापेमारी, आरोपियों की तलाश तेज घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ गौरव पांडेय, नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह और मुफस्सिल थानाध्यक्ष समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। एसडीपीओ गौरव पांडेय ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पहले से भूमि विवाद चला आ रहा था। मंगलवार को एक पक्ष की ओर से फायरिंग की गई, जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों से पूछताछ की गई है और उन्होंने कुछ लोगों के नाम बताए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

बिहार में आज भाई दूज और चित्रगुप्त पूजा पर क्या संयोग बन रहा? जानिए पूजा की मान्यता और शुभ मुहूर्त के बारे में

एजेंसी

पटना। भाई-बहन के रिश्ते से जुड़े इन त्योहारों में कुछ ऐसी परंपराएं निभाई जाती हैं, जिनके बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। कहीं भाई की सलामती के लिए अनोखी रस्म निभाई जाती है, तो कहीं कलम और दवात की पूजा का विशेष महत्व है। बिहार में भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व भाई दूज बुधवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर बहनें अपने भाइयों की सुख-समृद्धि, अच्छी सेहत और लंबी उम्र की कामना करेंगी। पूजा-अर्चना और पारंपरिक विधियों के बाद भाई के माथे पर तिलक लगाकर उनकी मंगलकामना की जाएगी। इसके बदले भाई भी बहनों की रक्षा, सम्मान और साथ निभाने का संकल्प लेंगे। वहीं, कायस्थ समाज के लोग आज भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना करेंगे। चित्रगुप्त पूजा में कलम-दवात की आराधना, 11 नवंबर को होगी पूजा चित्रगुप्त पूजा कायस्थ समाज के लिए बेहद खास पर्व है। इस दिन भगवान चित्रगुप्त की पूजा की जाती है, जिन्हें मनुष्य के कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाला देवता माना जाता है। इस पूजा में कलम, दवात, कॉपी और बही-खातों का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि भगवान चित्रगुप्त की आराधना से ज्ञान, बुद्धि और अच्छे कर्मों का आशीर्वाद मिलता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर से शुरू होकर 11 नवंबर को दोपहर 3:30 बजे तक रहेगी। वहीं, चित्रगुप्त मंदिर के पुजारी प्रमोद पंडित का कहना है कि बिहार में कायस्थ समाज के लोग इस बार 11 नवंबर को चित्रगुप्त पूजा करेंगे। उनका मानना है कि उदया तिथि और पूजा की परंपरा के अनुसार इस दिन आराधना करना शुभ रहेगा। पूजा में कलम और दवात का खास महत्व है। भगवान चित्रगुप्त को कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाला देवता माना जाता है। इसलिए इस दिन लोग अपनी कलम और लेखन सामग्री की पूजा करते हैं। धार्मिक ग्रंथों और पुराणों में भी भगवान चित्रगुप्त की महिमा का उल्लेख मिलता है। यह पूजा सिर्फ एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि ज्ञान, लेखन और अपने कर्मों के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी देती है। शुभ योगों में मनाया जा रहा भाई दूज का पर्व ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा के अनुसार, इस बार भाई दूज पर अनुराधा और ज्येष्ठा नक्षत्र का संयोग बन रहा है।

गैस सिलेंडर लीक होने से तीन दुकानों में लगी आग, तीन लाख से अधिक का नुकसान; टला बड़ा हादसा

एजेंसी

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर के नगर थाना क्षेत्र स्थित व्यस्त कल्याणी चौक पर गैस सिलेंडर की पाइप लीक होने से एक दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने आसपास की दो अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में तीन दुकानें जलकर खाक हो गईं और तीन लाख रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ। बिहार के मुजफ्फरपुर में नगर थाना क्षेत्र के अति व्यस्त कल्याणी चौक पर बुधवार को गैस सिलेंडर लीक होने से एक दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने आसपास की दो अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में तीन दुकानें जलकर खाक हो गईं और तीन लाख रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि हादसे में कोई व्यक्ति झुलसा नहीं। स्थानीय लोगों की सूझबूझ और अग्निशमन विभाग की तत्परता से आग



पर काबू पा लिया गया। चाय बनाने के लिए गर्म किया जा रहा था दूध, पाइप में लगी आग पीड़ित दुकानदार ने बताया कि दुकान में चाय बनाने के लिए दूध गर्म किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर की पाइप में आग लग गई। आग फैलते देख दुकानदार ने सिलेंडर को दुकान से बाहर फेंक दिया। उनका कहना है कि अगर समय रहते सिलेंडर को बाहर नहीं निकाला जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। तीन दुकानें जलकर खाक, तीन लाख से अधिक का नुकसान आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास की तीन दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। जब तक स्थानीय लोग कुछ समझ पाते, तब तक दुकानों में रखा सामान जलकर खाक हो चुका था। पीड़ित दुकानदारों के अनुसार, आग से तीन लाख रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि गैस सिलेंडर में विस्फोट हो जाता तो हादसा और भी भयावह हो सकता था। लोगों की सूझबूझ से सिलेंडर को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मौके पर पहुंचे अग्निशमन विभाग के फायरमैन अनिल कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि दुकान में गैस सिलेंडर लीक होने के कारण आग लग गई है। जानकारी मिलते ही अग्निशमन विभाग की एक बड़ी और एक छोटी एमटी गाड़ी मौके पर भेजी गई। टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि आग लगने की वजह गैस सिलेंडर से रिसाव होना था। घटना में दुकानों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई व्यक्ति झुलसा नहीं है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नीतीश कुमार पर कांग्रेस की टिप्पणी के बाद संजय झा का पलटवार, बोले- ऐसी ओछी बात नहीं करनी चाहिए

एजेंसी

पटना। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों ओछी बातें नहीं करनी चाहिए। इतना ही नहीं उन्होंने विपक्षी गठबंधन बनाने में नीतीश कुमार की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी नींव उनके प्रयासों से तैयार हुई थी। जनता दल यूनाईटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने नीतीश कुमार को लेकर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का 50 साल का सार्वजनिक जीवन रहा है। कांग्रेस के शासनकाल में लगाए गए आपातकाल के दौरान वह दो साल जेल में भी रहे थे। इसके बावजूद उनके बारे में इस तरह की ओछी और हल्की टिप्पणी करना दुखद है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को ऐसी बातें नहीं करनी चाहिए। संजय झा ने कहा कि बिहार में आज जो बड़ा बदलाव देखने को मिला है, वह नीतीश कुमार की देन है। विपक्षी दलों को एकजुट



करने में नीतीश कुमार की भूमिका संजय झा ने विपक्षी दलों को एकजुट करने में नीतीश कुमार की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि जब वह अलग-अलग दलों के नेताओं से मिल रहे थे, तब कई नेताओं ने कांग्रेस को गठबंधन से बाहर रखकर मोर्चा बनाने की सलाह दी थी। हालांकि, कुछ नेता कांग्रेस को साथ रखने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह ने भी कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी बैठक में कथित तौर पर कहा था कि 2024 में नीतीश कुमार को रोकना चाहिए था, तभी यह परिस्थिति नहीं बनती। इसके लिए वह बंगाल, दिल्ली, लखनऊ और भुवनेश्वर तक गए थे। उन्होंने गठबंधन को लेकर कांग्रेस के रवैये पर भी सवाल उठाए। संजय झा ने दोहराया कि नीतीश कुमार जैसे वरिष्ठ नेता के बारे में इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। बता दें कि सोनिया गांधी की किताब की किताब में नीतीश कुमार को लेकर टिप्पणी की गई थी। इतना ही नहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने प्रेस वार्ता कर नीतीश कुमार को राजनीति का गिरगिट तक कह दिया था।

एनएच-27 पर बाइक सवार चार दोस्तों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, तीन की मौत; एक घायल

एजेंसी

दरभंगा बिहार के दरभंगा में मब्बी थाना क्षेत्र के NH-27 पर शिवधारा बाजार समिति चौक के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार चार दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में मो. फारिश, मो. इफ्तेखार और मो. अल्ताफ नियाज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा युवक घायल हो गया। बिहार के दरभंगा में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर भीषण सड़क हादसा हो गया। मब्बी थाना क्षेत्र के शिवधारा बाजार समिति चौक के पास एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार चार दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद निकले थे घूमने मृतकों की पहचान लहेरियासराय थाना क्षेत्र के बाकरगंज स्थित मोमिन टोला निवासी मो. फारिश, मो. इफ्तेखार और मो. अल्ताफ नियाज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि चारों दोस्त बीती रात बाकरगंज मस्जिद में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसके बाद अहले सुबह सभी घूमने के लिए निकले थे। इसी दौरान चारों एक ही बाइक पर सवार होकर एनएच-27 की ओर जा रहे थे। शिवधारा बाजार समिति चौक के पास हुआ



हादसा बताया जा रहा है कि शिवधारा बाजार समिति चौक के पास किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा दोस्त घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही मब्बी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जबकि तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है। मब्बी थानाध्यक्ष अज्ञात वाहन की पहचान करने में जुटे हैं। इसके लिए घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस फरार वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है। फिलहाल हादसे में शामिल वाहन की पहचान नहीं हो सकी है।

कहीं गूंजे पारंपरिक गीत तो कहीं हुई पूजा, भाइयों की सलामती के लिए बहनों ने रखा व्रत

एजेंसी

पटना। दीपावली के बाद बुधवार को भाई दूज यानी यम द्वितीया का पर्व शहर से लेकर गांव तक धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और तरक्की की कामना के लिए व्रत रखा। दीपावली के बाद मनाए जाने वाले भाई दूज पर्व की शहर से लेकर गांव तक धूम है। बुधवार को बहनों ने अपने भाइयों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रखा और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गोबर से पर्वत बनाकर पूजन किया और लोकगीत गाकर पर्व मनाया। पूजा संपन्न होने के बाद



बहनों ने भाइयों को बजरी खिलाई और उनके माथे पर तिलक लगाकर सुखी जीवन की कामना की। यम और यमुना से जुड़ा है भाई दूज का पर्व भाई दूज को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम और अटूट रिश्ते का प्रतीक है। मान्यता है कि इस दिन बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। पर्व का संबंध यमराज और उनकी बहन यमुना से भी माना जाता है। इसी पारंपरिक मान्यता के अनुसार आज भी बहनें पूरे विधि-विधान से पूजा कर इस पर्व को मनाती हैं। गोबर से पर्वत बनाकर किया पूजन, भाइयों को खिलाई बजरी पर्व मना रहीं एक महिला व्रती ने बताया कि उन्हें इस दिन का पूरे साल इंतजार रहता है। परिवार के सभी लोग मिलकर इस त्योहार को मनाते हैं। अलग-अलग पूजन सामग्री के साथ पूजा की जाती है। बहनें व्रत रखकर गोबर से पर्वत बनाती हैं और पारंपरिक विधि से पूजन करती हैं। पूजा की सभी रस्में पूरी होने के बाद भाइयों को बजरी खिलाई जाती है और उनके माथे पर तिलक लगाया जाता है। इसके साथ ही भाई दूज का पर्व संपन्न होता है। वहीं, एक अन्य महिला व्रती ने बताया कि आज गोवर्धन पूजा के बाद पूरा समाज एक साथ मिलकर भाई दूज का पर्व मना रहा है। इसमें बड़े-बुजुर्गों से लेकर बच्चे, पुरुष और महिलाएं तक शामिल होते हैं। इस दिन पूजा-पाठ और व्रत करने के पीछे भाई की तरक्की, सुख-शांति, खुशहाली और लंबी उम्र की कामना का भाव है। महिलाओं ने बताया कि भाई दूज की पूजा में एक पारंपरिक रस्म के तहत बहनें अपने भाइयों को प्रतीकात्मक रूप से शाप भी देती हैं। इसके बाद अलग-अलग रीति-रिवाजों का पालन करते हुए उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं। तिलक लगाने और बजरी खिलाने के साथ पूजा की परंपराएं पूरी होती हैं। शहर से लेकर गांव तक महिलाएं पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ इस पर्व को मना रही हैं।

संक्षिप्त डायरी

नालंदा में रेलवे ट्रैक किनारे मिला मजदूर का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

एजेंसी

पटना। नालंदा के बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड पर तुंगी हाल्ट के पास मंगलवार देर शाम एक युवक का शव मिला। मृतक की पहचान मानपुर थाना क्षेत्र के अलौदिया सराय निवासी 32 वर्षीय अजीत कुमार उर्फ कारू पासवान के रूप में हुई है। पुलिस इसे प्रथम दृष्टया ट्रेन से गिरने का मामला मान रही है, जबकि परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। बिहार के नालंदा में रेलवे ट्रैक किनारे युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मंगलवार देर शाम तुंगी हाल्ट के पास मिले शव की पहचान 32 वर्षीय मजदूर अजीत कुमार उर्फ कारू पासवान के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और एफएसएल की टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। वहीं, परिजनों ने इसे ट्रेन हादसा मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। तुंगी हाल्ट के पास मिला युवक का शव घटना बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड पर स्थित तुंगी हाल्ट के पास की है। मृतक मानपुर थाना क्षेत्र के अलौदिया सराय गांव का रहने वाला था। वह स्वर्गीय नरेश पासवान का 32 वर्षीय पुत्र था और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। शव मिलने की सूचना पर सबसे पहले डायल 112 की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद दीपनगर थाने की पुलिस और साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू की। मोबाइल फोन से हुई मृतक की पहचान मृतक के पास मिले मोबाइल फोन के जरिए पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया। सूचना मिलते ही परिवार के लोग रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे। अजीत अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और एक बेटी को छोड़ गया है। वह चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसके तीन भाइयों और पिता का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार में उसकी मौत से दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने ट्रेन हादसे की आशंका नकारी मृतक के चचेरे भाई और राजगीर विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज के प्रत्याशी सतेंद्र पासवान ने घटना को दुर्घटना मानने से इनकार किया है। उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि अजीत का किसी से कोई विवाद नहीं था। उनका दावा है कि शव की स्थिति देखकर यह सामान्य ट्रेन हादसा नहीं लगता। उनके अनुसार, ट्रेन की टक्कर होने पर शरीर पर घिसटने या गंभीर चोट के निशान होने चाहिए थे, जबकि अजीत के सिर पर गहरी चोट थी। उन्होंने यह भी बताया कि मृतक का सामान रेलवे ट्रैक से दूर-दूर बिखरा मिला। परिजनों ने इन्हीं परिस्थितियों के आधार पर मामले की गहन जांच की मांग की है। पुलिस को ट्रेन से गिरने का शक, एफएसएल ने जुटाए साक्ष्य दीपनगर थाने के अपर थानाध्यक्ष विमलेश कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला चलती ट्रेन से उतरने के दौरान संतुलन बिगड़ने और गिरने से सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मौत का प्रतीत होता है। हालांकि, पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों की ओर से आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल युवक की मौत की असल वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

छठ से पहले सारण में पसरा मातम, गंगा में डूबने से दो मासूम चचेरे भाइयों की मौत

एजेंसी

पटना। बिहार के सारण जिले के शेखडुमरी गांव में छठ पर्व से पहले दर्दनाक हादसा हो गया। गंगा नदी में स्नान करने गए 12 और 10 साल के दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। दोनों को गंभीर हालत में पटना के पीएमसीएच ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों के बीच सारण के शेखडुमरी गांव में मातम पसर गया। गंगा नदी में स्नान करने गए दो मासूम चचेरे भाइयों की डूबने से जान चली गई। दोनों की उम्र महज 12 और 10 वर्ष थी। हादसे की खबर मिलते ही परिवारों में कोहराम मच गया। जिन घरों में छठ पर्व को लेकर खुशियां मनाने की तैयारी चल रही थी, वहां अब अपनों को खोने का गम है। गंगा में स्नान के दौरान हुआ हादसा यह दर्दनाक घटना सोनपुर अनुमंडल के नयागांव थाना क्षेत्र स्थित शेखडुमरी गंगा घाट पर मंगलवार देर शाम हुई। मृत बच्चों की पहचान सरोज कुमार राम के 12 वर्षीय पुत्र सुधांशु कुमार और उनके भाई सत्येंद्र कुमार राम के 10 वर्षीय पुत्र सन्नी कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव के चार बच्चे एक साथ गंगा नदी में स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान नदी में उतरते समय तीन बच्चों का पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए। बच्चों को डूबता देख घाट पर मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल उन्हें बचाने की कोशिश शुरू की। एक बच्चे को बचाया, दो भाइयों की नहीं बच सकी जान स्थानीय लोगों की मदद से एक बच्चे को सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया गया, लेकिन सुधांशु और सन्नी का कुछ पता नहीं चल सका। काफी देर तक तलाश करने के बाद दोनों को नदी से बाहर निकाला गया। इसके बाद परिजन और ग्रामीण उन्हें लेकर सोनपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। दोनों बच्चों की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें पटना स्थित पीएमसीएच रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर पटना पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। छठ की तैयारियों के बीच परिवारों में कोहराम हादसे की खबर गांव पहुंचते ही दोनों परिवारों में चीख-पुकार मच गई। छठ पूजा को लेकर घरों में चल रही तैयारियां अचानक थम गईं। जिन बच्चों के साथ परिवार पर्व की खुशियां बांटने की उम्मीद कर रहा था, उनके असमय चले जाने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।मां-बाप और परिवार के अन्य सदस्यों का दुख देखकर गांव के लोग भी भावुक हैं। घटना के बाद से शेखडुमरी में शोक का माहौल है। ग्रामीण लगातार पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर उन्हें सांत्वना दे रहे हैं। थानाध्यक्ष ने बताई हादसे की वजह नयागांव थानाध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि गंगा नदी में स्नान करने के दौरान पैर फिसलने से दोनों बच्चे गहरे पानी में चले गए थे। डूबने के कारण उनकी मौत हो गई। छठ महापर्व से ठीक पहले हुए इस हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। दो मासूमों की मौत से उनके परिवारों की पर्व की खुशियां मातम में बदल गई हैं।

चित्रगुप्त पूजा और भैया दूज को लेकर क्या चल रहा, सीएम सम्राट और नितिन नवीन कहां जाएंगे

एजेंसी

पटना। पटना में आज कई ऐसी हलचल देखने को मिलेगी, जिन पर राजनीतिक गलियारे से लेकर आम लोगों तक की नजर रहेगी। सीएम सम्राट चौधरी एक समारोह में शामिल होंगे। कुछ ऐसे कार्यक्रम भी हैं, जिनकी तैयारियां काफी समय से चल रही हैं। दिनभर की इन गतिविधियों के बीच एक खास मुलाकात भी चर्चा में रहने वाली है। पटना में आज का दिन राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिहाज से अहम रहने वाला है। आज भैया दूज और चित्रगुप्त पूजा है। सरकारी दफ्तरों में आज छुट्टी है इसलिए सरकार कामकाज आज नहीं होगा। वहीं छठ महापर्व को लेकर तैयारियां भी चल रही है। सियासी गलियारे में आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अपनी बिहार भाजपा की टीम के साथ बड़ी बैठक करेंगे। सीएम सम्राट चौधरी के साथ वह भी चित्रगुप्त पूजा के मौके पर समारोह में शामिल होने ठाकुरबाड़ी जाएंगे। इसके अलावा मोकामा के विधायक अनंत सिंह आज अपने गांव नदवां जाएंगे। जानिए, आज की प्रमुख गतिविधियां... 1. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज चित्रगुप्त पूजा को लेकर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के गर्दनीबाग के ठाकुरबाड़ी जाएंगे। अब तक मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार यहां आते थे। पहली बार मुख्यमंत्री के तौर पर सीएम सम्राट चौधरी यहां आएंगे। उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहेंगे। इनके अलावा कई मंत्री, विधायक, बड़े अधिकारी भी इस समारोह में शामिल होने के लिए आएंगे। इसको लेकर ठाकुरबाड़ी में सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। 2. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के बिहार दौरे का दूसरा दिन है। 21 नवंबर को होने वाली पीएम नरेंद्र मोदी की जनसभा को लेकर भी आज बैठक करेंगे। इसके बाद अलावा संगठन की गतिविधियों और आगामी रणनीतियों को लेकर भी बैठक करेंगे।

होम लोन,पर्सनल लोन और अन्य प्रकार के ऋण अब हो जाएंगे महंगे

एचडीएफसी बैंक ने की एमसीएलआर की दरें बढ़ाने की घोषणा

नई दिल्ली।

एचडीएफसी बैंक ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट में बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे बैंक से जुड़े होम लोन, पर्सनल लोन और अन्य प्रकार के ऋण अब महंगे हो जाएंगे। यह वृद्धि 7 नवंबर से प्रभावी हो चुकी है। बैंक ने अलग-अलग अवधियों के लिए एमसीएलआर में 5 से 15 बेसिस प्वाइंट तक की बढ़ोतरी की है। इस बदलाव के बाद, एचडीएफसी बैंक की नई एमसीएलआर दरें अब 7.85फीसदी से बढ़कर 8.70फीसदी के दायरे में आ गई हैं, जो पहले 7.75फीसदी से 8.55फीसदी के बीच थीं। उदाहरण के लिए ओवरनाइट दर में 5 बीपीएस की वृद्धि हुई है, जबकि 1 साल, 2 साल और 3 साल की अवधि के लिए दरें 15 बीपीएस तक बढ़ी हैं। एमसीएलआर वह न्यूनतम ब्याज दर होती है जिससे कम पर कोई भी बैंक किसी ग्राहक को ऋण नहीं दे सकता। यह बैंकों के लिए ऋण देने की एक आधार दर होती है। यदि आपका होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन एमसीएलआर से जुड़ा है, तो इसका सीधा असर ईएमआई पर पड़ता है। हालांकि फ्लोटिंग रेट वाले एमसीएलआर ऋणों में ब्याज दर रीसेट तारीख तय होती है, इसलिए आपकी अगली रीसेट तारीख आने पर ही आपकी ईएमआई बढ़ेगी। यदि आपका ऋण सीधे भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट से जुड़ा है, तो इस एमसीएलआर बढ़ोतरी का आप पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एमसीएलआर पूरी तरह से बैंक के आंतरिक खर्चों पर आधारित होता है। अगर बैंक को फंड जुटाने की लागत बढ़ती है, तो वह इसकी भरपाई के लिए एमसीएलआर बढ़ा सकता है। वहीं, रेपो रेट वह दर होती है जिस पर आरबीआई देश के अन्य बैंकों को कर्ज देता है, और यह देश की मौद्रिक नीति का हिस्सा होता है।

तेल कंपनियों ने गैस सिलेंडर की कीमतों में नहीं की बढ़ोतरी, उपभोक्ताओं को राहत

नई दिल्ली।

देश में सरकारी तेल कंपनियां ने बुधवार को गैस सिलेंडर की नई कीमतें जारी कर दी हैं। उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वे जून से स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में बुधवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपए पर बनी हुई है। वहीं, कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 1 नवंबर को 10 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी, जिसके बाद यह 2,820 रुपए प्रति सिलेंडर पर है। इसके अलावा, 5 किलोग्राम वाले छोटू सिलेंडर की कीमत 349 रुपए है। मुंबई में घरेलू सिलेंडर 941.50 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,774.50 रुपए में मिल रहा है, जबकि कोलकाता में घरेलू सिलेंडर 968 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,964 रुपए का है। रिपोर्ट के मुताबिक तेल कंपनियों द्वारा घरेलू गैस की कीमतों को स्थिर रखने के फैसले से आम उपभोक्ताओं को राहत मिली है। हालांकि लगातार तीन महीने से कमर्शियल गैस की बढ़ती कीमतें कारोबारी खर्चों पर असर डाल रही हैं। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों की समीक्षा करती हैं। इस समीक्षा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों के साथ-साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की विनिमय दर जैसे अहम कारकों को ध्यान में रखा जाता है। चूंकि भारत अपनी एलपीजी की जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए वैश्विक बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ता है।

ट्रायम्फ की नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित

नई दिल्ली ।

ट्रायम्फ ने ईआईसीएमए 2026 में अपनी नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित की। इस मोटरसाइकिल की प्रदर्शन क्षमता और इंजन की प्रतिक्रिया बेहतर होने की उम्मीद है। इस मॉडल में 798 सीसी का नया तीन-सिलेंडर इंजन दिया जाएगा। कंपनी ने इस इंजन को अपने मोटो2 रेसिंग कार्यक्रम के अनुभव के आधार पर विकसित किया है।

स्ट्रीट ट्रिपल श्रृंखला अपनी स्पोर्टी बनावट और तेज रफ्तार के लिए जानी जाती है। नया मॉडल इसी पहचान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 में इंजन के अलावा फ्रेम में भी बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने नया फ्रेम विकसित किया है, जिसका उद्देश्य मोटरसाइकिल की मजबूती और हैंडलिंग को बेहतर बनाना है। इसके साथ डबल-साइडेड स्विंगआर्म दिया गया है। बाइक में अंडरबेली एग्जॉस्ट भी मिलता है, जो इसके डिजाइन को आधुनिक और स्पोर्टी रूप देता है। इन बदलावों से मोटरसाइकिल के संतुलन और नियंत्रण में सुधार की उम्मीद है। 798 सीसी का तीन-सिलेंडर इंजन इस मॉडल की सबसे अहम विशेषता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 772, निफ्टी 210 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 772.75 अंक उछलकर 81,879.40 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 210.40 अंक बढ़कर 25,255.05 पर बंद हुआ। आज बाजार में हर ओर तेजी रही, बैंकिंग शेयरों में सबसे अधिक बढ़त रही। सत्र में निफ्टी बैंक मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक में और निफ्टी प्राइवेट बैंक में भी बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो , निफ्टी कंजप्शन , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग , निफ्टी एनर्जी , निफ्टी और निफ्टी मेटल के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर निफ्टी आईटी , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर गिरे हैं। आज लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 496.55 अंक बढकर 519.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 304.30 अंक उछलकर मजबूती के साथ 19,489.35 पर बंद हुा था। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, इंडिगो, ट्रेंट, टाटा स्टील, बीएसई, पावर ग्रिड, आईटीसी, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एसबीआई, भारती



एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एनटीपीसी, इटरनल, सम फार्मा, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 1,142.03 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,248.68 पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 293.15 अंक उछलकर 25,337.80 पर आ गया।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली।

सोने और चांदी दोनों की कीमतों में बुधवार को तेजी आई। इसी कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर 2026 के वायदा अनुबंध में सोने का भाव 1,41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी की कीमतों में भी तेजी आईई। यह तेजी एक दिन पहले दर्ज की गई गिरावट के विपरीत है, और बाजार में नई हलचल पैदा कर रही है। आज एमसीएक्स पर, सोने के वायदा अनुबंध में 860 रुपये की जोरदार तेजी आई, जिससे इसका भाव 41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसी तरह, चांदी ने भी निवेशकों को आकर्षित किया, जहां एक किलो चांदी का भाव 3,780 रुपये बढ़कर 1,86,356 रुपये पर पहुंच गया। यह वृद्धि घरेलू बाजार में कीमती धातुओं के प्रति मजबूत रुझान को दिखाती है, खासकर वायदा कारोबार में।

दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी बरकारार है। वैश्विक स्तर पर, सोना 21.30 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4,051.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 1.105 डॉलर की तेजी के साथ 52.33 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वैश्विक स्तर पर बढ़ती कीमतें अक्सर घरेलू बाजार पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। इसके विपरीत राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को सोने का भाव 500 रुपये फिसलकर 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया था। सोमवार को 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस गिरावट ने बाजार में थोड़ी चिंता पैदा की थी, जबकि चांदी की कीमत लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में 1,92,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही थी।

व्हर्लपूल ने अपने घरेलू उपकरणों की कीमतों में की 5 फीसदी की बढ़ोतरी

फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन और अन्य उपकरण खरीदने चुकाने होंगे ज्यादा पैसे

नई दिल्ली।

यदि आप अपने घर के लिए नए घरेलू उपकरण खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपको ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। प्रमुख घरेलू उपकरण निर्माता कंपनी व्हर्लपूल ने अपने सभी उत्पादों की कीमतों में 5 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा की है, जो 1 नवंबर, 2026 से लागू हो चुकी हैं। कंपनी ने इस वृद्धि के पीछे कई प्रमुख कारण बताए हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भू-राजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जिसने कच्चे माल की लागत बढ़ा दी है। इसके अलावा, कमोडिटी की महंगाई, भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट और बढ़ती उत्पादन लागत ने भी कंपनी के मार्जिन पर दबाव डाला है।

व्हर्लपूल ने बताया कि रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर से जुड़े नए ऊर्जा नियमों के कारण भी खर्च में वृद्धि हुई है, साथ ही लक्जरी प्रोडक्ट रेंज की लॉन्चिंग पर किए गए निवेश का असर भी कीमतों पर पड़ा है। इस बढ़ोतरी का मतलब है व्हर्लपूल के फ्रिज, एयर कंडीशनर, वॉशिंग मशीन और अन्य घरेलू उपकरण खरीदने के लिए ग्राहकों को अब पहले की तुलना में ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के दौरान घरेलू उपकरणों की खरीदारी बढ़ने की उम्मीद रहती है, जिससे उपभोक्ताओं के बजट पर सीधा असर पड़ेगा। यह केवल व्हर्लपूल तक ही सीमित नहीं है।

दिग्गज वैश्विक बैंक बांग्लादेश से समेट रहे अपना रिटेल कारोबार

देश में बैंकिंग ऋणों का करीब एक-तिहाई हिस्सा नॉन-परफॉर्मिंग लोन बन चुका

ढाका।

एचएसबीसी के बाद अब स्टैंडर्ड चार्टर्ड जैसे दिग्गज वैश्विक बैंकों ने बांग्लादेश से अपना रिटेल कारोबार समेटने का फैसला लिया है। यह कदम देश के बैंकिंग क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है, जहां विदेशी बैंक छोटे ऋण और क्रेडिट कार्ड जैसे उच्च-लागत, कम-लाभ वाले व्यवसायों से पीछे हट रहे हैं। बांग्लादेश का बैंकिंग सेक्टर इस समय गहरे संकट से जूझ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह क्षेत्र नॉन-परफॉर्मिंग लोन (एनपीए), पूंजी की कमी, कमजोर कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कई अनियमितताओं की समस्याओं से घिरा हुआ है।

साल 2026 में देश के कुल बैंकिंग ऋणों का करीब एक-तिहाई हिस्सा नॉन-परफॉर्मिंग लोन बन चुका है, जिसका अर्थ है कि बैंकों द्वारा दिया गया लगभग 33फीसदी कर्ज वापस मिलने की कगार पर नहीं है। देश के बैंकिंग सिस्टम में राजनीतिक प्रभाव में बांटे गए असुरक्षित लोन, भाई-भतीजावाद और बड़े डिफाल्टरों पर सख्त कार्रवाई न होने जैसे मामलों के कारण विश्वसनीयता में कमी आई है। ऐसे अस्थिर और जोखिम भरे माहौल में वैश्विक बैंक काम करने से बचते हैं। जानकारों के मुताबिक यह सिर्फ बांग्लादेश तक सीमित नहीं है, बल्कि ये बैंक वैश्विक स्तर पर अपनी पूंजी उन चुनिंदा बाजारों में लगा रहे हैं जहां उन्हें कम जोखिम में ज्यादा रिटर्न मिले।



अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने बांग्लादेश को अपनी बैंकिंग व्यवस्था में पारदर्शिता और वित्तीय स्थिरता में सुधार करने की सलाह दी है। दो बड़े अंतर्राष्ट्रीय बैंकों का एक साथ देश के रिटेल सेक्टर से हटना विदेशी निवेशकों और वैश्विक बाजारों में गलत मैसेज जाता है, जिससे बांग्लादेश की साख को नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि जानकारों का मानना है कि इन विदेशी बैंकों के पीछे हटने से बांग्लादेश के मजबूत स्थानीय बैंक रिटेल ग्राहकों और क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो को खरीदकर अपना दायरा बढ़ा सकते हैं।

मदर डेयरी के दूध की कीमतें बढ़ीं, उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ

नई दिल्ली ।

देश की राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में दूध की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने बढ़ती लागत का हवाला देकर अपने विभिन्न प्रकार के दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा की है। ये नई दरें 12 नवंबर, गुरुवार से प्रभावी होंगी। कंपनी ने कदम किसानों से दूध की खरीद कीमतों में हुई वृद्धि के कारण उठाया है, जिसका कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है। सूत्रों ने जानकारी दी कि मदर डेयरी अपनी बिक्री आय का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 75-80 प्रतिशत, दूध उत्पादक किसानों को देती है। यह बढ़ोतरी कंपनी द्वारा पहले मई 2026 और अप्रैल 2025 में की गई मूल्य वृद्धि के बाद हुई है।

मदर डेयरी के प्रवक्ता ने हालांकि इस मामले पर टिप्पणी करने से इंकार किया है। ताजा संशोधन के बाद, प्रमुख किस्मों की कीमतें इस प्रकार होंगी- टोंड दूध (थोक वितरण) 58 रुपए से बढ़कर 60 रुपए प्रति लीटर, फुल क्रीम दूध (पाउच) 72 रुपए से



बढ़कर 76 रुपए प्रति लीटर, टोंड दूध (पाउच) 60 रुपए से बढ़कर 62 रुपए प्रति लीटर, डबल टोंड दूध 54 से बढ़कर 56 रुपए प्रति लीटर और गाय का दूध 62 से बढ़कर 65 रुपए प्रति लीटर हो जाएगा। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रतिदिन करीब 35 लाख लीटर दूध की आपूर्ति करती है, जबकि देश भर में इसकी कुल दैनिक बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है।

दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में गिरावट, भारत में नहीं आया बदलाव

मुम्बई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में जमकर गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के बेहद करीब आ गया है, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल की औसत कीमतें 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई हैं। वहीं इसके विपरीत डीजल की कीमतों में बढ़त आई है। दूसरी ओर भारत की बात करें तो कीमतों में बदलाव नहीं आया है। आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया में पेट्रोल की औसत कीमत जहां 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई है, वहीं डीजल की औसत कीमत 158.73 रुपये से बढ़कर 159.05 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके मुकाबले, भारत में पेट्रोल का औसत रेट लगभग 108 रुपये प्रति लीटर और डीजल का 98.10 रुपये प्रति लीटर है।दुनिया भर के विभिन्न देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी अंतर देखने को मिलता है। वेनेजुएला में एक लीटर डीजल लगभग 40 पैसे और पेट्रोल 3.31 रुपये में उपलब्ध है। लीबिया में 2.21 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे सस्ता पेट्रोल मिलता है। वहीं, हांगकांग में 419.25 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे महंगा पेट्रोल बिकता है, जबकि डीजल 458 रुपये प्रति लीटर है।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की बंपर कमाई, वित्तीय साल 26 में कमीशन 16,551 करोड़

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की कमीशन से होने वाली कमाई में वृद्धि जारी है, भले ही शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा हो और निवेशकों के बीच डायरेक्ट म्यूचुअल फंड प्लान की लोकप्रियता बढ़ी हो। वित्त वर्ष 2025-26 (वित्तीय साल 26) में, देश की शीर्ष 10 म्यूचुअल फंड कंपनियों ने डिस्ट्रीब्यूटर्स को कुल 16,551 करोड़ रुपये का कमीशन दिया। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष (वित्तीय साल 25) के 14,797 करोड़ रुपये के मुकाबले 12 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दिखाता है, जो एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) की वृद्धि पर दबाव के बावजूद दर्ज किया गया।

म्यूचुअल फंड कंपनियां अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स को उनके द्वारा जुटाए गए और फंड में बने रहने वाले निवेश के आधार पर कमीशन देती हैं, जिसकी दरें विभिन्न स्कीमों के अनुसार अलग-अलग होती हैं। देश की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनियों में से एक, एसबीआई म्यूचुअल फंड ने वित्त वर्ष 2026 में कुल 3,159 करोड़ रुपये का कमीशन दिया, जो बीते वित्त वर्ष के मुकाबले 10.7 फीसदी अधिक है। इसमें से 1,605 करोड का कमीशन उसकी स्पॉन्सर बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का कुल कमीशन भुगतान 17.5 फीसदी बढ़कर 2,783 करोड़ हो गया, जबकि उसकी स्पॉन्सर बैंक आईसीआईसीआई बैंक को मिलने वाले कमीशन में 9.1 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 379 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने वित्त वर्ष 2026 में डिस्ट्रीब्यूटर्स को कुल 2,471 करोड़ रुपये का कमीशन दिया।

संतुलित निवेश रणनीति हाइब्रिड,सोना और किस्तों में निवेश

नई दिल्ली ।

वैश्विक अनिश्चितता, बढ़ती तेल कीमतों और बॉन्ड यील्ड में उछाल के मौजूदा दौर में, प्राइवेट वेल्थ ने निवेशकों के लिए संतुलित निवेश रणनीति पेश की है। अपनी रिपोर्ट में, कंपनी ने इक्विटी पोर्टफोलियो में विविधता लाने का सुझाव दिया है। इसके तहत, निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का 40 फीसदी हिस्सा हाइब्रिड और लार्ज कैप रणनीतियों में, 50 फीसदी मिड और स्मॉल कैप शेयरों में, और शेष 10 फीसदी विदेशी शेयरों में लगाने की सलाह दी गई है। बाजार पर न्यूट्रल रुख के बावजूद, कंपनी मिड और स्मॉल कैप शेयरों को प्राथमिकता देना जारी रखेगी है।

निवेश के तरीके पर, रिपोर्ट हाइब्रिड रणनीतियों में एकमुश्त निवेश करने और शुद्ध इक्विटी आधारित योजनाओं में धीरे-धीरे किस्तों (एसआईपी) में निवेश करने की सलाह देती है। यह रणनीति बाजार के ऊंचे स्तरों पर पैसा लगाने के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकती है। जानकारों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। हालांकि, भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही और निफ्टी 50 कंपनियों का शुद्ध मुनाफा भी सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़ा।

माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ समय के लिए एनवीडिया को पछाड़ा, कारोबार बंद होने तक स्थिति बदली

एआई क्षेत्र में भारी निवेश से मिलने वाले मुनाफे को लेकर निवेशकों में चिंताएं

नई दिल्ली।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े जासूसी विवाद और एआई कारोबार को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार में एनवीडिया का शेयर छह फीसदी से ज्यादा टूट गया, जिसके चलते अमेरिकी तकनीकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए बाजार पूंजीकरण में उसे पीछे छोड़ दिया।

इस दौरान माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। हालांकि, कारोबार बंद होने तक एनवीडिया ने अपनी दूसरी स्थिति वापस हासिल कर ली। जानकारों के मुताबिक निवेशक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि जेनसन हुआंग, जो 33 सालों से एनवीडिया का नेतृत्व कर रहे हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में इस्तेमाल होने वाली उन्नत चिप बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है, उनसे जुड़ी यह जांच कंपनी के नेतृत्व और भविष्य की कारोबारी रणनीति पर क्या असर डालेगी। इसके अतिरिक्त, एआई क्षेत्र में भारी निवेश से मिलने वाले भविष्य के मुनाफे को लेकर भी निवेशकों में चिंताएं बनी हुई हैं। इन कारणों से एनवीडिया के शेयरों में बिकवाली तेज हुई है।कारोबार के दौरान एनवीडिया का शेयर छह फीसदी से ज्यादा गिरकर करीब 167.11 डॉलर पर आ गया था। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट का शेयर महज 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ 543.25 डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जिससे वह एनवीडिया से आगे निकल गया। कारोबार खत्म होने पर एनवीडिया का शेयर 5.47 फीसदी की गिरावट के साथ 168.89 डॉलर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, माइक्रोसॉफ्ट का शेयर 2.20 फीसदी गिरकर 533.16 डॉलर पर बंद हुआ। दिन के अंत में, एनवीडिया का बाजार पूंजीकरण करीब 4.07 लाख करोड़ डॉलर रहा, जबकि माइक्रोसॉफ्ट का 3.96 लाख करोड़ डॉलर था।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन के विवाद से कंपनी के शेयरों में आई भारी गिरावट

गिरावट का फायदा माइक्रोसॉफ्ट को मिला, बनी दूसरी सबसे बड़ी वैल्युएबल कंपनी

वाशिंगटन।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के व्यक्तिगत संबंधों की खबरों के बीच कंपनी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार को एनवीडिया के शेयर 6फीसदी से ज्यादा टूट गए, जिससे महज दो कारोबारी सत्रों में कंपनी की मार्केट कैप से करीब 470 अरब डॉलर कम हो गए। शेयरों में इस बड़ी गिरावट का फायदा उठाते हुए माइक्रोसॉफ्ट ने बाजी मार ली और एनवीडिया को पीछे छोड़कर दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई। यह जून 2025 के बाद पहली बार है जब माइक्रोसॉफ्ट ने यह उपलब्धि हासिल की है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जेनसन हुआंग के एक चीनी कारोबारी महिला, एलिस हुआंग के साथ संबंधों ने चीन में एनवीडिया के चिप्स की आपूर्ति को आसान बनाने में भूमिका निभाई। एलिस पर चीन के लिए जासूसी करने के आरोप भी लगे हैं। इस पूरे मामले ने एनवीडिया की कारोबारी साख, अमेरिकी निर्यात नियमों के पालन और कंपनी के नेतृत्व को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एनवीडिया के बोर्ड ने इस विवाद के सामने आने के बाद रविवार को जांच शुरू कर दी है। वहीं, अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या जेनसन हुआंग को किसी विदेशी खुफिया एजेंसी ने निशाना बनाया था। मीडिया रिपोर्ट में जानकारों के मुताबिक फिलहाल निवेशकों की चिंता सिर्फ सीईओ से जुड़े विवाद तक सीमित नहीं है। उन्हें यह भी डर है कि अगर इस मामले में अमेरिकी नियमों के उल्लंघन की बात सामने आती है, तो एनवीडिया के कारोबार पर और प्रतिबंध लग सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जेनसन हुआंग और एलिस हुआंग के संबंधों से चीन में करीब 7.5 अरब डॉलर के एनवीडिया चिप्स की आपूर्ति को मदद मिली।

आईपीएल में बड़ा बदलाव... हार्दिक पंजाब किंग्स में गए, अर्शदीप मुंबई इंडियंस से जुड़े



मेरे कप्तान श्रेयस! मैं आपके पीछे खड़ा हूं

पंजाब से जुड़ने के बाद हार्दिक पंड्या का पहला बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 के लिए पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के बाद हार्दिक पंड्या का पहला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि श्रेयस अय्यर उनके कप्तान हैं। रिकी पोंटिंग उनके कोच है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है कि वह अपने कोच और कप्तान के साथ खड़े हैं। हार्दिक इससे पहले मुंबई के कप्तान थे और अब पंजाब के साथ जुड़े हैं। उन्हें पंजाब की कप्तानी मिलने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वह श्रेयस की कप्तानी में खेलने के लिए तैयार हैं।

श्रेयस की कप्तानी में खेलने से हार्दिक को टीम इंडिया में भी उनके साथ खेलने में आसानी होगी, क्योंकि भारतीय टी20 टीम की कमान भी श्रेयस के हाथों में ही है। हार्दिक जब भी फिट होंगे, वह भारतीय टी20 टीम का हिस्सा होंगे, क्योंकि अब तक कोई भी खिलाड़ी खुद को उनकी जगह पर स्थापित नहीं कर पाया है।

पंजाब में बढ़ी हार्दिक की सैलरी

हार्दिक पंड्या भले ही मुंबई इंडियंस के कप्तान थे, लेकिन उनकी सैलरी 16.5 करोड़ रुपये ही थी। वहीं, पंजाब किंग्स में उन्हें 18 करोड़ रुपये मिलेंगे। ऐसे में उन्हें सीधे 1.5 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। हालांकि, वह पंजाब की टीम के कप्तान नहीं होंगे। श्रेयस के साथ खेलने से उनके लिए टीम इंडिया में वापसी की राह भी आसान होगी, क्योंकि कप्तान के साथ ही उनका बॉन्ड अच्छा बनेगा।

हार्दिक ने ये लिखा...

हार्दिक पंड्या ने पंजाब किंग्स की जर्सी में अपनी फोटो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, 'सत श्री अकाल, पंजाब। मेरे कैप्टन श्रेयस। मेरे कोच रिकी। मेरी टीम पूरा पंजाब। मैं आपके पीछे खड़ा हूं।' इसके साथ ही हार्दिक ने पंजाब के लिए हार्ट का इमोजी भी शेयर किया। इससे साफ है कि वह पंजाबी रंग में रंग चुके हैं और अगले सीजन में वह इस टीम को ट्रॉफी दिलाने की पूरी कोशिश करेंगे।

डंडे उड़ा देंगे! मुंबई के लिए अर्शदीप लाएंगे तबाही



आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस के ग्रैंड वेलकम ने मचाया गदर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी स्वैप डील पर अब आधिकारिक मुहर लग चुकी है। पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने स्टार भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अपनी पलटन में शामिल कर लिया है। 18 करोड़ रुपये की फीस पर मुंबई आए अर्शदीप का फ्रेंचाइजी ने बेहद ही अनोखे और धमाकेदार अंदाज में स्वागत किया है। मुंबई की टीम ने अर्शदीप को लेकर एक बेहद ही प्यारा और जोश से भरा हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। दूसरी ओर मुंबई के पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या अब 18 करोड़ रुपये में पंजाब किंग्स की जर्सी पहनते नजर आएंगे। मुंबई इंडियंस ने जहां अर्शदीप की एंट्री पर तूफानी वीडियो शेयर किया। वहीं हार्दिक पंड्या के लिए एक खास ट्रिब्यूट वीडियो के साथ उन्हें भावुक विदाई दी।

पेस अटैक हुआ और खतरनाक

मुंबई इंडियंस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर अर्शदीप सिंह का एक पावरफुल वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, हम डंडे उड़ा देंगे! फ्रेंचाइजी ने साफ कर दिया है कि बाएं हाथ का यह खतरनाक भारतीय पेसर अब वानखेड़े स्टेडियम में बल्लेबाजों की गिल्लियां उखाड़ने के लिए तैयार है। आईपीएल अर्शदीप की एंट्री से मुंबई का पेस अटैक अब बहुत ही खतरनाक नजर आ रहा है।

पंड्या को मिला मुंबई का ट्रिब्यूट

दूसरी तरफ हार्दिक पंड्या की मुंबई इंडियंस से विदाई हो गई है। मुंबई ने हार्दिक के लिए एक इमोशनल वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि उतार-चढ़ाव और इस बीच की हर चीज के लिए, मुंबई इंडियंस की कहानी का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया हार्दिक। हार्दिक ने मुंबई के साथ 2015 में अपना सफर शुरू किया था और 2015, 2017, 2019 और 2020 के खिताब जीतने में अहम योगदान दिया था।

पूर्व हेड कोच का टीम पर तंज

खिलाड़ियों की फिटनेस और अनुशासन को लेकर इमरान ने सवाल उठाए

नई दिल्ली। बांग्लादेश महिला टीम के पूर्व हेड कोच सरोवर इमरान ने टीम के फिटनेस स्तर और ट्रेनिंग कल्चर पर सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि खिलाड़ियों को उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकालने और ज्यादा अनुशासन लाने की उनकी कोशिशों की वजह से उन्हें अपनी भूमिका से अलग होना पड़ा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एशियन गेम्स के बाद अक्टूबर में सरोवर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने दिया और बाद में उनकी जगह डेविड हेम्प को नियुक्त किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी से सरोवर इमरान की शिकायत की थी और उनके तरीकों पर सवाल उठाया था। सरोवर ने पहले बांग्लादेश के एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद ड्रेसिंग रूम में अशांति की बात कही थी, जिसके बाद बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने पर विचार किया। प्रस्तावित कार्रवाई को आखिरकार वापस ले लिया गया, जिसमें बीसीबी ने बांग्लादेश क्रिकेट के साथ उनके लंबे जुड़ाव को ध्यान में रखा।



सरोवर ने कहा कि बोर्ड ने उन्हें जारी रखने का फैसला करने से पहले कभी उनसे सफाई नहीं मांगी। उन्होंने कहा, एशियन गेम्स और एशिया कप के बाद बीसीबी ने मुझसे कोई बातचीत नहीं की। मुझे एक पत्र मिला कि मैं ऑस्ट्रेलिया टूर पर नहीं जा रहा हूं क्योंकि कोई दूसरा कोच जाएगा। बीसीबी के साथ मेरी बस इतनी ही बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कोचिंग का माहौल बहुत ज्यादा संतुलन बनाने वाला हो गया था, जिससे सुधार की बहुत कम गुंजाइश बची थी।महिला टीम में शामिल होने के बाद अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, जहां तक मेरे गुस्से की बात है, जब मैं महिला टीम में आया, तो मैंने देखा कि गेंदबाजी कोच से लेकर स्पिन बॉलिंग कोच, बैटिंग कोच, ट्रेनर और फिजियो सभी बहुत शांत थे। वे महिला क्रिकेटरों की हर बात सुनते हैं और इस कम्फर्ट जोन में रहकर वे सुधार नहीं कर सकते। यही वजह है कि हमारी टीम आज भी वैसी ही है जैसी पांच साल पहले थी।

मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश क्रिकेट सुधर सकता है

इमरान ने कहा, एक स्पिनर 30 गेंदें फेंकने के बाद कोच से कहती है कि वह अब और गेंदबाजी नहीं करेगी और कोच मान जाता है। एक या दो बल्लेबाज पूरे दिन बल्लेबाजी करते हैं। यह सब देखने के बाद मैंने दखल देना शुरू कर दिया। मैंने उनकी फिटनेस को लेकर भी दखल दिया। उन्होंने कहा, जब मुझे उन्हें डांटने की जरूरत थी तो मैंने वैसा ही किया और अगर आप कहते हैं कि यह गुस्सा है तो मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश क्रिकेट सुधर सकता है। मुझे लगा कि मैं उन्हें सुधार सकता हूं और मैंने सात से आठ टूर किए और सब कुछ सिर्फ एक या दो टूर में फेल होने की वजह से खत्म हो गया। सरोवर ने इस बात को मना कर दिया कि उनकी कोचिंग स्टाइल उनके गुस्से को कंट्रोल करने में नाकामयाबी दिखाती है।

गेंद से धमाल... मिला इनाम, गुरनूर 60 स्थान चढ़े



दुबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन का असर आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भी दिखाई दिया है। तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने 60 स्थानों की लंबी छलांग लगाकर वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 48वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। अक्षर 23 और अर्शदीप 11 स्थान ऊपर चढ़े हैं। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह ने टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष-10 में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के बाद भारतीय गेंदबाजों को फायदा हुआ है। इसमें सबसे बड़ी छलांग गुरनूर बराड़ ने लगाई। वह सात विकेट लेकर सीरीज में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके इस प्रदर्शन का असर रैंकिंग में भी दिखा और वह शीर्ष-100 से बाहर रहने के बाद 48वें स्थान पर पहुंच गए। उन्हें कुल 60 स्थानों का फायदा हुआ है।

अक्षर और अर्शदीप की रैंकिंग में भी सुधार

भारतीय स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 23 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में दूसरे वनडे में 28 रन देकर दो विकेट लेने का फायदा मिला। वहीं, अर्शदीप सिंह ने पहले वनडे में चार विकेट लेकर रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाई। वह संयुक्त रूप से 31वें नंबर पर पहुंच गए हैं। विश्व कप शुरू होने में एक साल से भी कम समय बचा है और ऐसे में भारतीय गेंदबाजों के लिए रैंकिंग में यह सुधार अहम है। 2027 का वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। जैकब डफी आठ स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 43वें और काइल जैमीसन 24 स्थान की छलांग के साथ 60वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी रैंकिंग... अक्षर और अर्शदीप को भी फायदा

रहमत शाह ने रचा इतिहास, टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष-10 में पहुंचे

अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग की किसी भी श्रेणी के शीर्ष-10 में जगह बनाने वाले अपने देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह में खेले गए पहले टेस्ट में 173 रन की पारी खेलने का उन्हें फायदा मिला। वह टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में छह स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। 33 वर्षीय रहमत का यह पांचवां टेस्ट शतक था। इस साल उन्होंने दूसरी बार शतक लगाया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारतीय कप्तान शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को पीछे छोड़ दिया। अफगानिस्तान के लिए यह पखवाड़ा खास रहा है। इससे पहले टीम जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज जीतने के बाद आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंची थी। यह वनडे रैंकिंग में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्थान है।

एर्विन और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को भी फायदा

जिम्बाब्वे के अनुभवी बल्लेबाज क्रेग एर्विन को भी टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है। शारजाह टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद दोहरा शतक लगाने के बाद वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 48वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के समापन के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ। वेस्टइंडीज के केवम हॉज 12 स्थान ऊपर चढ़कर 52वें और अमीर जांगू 28 स्थान की छलांग के साथ 62वें नंबर पर पहुंच गए। बांग्लादेश के तौहीद हृदोय शीर्ष-100 से बाहर रहने के बाद अब 60वें स्थान पर आ गए हैं।वेस्टइंडीज के जोमेल वॉरिकन को टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान का फायदा हुआ है। वह संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। सीरीज में शानदार प्रदर्शन के कारण टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में भी वह चार स्थान ऊपर चढ़कर 31वें नंबर पर आ गए। उनके साथी जस्टिन ग्रीव्स एक स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

नोस्कोवा ने गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन वेल्स लिंडा नोस्कोवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नोस्कोवा ने कोको गॉफ को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नोस्कोवा 2011 में पेट्रा क्वितोवा के बाद अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, वह 2024 में गॉफ के बाद अपने पहले दो राउंड-रॉबिन मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं और 2021 में एनेट कोंटावेइट के बाद ऐसा करने वाली पहली नंबर 8 सीड हैं। लिंडा नोस्कोवा ने पत्रकारों से कहा, मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मैं सेमीफाइनल में हूं।



अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में नंदिनी का चयन

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ की तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा को दिसंबर में होने वाले भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम इस दौरे पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को गेकेबरहा में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद तीन वनडे मुकाबले पार्ल, केपटाउन और ब्लोमफोंटेन में खेले जाएंगे। दौरे का समापन बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम में होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के साथ होगा। इस साल की शुरुआत में भी नंदिनी शर्मा ने इतिहास रचा था। वह यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) की पहली खिलाड़ी बनी थीं, जिन्हें ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारत की टेस्ट टीम में जगह मिली थी।



सहवाग गाते थे गाने, बेटा करता है 'सीता राम' का जाप

आर्यवीर ने बताया शतक का राज, यूएई के खिलाफ बनाए थे 160 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। *वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने भारत के लिए यूथ वनडे में अपना पहला शतक जड़कर खास उपलब्धि हासिल की। अंडर-19 एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ उन्होंने 160 रन की शानदार पारी खेली और भारत को जीत दिलाई। इस पारी के बाद आर्यवीर ने बताया कि बल्लेबाजी के दौरान वह अपना ध्यान भटकने से बचाने के लिए मन ही मन 'सीता राम' का जाप करते हैं।आर्यवीर ने बताया कि उनके पिता विरेंद्र सहवाग अक्सर उनसे बल्लेबाजी के मानसिक पहलुओं पर बात करते हैं। वह उन्हें वर्तमान में रहने और पारी के नतीजे के बारे में ज्यादा नहीं सोचने की सलाह देते हैं। आर्यवीर के मुताबिक, उनके पिता बल्लेबाजी करते समय गाने गुनगुनाया करते थे। इसी से उन्हें भी अपना ध्यान केंद्रित रखने का एक तरीका मिला। उन्होंने कहा, 'जब मैं अपने पिता से बल्लेबाजी के मानसिक पहलू के बारे में बात करता हूं, तो वह मुझे ऐसी बातें बताते हैं, जो वर्तमान में रहने में मदद करती हैं। वह अक्सर गाने गुनगुनाते हैं। इसलिए ध्यान को वर्तमान में बनाए रखने के लिए किसी रीसेट बटन की तरह कुछ होना चाहिए।'उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं बल्लेबाजी कर रहा होता हूं, तो मन ही मन 'सीता राम' दोहराता रहता हूं, ताकि दूसरे विचार दिमाग में न आएं। मेरा ध्यान सिर्फ गेंद पर रहता है। गेंद जहां पड़ती है, उसके हिसाब से शॉट खेलता हूं। मैं यह सोचने के बजाय गेंद पर प्रतिक्रिया देने की कोशिश करता हूं कि किसी खास स्थिति में मुझे क्या करना चाहिए या मुझे अर्धशतक बनाना है या शतक।'*



45 ओवर तक बल्लेबाजी करना था लक्ष्य

यूएई के खिलाफ मुकाबले में आर्यवीर ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की। उन्होंने नई गेंद का सामना किया और धीरे-धीरे अपनी पारी को आगे बढ़ाया। बाद में उन्होंने तेजी से रन बनाते हुए 160 रन की पारी खेली, जो इस सीजन टूर्नामेंट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है।आर्यवीर ने बताया कि मैच से एक रात पहले भी उनकी अपने पिता से बात हुई थी और उन्होंने टूर्नामेंट में बड़ा स्कोर बनाने का वादा किया था। उन्होंने कहा, 'योजना सिर्फ 45 ओवर तक बल्लेबाजी करने की थी। कोच ने भी मुझसे कहा था कि जितनी देर हो सके क्रीज पर टिके रहना। शुरुआत में जब मैंने डॉट गेंदें खेलीं, तो मुझे कोई परेशानी नहीं हुई, क्योंकि मुझे भरोसा था कि बाद में इसकी भरपाई कर लूंगा। खुशी है कि मैं बड़ा स्कोर बना सका और भारत को जीत दिलाने में मदद की।'

पिता से तारीफ मिलना बड़ी बात

आर्यवीर ने यह भी बताया कि उनके पिता आमतौर पर उनकी बल्लेबाजी की ज्यादा तारीफ नहीं करते। ऐसे में अच्छी पारी के बाद उनका 'वेल प्लेड' संदेश भी उनके लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा, 'जब भी अच्छी पारी के बाद उनका मैसेज आता है और वह 'वेल प्लेड' कहते हैं, तो मेरे लिए इससे बढ़कर कुछ नहीं होता। यह मेरे लिए बड़ा पल है। मुझे हमेशा अच्छा लगता है जब मेरे पिता मेरी बल्लेबाजी की तारीफ करते हैं, क्योंकि वह ऐसा बहुत कम करते हैं। मैं शतक बनाऊं या नहीं, वह ज्यादा तारीफ नहीं करते।' आर्यवीर ने उम्मीद जताई कि उनकी मां भी इस पारी से खुश होंगी। उन्होंने कहा कि उनकी मां अपनी भावनाएं खुलकर जाहिर करती हैं और उन्हें उम्मीद है कि उनके पिता भी उन पर गर्व महसूस कर रहे होंगे।

रायन बोले- न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच मजेदार होंगे

ऑकलैंड । भारत के फॉरवर्ड रायन विलियम्स न्यूजीलैंड में खेलने के अपने पिछले अनुभव का इस्तेमाल भारतीय पुरुषों के देश के पहले दौरे की तैयारी के लिए कर रहे हैं, क्योंकि नेशनल टीम गुरुवार को ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में ऑल व्हाइट्स का सामना करने के लिए तैयार है। यह दोनों टीमों के बीच तीसरा अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। इससे पहले 1981 और 2018 में दोनों टीमें आमने-सामने हुई हैं। यह दौरा भारतीय टीम के ज्यादातर सदस्यों के लिए नया है। विलियम्स ऑस्ट्रेलियाई क्लब पर्थ ग्लोरी के साथ अपने समय के दौरान न्यूजीलैंड में खेल चुके हैं। 33 साल के इस खिलाड़ी ने जनवरी 2023 में पामर्स्टन नॉर्थ में वेलिंगटन फीनिक्स के खिलाफ ग्लोरी के 2-2 से ड्रॉ मैच में हिस्सा लिया था, जिसे 'डिस्टेंस डर्बी' के नाम से जाना जाता है। तस्मान में यात्रा करने की जरूरतों का अनुभव होने के कारण, वह लंबी यात्रा और समय के अंतर से आने वाली चुनौतियों को जानते हैं।



गुवाहाटी के पास रेल हादसा : इंजन समेत कई डिब्बे पटरी से उतरे

गुवाहाटी, एजेंसी। दिगारू के पास एक बड़ा रेल हादसा हो गया। कोलकाता से सैरंग जा रही कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस (13125) का इंजन समेत कई डिब्बे पटरी से उतर गए। यह घटना सुबह करीब 6:54 बजे हुई, जब ट्रेन के इंजन के साथ लगभग 6 से 7 डिब्बे एक-दूसरे से टकराकर बिखर गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, हालांकि अच्छी खबर यह है कि इस घटना में किसी भी यात्री के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है और रेलवे ने एक रिलीफ ट्रेन भी दुर्घटनास्थल पर भेजी है। पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय प्रशासन की टीमें भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था कर दूसरी ट्रेन से आगे भेजा जा रहा है। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने पुष्टि की कि अभी तक किसी हताहत की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन हादसे के कारण रेल यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है, जिसके चलते कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से लेट चल रही हैं और कुछ ट्रेनों को दूसरे मार्गों पर डायवर्ट किया गया है।

सोनिया गांधी की किताब ने हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया

- वीएचपी ने लगाया आरोप, कांग्रेस नेतृत्व से की माफी मांगने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब बिलोंगिंग-ए जर्नी ऑफ लव के विमोचन के बाद से राजनीतिक गलियारों में विवाद गहरा गया है। विश्व हिंदू परिषद ने सोनिया गांधी से माफी की मांग की है, आरोप है कि उनकी किताब ने हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि कांग्रेस नेतृत्व माफी मांगे, क्योंकि हिंदू समाज अब इस तरह के हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। वीएचपी के केंद्रीय संयुक्त महासचिव ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी मुसलमानों से जुड़ी घटनाओं पर विशेष चिंता जताती हैं, जबकि हिंदुओं के साथ होने वाली हिंसा पर वह चुप रहती हैं। उन्होंने बाबरी ढांचे के गिराए जाने पर सोनिया गांधी की प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि उस वक्त उनकी आंखों में आंसू थे। हालांकि, उन्होंने कश्मीर में हिंदुओं की हत्याओं और घाटी में मंदिरों को गिराए जाने पर चुप्पी साध रखी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या दिल्ली में गोहत्या-विरोधी आंदोलन के दौरान संतों की हत्या और निहत्थे कार सेवकों की हत्या पर सोनिया गांधी ने दुख जताया था? उन्होंने पूछा कि जब बस्तर में नक्सलियों ने उनकी अपनी ही पार्टी के नेताओं की हत्या कर दी थी, तब क्या उनकी आंखों से आंसू निकले थे? जब पहलगाम में पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, तब क्या वह रोई थीं? ये सवाल सोनिया गांधी की पुस्तक के जरिए हिंदू समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल उठाते हैं।

केरलम में विशेष विधानसभा सत्र की सिफारिश

तिरुवंतनमपुरम, एजेंसी। केरलम सरकार ने 30 नवंबर से 10 दिसंबर तक विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल से सिफारिश करने का फैसला किया है। केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने साप्ताहिक मंत्रिमंडल बैठक के बाद बताया कि इस सत्र में लंबित विधेयकों पर विचार किया जाएगा और नए विधेयक पेश किए जाएंगे। मंत्रिमंडल ने कासरगोड और वायनाड जिलों में 400 किलोवोल्ट (केवी) क्षमता वाली बिजली पारेषण लाइनों के निर्माण के संबंध में संशोधित मुआवजा पैकेज पेश करने का भी निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त, अगड़ी जातियों में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईडब्लूएस) के लिए केरल राज्य आयोग द्वारा सरकार को सौंपी गई सिफारिशों पर तैयार एक रिपोर्ट को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस रिपोर्ट में आयोग की उन सिफारिशों का विवरण है, जिन पर कार्रवाई की जा सकती है या जिन्हें लागू करने की योजना है, साथ ही कुछ सिफारिशों को लागू न कर पाने के कारण भी बताए गए हैं।

राहुल गांधी का अमेरिका दौरा: कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्र आंदोलनों और शिकागो में जियोपॉलिटिक्स पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी।
इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चीफ सैम पित्रोदा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस लीडर राहुल गांधी अगले हफ्ते अपने अमेरिका के दौरे के दौरान कोलंबिया और शिकागो यूनिवर्सिटी में ग्लोबल स्टूडेंट मूवमेंट और जियोपॉलिटिक्स पर बातचीत करेंगे. राहुल गांधी पर बार-बार हमला करने और यह आरोप लगाने के लिए कि उन्होंने पहले विदेश में भारत को बदनाम किया है, बीजेपी की आलोचना करते हुए पित्रोदा ने कहा कि यह एक 'बोगस' तर्क है क्योंकि यह 'किसी की आलोचना करने का सवाल नहीं है, यह आपके देखे हुए तथ्यों को दिखाने का सवाल है.' शिकागो से पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में पित्रोदा ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता मुख्य रूप से दो जरूरी कामों के लिए अमेरिका आ रहे हैं, जिनकी प्लानिंग काफी पहले से ही कर ली गई थी. पित्रोदा ने कहा, 'एक कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक फायरसाइड चैट है, जिसमें मुख्य



रूप से स्टूडेंट मूवमेंट के ग्लोबल उभार, इसका क्या मतलब है, इसे भारत में कैसे देखा जाता है. डेमोक्रेसी पर इसका क्या असर है, एजुकेशन, एम्प्लॉयमेंट, इकॉनमी और एनवायरनमेंट पर उनकी मांगों पर बात होगी. यह 17 तारीख को यूनिवर्सिटी में एक फायरसाइड चैट होगी, जिसे मुझे यकीन है कि सही समय पर ब्रॉडकास्ट किया जाएगा.'

पित्रोदा ने पीटीआई से कहा, 'और दूसरी बातचीत 18 नवंबर को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में एक बहुत जाने-माने प्रोफेसर डॉ. (रॉबर्ट) पेप के साथ होगी, जो जियोपॉलिटिक्स एरिया में बहुत जाने-माने हैं. मिडिल ईस्ट, ईरान युद्ध और इन सब पर उनका बहुत अलग नजरिया है. इसलिए दूसरी बातचीत जियोपॉलिटिक्स और ग्लोबल मामलों पर ज्यादा होगी.' कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके पास बस इतना ही समय है. बीजेपी की इस आलोचना के बारे में पूछे जाने पर कि गांधी विदेश में घरेलू मुद्दे उठाते हैं, पित्रोदा ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि इस दुनिया में जहां सभी 8 अरब लोग जुड़े हुए हैं, वहां कुछ भी लोकल नहीं है. लोकल घटनाएं ग्लोबल होती हैं और ग्लोबल घटनाएं लोकल हो जाती हैं. इसलिए आप जानकारी को छिपा नहीं सकते. जानकारी की कोई सीमा नहीं होती.' उन्होंने कहा, 'तो अगर आप यहां आकर किसी चीज के बारे में बात करते हैं, तो ठीक है, आप इंडिया में भी वही बात कर सकते हैं, लेकिन आप इंडिया में एक बात और यहां दूसरी बात नहीं कह सकते. यह झूठ है. यह काम नहीं करता. इसलिए आपको दोनों जगहों पर फैक्ट्स देने होंगे.'

उन्होंने कहा कि भारत में फैक्ट्स वही हैं जो यहां के फैक्ट्स हैं. पित्रोदा ने कहा कि यह किसी की बुराई करने का सवाल नहीं है. यह फैक्ट्स को वैसे ही दिखाने का सवाल है जैसा आप देखते हैं. उन्होंने कहा, 'अब यह आइडिया कि आप जाकर बात नहीं कर सकते. आप भारत की बेइज्जती कर रहे हैं. यह सब बकवास है. आप विदेश में कुछ लाइनें कहकर 1.5 अरब लोगों के देश की बेइज्जती नहीं कर सकते.' पित्रोदा ने कहा, 'मेरा मतलब है, यह कैसी सोच है? इसलिए, आपको लोकल और ग्लोबल लेवल पर फ्री और फेयर बातचीत करनी होगी.' उन्होंने गांधी के विदेश दौरों की बुराई करने के लिए बीजेपी पर भी निशाना साधा और कहा कि पूर्व कांग्रेस चीफ को विदेश दौरे करने चाहिए क्योंकि वह एक ग्लोबल लीडर हैं, और युवा पीढ़ी के पास ऐसे बहुत कम ग्लोबल लीडर हैं. उन्होंने कहा, 'अगर आप पूरी दुनिया को देखें, तो बहुत कम युवा ग्लोबल लीडर हैं. इसके अलावा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है. भारतीय लोकतंत्र एक बड़ा ग्लोबल पब्लिक गुड है और दुनिया से जुड़े रहना हमारी नैतिक ज़िम्मेदारी है. किसी को तो यह करना ही होगा. यह एक ज़िम्मेदारी है.' पित्रोदा ने हैदराबाद में होने वाले भारत समिट के बारे में भी बात की, जहाँ कांग्रेस 70 देशों के पॉलिटिकल लीडर्स, पॉलिसीमेकर्स, एकेडेमिक्स, बिजनेस रिप्रेजेंटेटिव्स और सिविल सोसाइटी मेंबर्स को होस्ट करेगी. इस दौरान वे एक नए ग्लोबल सिस्टम के बनने और इन डेवलपमेंट्स पर भारत के स्ट्रेटेजिक रिस्पॉन्स के साथ-साथ कोऑपरेटिव फेडरलिज्म और इलेक्टोरल इंटीग्रिटी जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे. भारत समिट 13 और 14 नवंबर को हैदराबाद में होगा और इसमें दुनिया भर से लगभग 1,000 डेलीगेट्स शामिल होंगे, और फोकस एरिया में एक नया थिंक टैंक, 'अवर वर्ल्ड' बनाना शामिल है. इस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस के सीनियर लीडर्स, ग्लोबल पॉलिसीमेकर्स और प्रोग्रेसिव मूवमेंट्स के जाने-माने लोग हिस्सा लेंगे. समिट के बारे में बात करते हुए पित्रोदा ने कहा कि यह तेलंगाना सरकार, प्रोग्रेसिव अलायंस, इंडियन नेशनल कांग्रेस के फॉरेन अफेयर्स डिपार्टमेंट और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की तरफ से एक जॉइंट वेंचर है.

सीजेपी नेता दीपके को मिली राहत, व्यक्तिगत पेशी से मिली छूट

नई दिल्ली , एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके को एक महत्वपूर्ण राहत मिली है। उन्हें एक विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने चल रही जांच के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी गई है। यह मामला 16 अक्टूबर को हुए एक विरोध प्रदर्शन से संबंधित है। दीपके मंगलवार को मंदिर मार्ग थाने में पेश नहीं हुए। उनके वकील अभिक चिमनी ने बताया कि खराब स्वास्थ्य के कारण वह व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सके, जिसके बाद मजिस्ट्रेट ने उन्हें यह छूट प्रदान की। इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को निर्धारित की गई है। पिछली सुनवाई के दौरान दीपके के वकील को पुलिस की रिपोर्ट और कानूनी दस्तावेजों की प्रतियां दी गई थीं। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने दीपके को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और उनसे शांति बनाए रखने के लिए एक बॉन्ड भरने को कहा गया था। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कुछ हफ्ते पहले ही दीपके को एक मजिस्ट्रेट द्वारा सशर्त जमानत दी गई थी। उन्हें यह जमानत तब मिली थी जब उन पर पहले भरे गए शांति बॉन्ड का उल्लंघन करने का आरोप लगा था। इस जमानत की एक मुख्य शर्त यह थी कि उन्हें एक साल तक शांति बनाए रखनी होगी और ऐसा कोई काम नहीं करना होगा जिससे शांति भंग हो। अभिजीत दीपके को 16 अक्टूबर को उस समय हिरासत में लिया गया था जब वे लहरा दो तिरंगा अभियान के दौरान मार्च में शामिल होने के लिए कनॉट प्लेस जा रहे थे। दिल्ली पुलिस ने उन्हें इस मार्च में शामिल नहीं होने का नोटिस दिया था, जिसमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा का हवाला दिया गया था। शांति बॉन्ड का उल्लंघन करने के आरोप में उन्हें 17 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी। सूत्रों का कहना है कि दीपके अगली निर्धारित तारीख पर पुलिस के सामने पेश हो सकते हैं।



भारत ने डोभाल के खिलाफ खालिस्तानी आतंकी पन्नू की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज किया

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह द्वारा नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के पूर्व चीफ सामंत गोयल के खिलाफ अमेरिका की एक अदालत में सिविल मुकदमे में लगाए गए आरोपों को 'मनगढ़ंत और गलत इरादे से किया गया' बताकर खारिज कर दिया है. अपनी वीकली मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि भारत ने आरोपों और मुकदमे को खारिज कर दिया है. जायसवाल ने कहा, 'हम अपने बड़े अधिकारियों पर किए गए मनगढ़ंत और गलत इरादे वाले हमलों को खारिज करते हैं. साथ ही हम फालतू के मुकदमों को भी खारिज करते हैं. भारत में ज्यूडिशियल डॉक्यूमेंट्स की सर्विस के लिए रिक्वेस्ट सिर्फ भारत की तय सेंट्रल अथॉरिटी, जो कि मिनिस्ट्री ऑफ लॉ एंड जस्टिस है, के जरिए ही की जा सकती है.' यह बात अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उस बयान के बाद आई है जिसमें उसने कहा था कि उसने पन्नू के फाइल किए गए डैमेज केस में अमेरिकी कोर्ट से जारी समन डिप्लोमैटिक चैनल के जरिए पहुंचा दिए हैं. पन्नू प्रतिबंधित ग्रुप सिख्स फॉर जस्टिस के लीगल वकील हैं. उन्होंने



भारतीय अधिकारियों पर न्यूयॉर्क में उनकी हत्या की कथित साजिश रचने का आरोप लगाया है. सिख्स फॉर जस्टिस भारत में एक प्रतिबंधित संगठन है. पन्नू भारतीय जांच एजेंसियों के कई टेरर चार्ज में वांटेड है. अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक डिप्लोमैटिक नोट पर 30 सितंबर, 2026 को साइन किया गया था और इसे 9 अक्टूबर, 2026 को वाशिंगटन में भारतीय दूतावास को डिलीवर किया गया था. अमेरिका ने कहा कि फॉरेन सॉवरेन इम्युनिटीज एक्ट के तहत कोर्ट की रिक्वेस्ट को पूरा करने में उसके पास कोई अधिकार नहीं था. उसने यह भी कहा कि समन भेजने का यह मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए कि मुकदमा कानूनी जरूरतों को पूरा करता है या नहीं, सर्विस वैलिड थी या नहीं, या दावों की मेरिट क्या है, इस पर अमेरिका का नजरिया क्या है. डिपार्टमेंट ने यह भी कहा कि अमेरिकी सरकार इस केस में पार्टी नहीं है और डिफेंडेंट्स को रिप्रेजेंट नहीं कर सकती. किसी भी ज्यूरिस्डिक्शनल या सॉवरेन-इम्युनिटी डिफेंस को मामले की सुनवाई कर रही अमेरिकी कोर्ट के सामने उठाया जाना चाहिए. यह केस नवंबर 2023 में फाइल किए गए एक अलग अमेरिकी फेडरल क्रिमिनल केस के बाद आया है, जिसमें भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की कथित नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का आरोप लगाया गया था. भारत ने सिविल केस में लगाए गए आरोपों को स्वीकार नहीं किया है.

विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि अमेरिकी मिडटर्म चुनाव अमेरिका का अंदरूनी मामला है. चुनाव के बाद सवालों के जवाब में जायसवाल ने कहा कि भारत का कोई खास कमेंट नहीं है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत-अमेरिका रिश्ते को दोनों पार्टियों का मजबूत सपोर्ट है. उन्होंने कहा, 'हम अमेरिका के साथ अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए काम करना जारी रखेंगे.' भारत ने अमेरिकी कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम की भी कड़ी आलोचना की और इसे एकतरफा और गलत जानकारी वाला संगठन बताया, जिसका साफ तौर पर पॉलिटिकल एजेंडा है. जायसवाल ने कमीशन और उसके सदस्यों पर धार्मिक जगहों पर हमलों, हेट क्राइम और अमेरिका में भारतीय समुदाय को टारगेट करने वाले नस्लीय दुर्व्यवहार पर चुप रहने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, 'एक भेदभाव वाली संस्था को शायद ही गंभीरता से लिया जा सकता है.' रूस-यूक्रेन विवाद पर भारत ने दोहराया कि बातचीत और डिप्लोमेसी ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है. जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से विवाद, मानवीय चिंताओं और शांति बहाल करने की कोशिशों के बारे में बात की.

केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद, जयकारों के साथ रवाना हुई बाबा की पंचमुखी उत्सव डोली

रुद्रप्रयाग, एजेंसी।
उत्तराखंड स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट शीतकालीन अवकाश के लिए बंद हो गए हैं. आज बुधवार 11 नवंबर 2026 को धार्मिक परंपराओं के तहत बाबा केदार के गर्भगृह के कपाट समाधि पूजा के बाद छह माह के लिए बंद कर दिए गए. सुबह ठीक छह बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ समाधि पूजा संपन्न हुई. इस पावन अवसर पर भारतीय सेना के 15 जवानों ने बैंड की मधुर धुनों से वातावरण को भक्तिमय



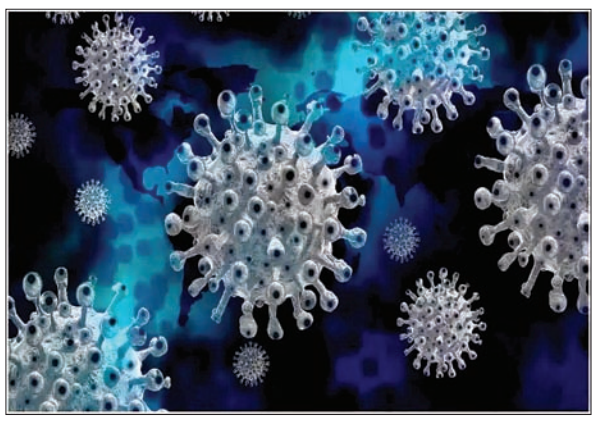
बना दिया. इसके बाद सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर मंदिर के मुख्य कपाट भी शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए. इसके साथ ही इस वर्ष की केदारनाथ यात्रा का विधिवत समापन हो गया है. इस साल केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल 2026 को सुबह श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे.

बुधवार तड़के चार बजे से केदारनाथ मंदिर में समाधि पूजा की प्रक्रिया शुरू हुई. परंपरानुसार बाबा केदार की विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए गए. इसके बाद सुबह छह बजे गर्भगृह के कपाट बंद कर दिए गए. इस दौरान धाम में मौजूद श्रद्धालु बाबा केदार के जयकारे लगाते रहे और भावुक मन से बाबा को अगले छह माह के लिए विदाई दी. मुख्य कपाट बंद होने के बाद भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ के लिए रवाना हो गई. यहां आगामी छह माह तक बाबा केदार की शीतकालीन पूजा-अर्चना विधिवत संपन्न होगी. इस दौरान श्रद्धालु ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में बाबा केदार के दर्शन कर सकेंगे. इस वर्ष केदारनाथ धाम की यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह देखने को मिला. कपाट बंद होने तक 19 लाख 14 हजार से अधिक श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं. बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने इस वर्ष की यात्रा को विशेष बनाया. केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही हिमालय की ऊंची वादियों में स्थित बाबा के धाम में अगले छह माह तक विराम रहेगा. हालांकि, बाबा केदार के दर्शन और पूजा-अर्चना का क्रम शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में निरंतर जारी रहेगा. धाम के कपाट भले ही शीतकाल के लिए बंद हो रहे हों, लेकिन भक्तों की आस्था और 'हर-हर महादेव' के जयघोष ऊखीमठ में गूंजते रहेंगे.

कनाडा से अमेरिका और यूरोप तक फैला कोरोना का नया वेरिएंट पीजे 2.1 : स्पाइक प्रोटीन में कई म्यूटेशन

कनाडा, एजेंसी।
साल 2020 में पूरी दुनिया में कोहराम मचाने के बाद अब कोरोना वायरस का एक नया वेरिएंट पीजे.2.1 चर्चा में आ गया है। मई 2026 में पहली बार कनाडा के ओंटारियो में पहचाना गया यह वेरिएंट अब अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और एशिया के कुछ हिस्सों में भी फैल चुका है। कनाडा के ओंटारियो से शुरू हुआ कोरोना वायरस का नया वेरिएंट पीजे.2.1 अब अमेरिका, यूरोप और एशिया के कुछ हिस्सों तक पहुंच गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसके सामने आने के बाद लगातार निगरानी रखने की जरूरत बताई है, हालांकि अभी तक इसके पहले से ज्यादा गंभीर बीमारी पैदा करने के पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं।

कोरोना के इस नए वेरिएंट के 'स्पाइक प्रोटीन' में बहुत अधिक म्यूटेशन हुए हैं। स्पाइक प्रोटीन



वायरस का वह हिस्सा होता है, जो उसे इंसानी कोशिकाओं के अंदर प्रवेश करने में मदद करता है। हालांकि, 'जर्नल ऑफ इन्फेक्शन' में प्रकाशित शुरूआती रिसर्च से पता चलता है कि इसके तेजी से फैलने का मुख्य कारण शायद यह है कि यह ACE2 रिसेप्टर से अधिक मजबूती से जुड़ता है, न कि यह कि यह वैक्सीन से बनी एंटीबॉडीज को आसानी से चकमा दे सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बात पर जोर दिया है कि कोविड-19 के लक्षण इन्फ्लूएंजा और सांस संबंधी अन्य संक्रमणों के लक्षणों से काफी मिलते-जुलते हो सकते हैं। इस वजह से केवल लक्षणों के आधार पर बीमारी की सही पहचान करना मुश्किल हो जाता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि पीजे.2.1 के सामने आने के बाद लगातार निगरानी रखने की आवश्यकता है, लेकिन अभी ऐसे पर्याप्त सबूत नहीं हैं जिनसे यह साबित हो सके कि यह पहले मौजूद वेरिएंट्स की तुलना में अधिक गंभीर बीमारी पैदा करता है।

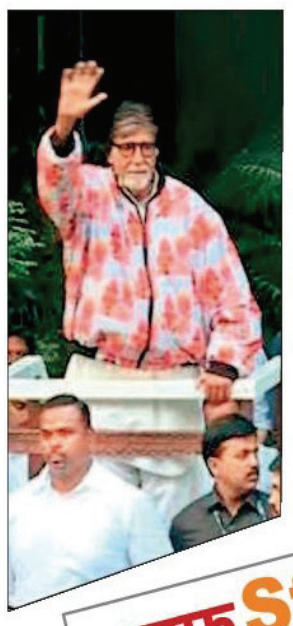
कोविड-19 के इस नए वेरिएंट के लक्षण सामान्य फ्लू से काफी मिलते-जुलते हैं। संक्रमित होने पर व्यक्ति को ठंड लगना, सिर दर्द, बुखार लगना, नाक बंद होना और गले में खराश जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा थकान, मांसपेशियों में दर्द और पेट से जुड़ी परेशानियां भी इसके प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं। इस वायरस में स्पाइक प्रोटीन का म्यूटेशन होने से यह प्रोटीन किसी चाबी की तरह ACE2 रिसेप्टर्स का उपयोग करके होस्ट सेल्स में जुड़ जाता है। इसके फैलने की सबसे मुख्य वजह छींक और खांसी की बूंदें हैं, जिनके माध्यम से यह दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करता है। किसी संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या बोलने से यह वायरस सामने वाले व्यक्ति को भी संक्रमित कर देता है। ऐसे में कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को खासतौर से इससे बचने की जरूरत है। कोविड-19 के इस नए वेरिएंट से बचाव के लिए कम हवादार जगहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क जरूर पहनें। कमरे में उचित वेंटिलेशन बनाए रखें और फ्लू जैसे लक्षण वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें। अपने हाथों को लगातार साफ रखें और चेहरे को बार-बार छूने से बचें। यदि लक्षणों का जरा भी शक हो तो तुरंत जांच कराएं और खुद बीमार होने पर लोगों से संपर्क कम कर दें। साथ ही, खुद से इलाज करने के बजाय डॉक्टर की सलाह लें और वैक्सीन को लेकर भी खुद को अपडेट रखें।

एनसीपी विलय पर फडणवीस ने कहा- बगैर भाजपा के कोई विलय नहीं होगा

मुंबई, एजेंसी । महाराष्ट्र की राजनीति में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। इन चर्चाओं के बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के एक बयान ने सबको चौंका दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भाजपा की भागीदारी के बिना ऐसा कोई विलय संभव नहीं है। अपने सरकारी आवास पर आयोजित दिवाली मिलन समारोह के दौरान फडणवीस ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते प्रफुल्ल पटेल और पार्थ पवार सहित सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के कई नेताओं ने एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की थी, जिसके बाद से विलय की बातें तेज हो गई थीं।



पत्रकारों द्वारा सुनेत्रा पवार के नेतृत्व की तुलना उनके दिवंगत पति अजीत पवार के नेतृत्व से करने पर फडणवीस ने इसे अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि अजीत पवार के पास दशकों का राजनीतिक अनुभव और महाराष्ट्र की गहरी समझ थी, जबकि सुनेत्रा पवार अभी हालात के हिसाब से खुद को ढाल रही हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी तुलना अजीत दादा से करना सही नहीं होगा। उन्होंने यह भी बताया कि एनसीपी के अन्य वरिष्ठ नेता मिलकर पार्टी का कामकाज संभाल रहे हैं। विलय के मामले पर टिप्पणी करते हुए, देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केवल शरद पवार या उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ही इस पर स्पष्ट जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने दोनों ही गुटों के अन्य नेताओं के बयानों को महत्वहीन बताते हुए खारिज कर दिया। वहीं, एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय की अटकलों के बीच, शिवसेना (शिंदे गुट) के मंत्री संजय शिरसाट ने एक नया विकल्प सुझाया है। शिरसाट ने कहा कि विलय के बजाय दोनों गुटों को मिलकर बिल्कुल नया तीसरा गुट बनाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दोनों गुटों के नेता एक-दूसरे पर लगातार आरोप लगाने में व्यस्त हैं, तो विलय कैसे संभव हो सकता है? शिरसाट ने कहा कि अगर नेता एक-दूसरे पर तीखे और आक्रामक हमले कर रहे हैं, तो विलय की संभावना न के बराबर है। उन्होंने स्थिति पर हैरानी जताते हुए कहा कि सुबह भले ही विलय की बात हो, लेकिन दोपहर तक वही नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आते हैं, जिससे असल स्थिति को समझना मुश्किल हो जाता है।



सिक्योरिटी थ्रेट भी नहीं रोक पाया बिग बी का संडे ट्रेडिशन

मुंबई। सिक्योरिटी थ्रेट और खराब सेहत से जुड़ी खबरों के बीच बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपना वर्षों पुराना संडे ट्रेडिशन जारी रखा। रविवार शाम अभिनेता अपने जुहू स्थित बंगले 'जलसा' के बाहर पहुंचे और वहां मौजूद प्रशंसकों से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। हर रविवार की तरह इस बार भी शाम करीब 5:30 बजे अमिताभ बच्चन अपने घर से बाहर निकले। हालांकि, इस बार उनके बाहर आने का अंदाज पिछले सप्ताह से अलग रहा। पिछले रविवार जहां बिग बी सुरक्षा कारणों से बुलेटप्रूफ फ्रेम के पीछे नजर आए थे, वहीं इस बार वह बिना किसी बुलेटप्रूफ फ्रेम के प्रशंसकों के सामने आए।



हॉलीवुड मसाला

जेम्स बॉन्ड के लिए एक्टर्स का स्क्रीन टेस्ट



नई दिल्ली। जेम्स बॉन्ड की अगली कड़ी में डेनियल क्रेग की जगह लेने के लिए 5 हॉलीवुड एक्टर्स ने स्क्रीन टेस्ट दिया है। उनमें रॉबर्ट पैटिनसन, निकोलस हॉल्ट), जैक लोडेन, जोश ओ कॉनर और कैलम टर्नर का नाम शामिल हैं। निर्माताओं की मानें तो जेम्स बॉन्ड के किरदार के लिए इन्हीं पांच अभिनेताओं में से एक को चुना जा सकता है। 007 को पसंद करने वाले कई इंडियन फैंस का ये भी मानना है कि जेम्स बॉन्ड फ्रेंचाइजी फिल्म के निर्देशक डेनिस विलेन्यूवे ऋतिक रोशन को भी एमआई6 एजेंट बनाने पर विचार कर सकते हैं।

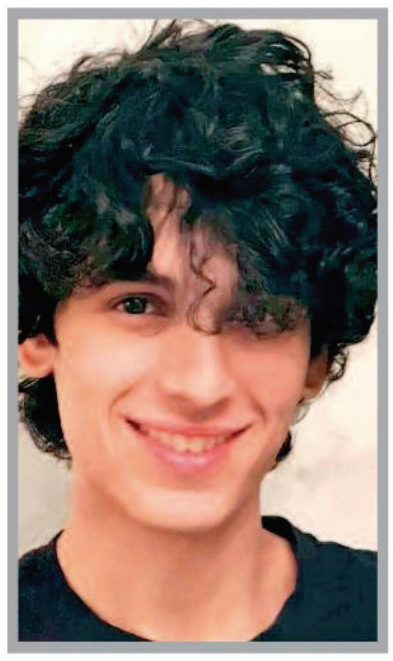
लाइफ Style

अनीत

अहान के परिवार के साथ मनाई दिवाली

'सैयारा' एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने इस बार अपने को-एक्टर अहान पांडे के परिवार के साथ दिवाली मनाई। अहान की मां डीन पांडे ने इस सेलिब्रेशन की झलक साझा की है, जिसमें उनके साथ अनीत पड्डा भी नजर आ रही हैं। 'सैयारा' से अपना डेब्यू करने वाले अहान पांडे अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में हैं।

फिल्म की रिलीज के बाद से ही अहान अपनी को-स्टार अनीत पड्डा के साथ अपनी खास बॉन्डिंग को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। पिछले दिनों अनीत ने अहान पांडे और उनके परिवार के साथ अपना जन्मदिन मनाया था और अब दिवाली भी उन्होंने पांडे फैमिली के साथ ही सेलिब्रेट की। अहान पांडे की मां डीन पांडे ने सोशल मीडिया पर दिवाली सेलिब्रेशन की झलक साझा की है, जिसमें उनके साथ अनीत पड्डा भी नजर आ रही हैं। ये तस्वीर अब सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रही है। अनीत पड्डा अक्सर अहान पांडे के परिवार के साथ नजर आती रहती हैं और अब दिवाली सेलिब्रेशन के दौरान भी वह पांडे परिवार के साथ नजर आईं। डीन पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिवाली सेलिब्रेशन की झलकियां साझा की हैं, जिसमें उनके साथ अनीत भी पोज देती दिखीं। एक सेल्फी में जहां अनीत सिर पर दुपट्टा ओढ़े मुस्कुराती नजर आ रही हैं, जबकि डीन ने पाउट बना रखा है। वहीं एक अन्य तस्वीर में गुलाबी रंग का सूट पहने अनीत, डीन और अन्य महिलाओं के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। पिछले दिनों अनीत पड्डा अहान की बहन अलाना पांडे के बेबी शावर में भी शामिल हुई थीं, जहां पांडे परिवार के सदस्यों के साथ उनकी जबरदस्त बॉन्डिंग देखने को मिली।



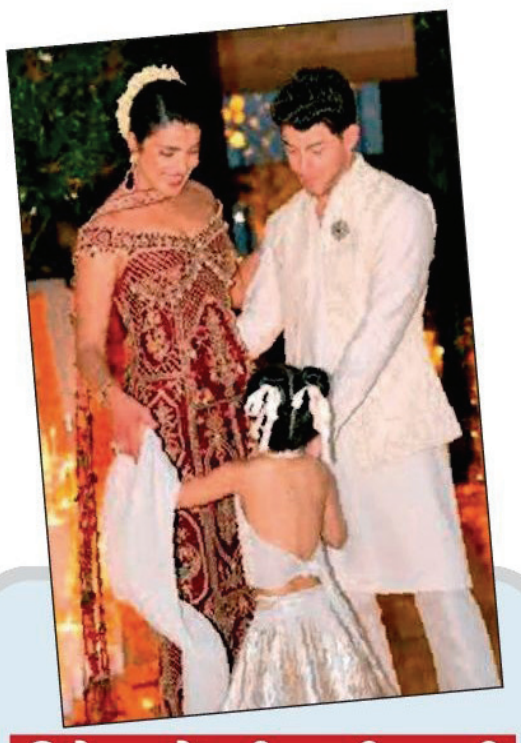
सोनू के बेटे निवान ने किया म्यूजिक डेब्यू

मुंबई। सोनू निगम के बेटे निवान भी अब म्यूजिक इंडस्ट्री में अपने कदम जमाने की तैयारी में जुट गए हैं और ये गुड न्यूज खुद सोनू निगम ने शेयर की है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि उनके 19 साल के बेटे ने 'स्लाइड' के जरिए म्यूजिक डेब्यू किया है। दिवाली पर सोनू निगम ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अपने फैंस के साथ एक गुड न्यूज शेयर की है। सोनू निगम ने अपने हालिया पोस्ट में बताया है कि उनके 19 साल के बेटे निवान ने उनकी पहली शॉर्ट फिल्म 'स्लाइड' के जरिए म्यूजिक की दुनिया में कदम रख दिए हैं। इस फिल्म में निवान ने म्यूजिक दिया है, जिसे लेकर सिंगर बेहद खुश हैं। सोनू निगम ने अपनी पत्नी मधुरिमा निगम के साथ एक जॉइंट पोस्ट शेयर करते हुए ये खुशखबरी शेयर की और निवान में पिछले कुछ सालों में आए बदलावों के बारे में भी बताया।



वर्ल्डवाइड 5 दिन में कमाए 663.90 करोड़ ...

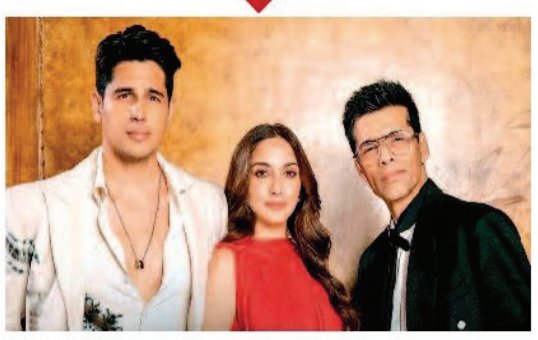
नई दिल्ली। रणबीर कपूर की 'रामायणः पार्ट 1' ने बॉक्स ऑफिस पर एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। रिलीज के पांच दिनों के भीतर ही इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 663.90 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने दिवाली के बाद भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। इसने किसी भारतीय फिल्म द्वारा पहले सोमवार को की गई सबसे बड़ी कमाई का नया रिकॉर्ड बनाया है और रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' की सोमवार की कमाई को भी पीछे छोड़ दिया है। ओपनिंग वीकेंड पर शानदार शुरुआत के बाद फिल्म की कमाई सोमवार को कम होने के बजाय और बढ़ गई है। 'रामायण' ने सिनेमाघरों में अपने पांचवें दिन 23,911 शोज के जरिए 107.50 करोड़ रुपए (नेट) की कमाई की।



विदेश में भी नही भूलीं भारतीय संस्कृति...

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा ने भी बाकी सेलेब्स की तरह ही दिवाली मनाई। पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ एक्ट्रेस ने दिवाली की ढेर सारी फोटोज शेयर की हैं। विदेश में भी वो अपनी भारतीय संस्कृति को नहीं भूली हैं। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में लॉस एंजिल्स स्थित अपने घर पर आयोजित एक पार्टी की तस्वीरें शेयर करते हुए अपने फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपने पति निक जोनस और अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ नजर आ रही हैं। उन्होंने बरगंडी और सुनहरे रंग का स्ट्रैपलेस गाउन पहना था, जिस पर जरदोजी, मोतियों का काम और सुनहरे धागों की कढ़ाई की गई थी।

टीवी मसाला



कॉफी विद करण 9 में सिद्धार्थ कियारा ने खोले कई राज

नई दिल्ली। बॉलीवुड के पावर कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। वजह है करण जौहर का पॉपुलर चैट शो 'कॉफी विद करण सीजन 9', जहां दोनों अगले एपिसोड में एक साथ दिखने वाले हैं। शादी के बंधन में बंधने और अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी के अनाउंसमेंट के बाद यह इस जोड़ी का पहला ऑन-स्क्रीन टीवी अपीयरेंस है।

भाई-बहन के प्यार का खूबसूरत गीत, 41 साल पहले बेबी लता ने गाया था 'भैया दूज सुहानी'

नई दिल्ली। दिवाली का त्योहार खत्म होने के बाद अब भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक भैया दूज मनाया जाएगा। इस खास दिन पर बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं। भाई-बहन के इसी खूबसूरत रिश्ते को भारतीय सिनेमा ने भी कई गीतों के जरिए पर्दे पर उतारा है। ऐसा ही एक सदाबहार गाना है, जो आज से 41 साल पहले रिलीज हुआ था और आज भी भैया दूज के मौके पर याद किया जाता है।

1983 में आई थी फिल्म नवरात्रि

भैया दूज के महत्व और भाई-बहन के प्रेम को दर्शाने वाला यह गाना साल 1983 में आई फिल्म नवरात्रि का है। 'भैया दूज सुहानी' बोल वाले इस गीत में त्योहार की परंपराओं और उससे जुड़ी भावनाओं को खूबसूरती से पिरोया गया है। इस गाने को अपनी सुरीली आवाज देने वाली गायिका हेमलता हैं। दिलचस्प बात यह है कि हेमलता को हिंदी सिनेमा में 'बेबी लता' के नाम से भी पहचाना जाता है। दरअसल, उनकी आवाज में स्वर कोकिला लता मंगेशकर जैसी समानता महसूस की जाती थी। यही वजह रही कि कई लोग उनकी गायिकी को लता जी की आवाज से जोड़कर देखते थे। फिल्म 'नवरात्रि' का यह गीत भी हेमलता की मधुर आवाज की वजह से श्रोताओं के दिलों में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा।



रवींद्र ने लिखे थे खूबसूरत बोल : इस सदाबहार गीत को यादगार बनाने में संगीतकार और गीतकार रवींद्र जैन की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने ही 'भैया दूज सुहानी' के बोल लिखने के साथ इसकी धुन भी तैयार की थी। हेमलता की आवाज और रवींद्र जैन के संगीत का यह मेल गीत को एक अलग पहचान देता है। रिलीज के 43 साल बाद भी यह गाना भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और भैया दूज की परंपरा को याद दिलाता है।

लोकधुन और त्योहार की परंपरा का सुंदर मेल

'भैया दूज सुहानी' की खासियत सिर्फ इसके बोल या गायिकी तक सीमित नहीं है। इस गीत में भैया दूज से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं, पारंपरिक रीति-रिवाजों और लोकसंगीत की झलक भी देखने-सुनने को मिलती है। इसकी धुन और शब्द त्योहार के पारंपरिक रंग को जीवंत कर देते हैं। यही कारण है कि इसे महज एक फिल्मी गाना नहीं, बल्कि भैया दूज की भावना से जुड़ा पारंपरिक गीत भी माना जाता है।

कपूर फैमिली की दिवाली पार्टी में कफ्तान पहनकर पहुंचीं बेबो

नई दिल्ली। सोनी राजदान ने हाल ही में कपूर फैमिली की दिवाली पार्टी की झलक शेयर की, जिसमें पूरा परिवार साथ-साथ दिवाली सेलिब्रेट करता दिखा। लेकिन, हर किसी की निगाहें करीना कपूर के लुक पर ठहर गईं, जो दिवाली पार्टी पर एक नया ही अवतार फ्लॉन्ट करती दिखीं। दिवाली पर बॉलीवुड सेलेब्स के एक से बढ़कर एक लुक देखने को मिले। आलिया भट्ट ने जहां पिस्ता ग्रीन लहंगे में सुर्खियां बटोरीं तो वहीं श्रद्धा कपूर ने बटरी येलो अनारकली सूट में अपनी सादगी से सबके दिल जीत लिए। अब करीना कपूर ने भी अपने दिवाली लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं और अपने अलग अंदाज से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। करीना कपूर खान पिछली रात कपूर खानदान की दिवाली पार्टी में शामिल हुईं, जहां पूरा परिवार साथ-साथ मौजूद था। इस दिवाली पार्टी के लिए करीना ने साड़ी, लहंगा या सूट नहीं, कफ्तान पहना था और अपने लुक को उन्होंने पगड़ी से कम्प्लीट किया, लेकिन सबकी नजरें पगड़ी पर लगे कलगी पर टिक गईं। करीना कपूर अपने परिवार के दिवाली सेलिब्रेशन में बेहद खास अंदाज में पहुंचीं। उनका ये फेस्टिव लुक रिया कपूर ने तैयार किया था। करीना ने ट्रेडिशनल आउटफिट की जगह कुछ अलग चुना और पुनीत बलाना का बेज कलर का कफ्तान पहना, जिस पर चांदी के धागों से बेहद खूबसूरत जाल नुमा कढ़ाई की गई थी। करीना ने इसके साथ मैचिंग पगड़ी पहनी थी, जिस पर चमचमाती कलगी लगी थी। 'डाइट सब्या' के अनुसार, पटौदी खानदान में इस कलगी का बेहद खास महत्व है, ये सीधे तौर पर सैफ अली खान के परिवार की विरासत से जुड़ी है। अभिनेता ने ये कलगी अपनी शादी में भी पहनी थी। करीना ने अपने लुक को गोल्ड चोकर, पन्ने वाले पेंडेंड नेकलेस और स्टेटमेंट जूलरी के साथ पूरा किया। जैसे ही करीना कपूर खान ने अपना ये लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया।



JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com



हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.